



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15] वर्ष दिल्ली, अनिवार, अप्रैल 12, 1980 (चैत्र 23, 1902)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 12, 1980 (CHAITRA 23, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ चंडों की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और बहुते बाहरी भूमि, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1980

सं. ए. ३५०१४/१/७९-प्रगा. ०II—मन्त्रिवाल, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केंद्र संघर्ष के निम्नलिखित तीन स्थायी अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट पदों पर तथा अवधि के लिए, अवश्य अग्रामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

1	2	3	4
3. श्री एच. एम. विश्वास	अनु. अधिकारी (विशेष-परीक्षा नियम एवं प्रबंध)	3-3-1980 से 2-6-1980 तक	3-3-1980 से 2-6-1980 तक

क्र. सं.	नाम	पद	अवधि
1	2	3	4
1. श्री जी. ओ. सर्केना	अनु. अधिकारी (विशेष-गोपनीय)	10-2-80 से 9-5-80 तक	
2. श्री जे. एस. माहनी	अनु. अधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय)	3-3-80 से 2-6-1980 तक	

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप सर्वश्री जी. ओ. पी. सर्केना, जे. एस. माहनी और एच. एम. विश्वास का वेतन वित्त मंत्रालय, अप्प विभाग के समय समय पर यथा संशोधित वा. ० शा. ० सं. ० एफ. ० 10(24)ई. ० III/60 दिनांक 4-5-1961 की गतीयों के अनुमार विनियमित होगा।

एस. बालचन्द्रन,
ग्रवर सचिव
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का० प्र० प्र० मु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० १० १९०२१/१/७९-प्रश्ना०-५—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीकार के रूप में प्रतिनियुक्त श्री ई० एन० राममोहन, भारतीय पुलिस सेवा (1965-मेथालय) ने दिनांक 31-१-1980 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कार्यभार मुक्त होने पर, श्री राम मोहन की सेवाएँ मेथालय सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रश्नामन्त्रिका० अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली-१९, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० ई०-३८०१३(३)/११/७९-प्र०-मि०—जारिया से स्थानांतरित होने पर, श्री एन० जी० दत्त गुप्ता ने २९ फरवरी, १९८० के अपराह्न से क० ए० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० प० जारिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली-११००११, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० ११/३९/७९-प्रश्ना०-१—राष्ट्रपति, कर्णाटक सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० राष्ट्रवेन्द्र राव को कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख ७ फरवरी, १९८० के पूर्वाह्न से आगले आदेशों तक प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय बेलगांव में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

किम्बला-१७१००४, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० २३/३/८० सी० पी० बाई०—फरवरी, १९८० में औद्योगिक अमिकों का जब्ति भारतीय उपमोक्षता मूल्य

सूचकांक (आधार वर्ष १९६०=१००) जनवरी, १९८० के स्तर से २ अंक घट कर ३६९ (तीन सौ उनहसर) रहा। फरवरी १९८० माह का सूचकांक आधार वर्ष १९४९=१०० पर परिवर्तित किए जाने पर ४४८ (चार सौ अड़नालीम) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
मंयकन-निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

महालेखाकार आंध्र प्रदेश का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० प्रश्ना० १/८. १३२/७९-८०/३९८—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० वीरसा को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० ८४०-४०-१०००-ई०-बी०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर १३-३-१९८० के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रश्ना० १/८. १३२/७९-८०/३९८—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जे० कृष्णाराव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० ८४०-४०-१०००-ई०-बी०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर १३-३-१९८० के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रश्ना० १/८. १३२/७९-८०/३९८—महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जे० लक्ष्मीपति को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० ८४०-४०-१०००-ई०-बी०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर १३-३-१९८० के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रश्नात्मक)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवा

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० ५६९१/प्र०-प्रश्नामन्त्र/१३०/७९—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री एन० सी० विश्वास, स्थाई लेखा परीक्षा

अधिकारी, दिनांक 29-2-1980 (प्रपराह्ल) लेखा परीक्षा
सेवाएं विभाग में देवा नियुक्त हुए।

के ० बी ० दाम भौमिक,
मंयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

उद्योग मंत्रालय
ग्रौद्योगिक विकास विभाग
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० १० 19018/474/80-प्रशासन (राजपत्रित)---
राष्ट्रपति जी, श्री एम० के० चक्रवर्णी, आई० ए० एम०
(प० बंगाल, 1969) को दिनांक 6 मार्च, 1980 (पूर्वाह्ल)
से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई
दिल्ली के कार्यालय में नियुक्त, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन
प्रभाग) महर्वे नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1980

सं० प्र-1/1/1128—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान,
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक
(भुकदमा) (ग्रेड II) श्री आर० द्वौरास्वामी को दिनांक
12-11-1979 (पूर्वाह्ल) से तथा आगामी आदेशों के जारी
होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक
(भुकदमा) (ग्रेड-1) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर
स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

ध्यानपात्र और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० ए०-19011(276) 80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की मिफार्सन पर, राष्ट्रपति श्री एस० सी० श्रीवास्तवा,
सहायक रसायनविद् को 10 मार्च, 1980 के अपराह्ल से
स्थानापन्थ रूप में भारतीय खान व्यूरों में रसायनविद् के
पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की गई है।

एस० बी० अली,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान-सर्वेक्षण
भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 मार्च 1980

सं० 4-169/79/स्था०—निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान
सर्वेक्षण, एतत्थारा डा० विश्वनाथ जोवारदार को अस्थायी
आधार पर दिनांक 10 मार्च, 1980 के पूर्वाह्ल से अगले
ग्रादेश होने तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, देहराजन
में सहायक मानवविज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर नियुक्त
करते हैं।

ए० आर० आई०,
प्रशासनिक अधिकारी

मूर्चना श्री० प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 24013/11/79-सिबम्बी-I—श्री आर० ए०
शमै की छुट्टी समाप्त होने पर, कुमारी एम० सेन स्थानापन्थ
जायें प्रबन्धक, फिल्म अयोग नागपुर को दिनांक 28-1-1979
के दुपारह्ल से विज्ञेता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

नरेन्द्र नाथ शर्मा,
सहायक प्रशासनीय अधिकारी,
कृते भुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1980

सं० ए० 12025/2/78-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जैनेट विकर्स को 20 फरवरी,
1980 पूर्वाह्ल से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना, जयपुर में दस्त शाल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी
आधार पर तैनात किया है।

सं० ए० 12025/20/78-ए० आई० आई० ए० ए० ए०
ए०/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री दीन बन्धु गूड्हन को 1
फरवरी, 1980 पूर्वाह्ल से आगामी आदेशों तक अखिल
भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता
में सेनेटरी धन्जीनियर (डीजाईन) के सहायक प्रोफेसर के
पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० 38012/1/80-(ए० ए०) प्रशासन-I—
सेवा नियुक्ति की आयु हो जाने के पछावरूप स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशालय, नई दिल्ली में निसिंग सलाहकार श्रीमती पी०
के० कार्थ्यानी 29 फरवरी, 1980 के अपराह्ल से सरकारी
सेवा से नियुक्त हो गई है।

दिनांक 21 मार्च 1980

सं० ए० 31014/4/77-(मुद्य) प्रशासन-I—स्वास्थ्य
सेवा महानिदेशक ने निम्नलिखित 6 अधिकारियों को स्वास्थ्य

सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक बास्तुविद के स्थाई पदों पर उनके नाम के आगे थी गई तारीख से स्थाई आधार पर नियुक्त किया है:—

(1) श्री एस० डी० मटंग,	17-10-1965
(2) श्री बी० मी० मिस्ट्री	-बही-
(3) श्री टी० एस० गिल	12-02-1970
(4) श्री बी० बी० पंचाल	11-10-1972
(5) श्री के० के० मिक्ता	30-06-1972
(6) श्री हरबंस सिंह	07-04-1978

दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० 12026/1/77-एम० ई० पी०/प्रशा०—
महायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० के० शर्मा ने 22 जनवरी, 1980, पूर्वाह्नि से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० के० शर्मा ने 22 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्नि से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० विश्वास ने 15 जनवरी, 1980 पूर्वाह्नि से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० विश्वास ने 14 जनवरी 1980, अपराह्नि से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० कौल ने 4 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्नि) से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अधीन राष्ट्रीय फायलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम में सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० एम० कौल ने 31 जनवरी, 1980, अपराह्नि से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान (काला-प्राजार एकक) पटना में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एच० कनौजिया ने 5 फरवरी, 1980 पूर्वाह्नि से प्रार्दिषक स्थानापन्न और परिवार कल्याण कार्यालय, हैदराबाद में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एच० कनौजिया ने 1 फरवरी, 1980, पूर्वाह्नि से क्षेत्रीय फायलेरिया प्रशिक्षण प्रबंधन संस्थान के अधीन राष्ट्रीय गंचारी रोग संस्थान कार्यक्रम में उप सहायक निदेशक (बीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

जाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1980

सं० ए० 32015/4/78-भडार (भाग-I)—इस निदेशालय की 5 अक्ष्यूबर, 1979 की अधिसूचना संलग्न ए० 32015/4/78-भडार-1 (पार्ट) के अम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप-दीपू के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जे० के० लौल को 13 जनवरी, 1980 पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक उसी दीपू में तदर्थ आधार पर सहायक ढीपू मैनेजर के पद पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन

दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० 19023/75/78-प्रशा०-II—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्थातियों के अनुसार श्रीमती आर० एस० नेहती, जो तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में काम कर रही हैं, इस निदेशालय के अधीन बम्बई में तो ख 22-11-1979 से अगले आदेश होने तक कियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में पदोन्नति की गई है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरोरा कालोनी, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(167)/80/एस०/3544
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा, के० मुख्य परियोजना अभियंता, उप नियंत्रक सैनिक लेखा कार्यालय, के० अनुभाग अधिकारी श्री एस० एम० शर्मा, पी० ए० ओ० (ओ० आर० एस०) आर्टिलरी, को० नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 11 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्नि से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/3432—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पदों पर मौसिक रूप से नियुक्त किया हैः—

क्र० सं.	नाम और यूनिट	वर्तमान प्रेष्ठ	स्थायी पद, यदि कोई है तो
(1)	(2)	(3)	(4)

1. श्री टी० आर० एस० थम्पी	सहायक भंडार अधिकारी	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे।			
2. श्री एम० एस० गंगनाथ	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्राम्बे।	अधिकारी		
3. श्री ए० पद्मनाभन,	सहायक भंडार	उच्च श्रेणी	
भारी पानी परियोजना	अधिकारी	लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)	
भंडार, तूतीकोरिन			
4. श्री बी० सी० कुशबिला,	सहायक भंडार	मुख्य भंडारी	
परमाणु विद्युत			
परियोजना भंडार,	अधिकारी		
भंडार, नागपुर			
5. श्री के० ए० उपाध्याय,	सहायक भंडार	भंडारी	
मद्रास परमाणु विद्युत			
परियोजना भंडार,	अधिकारी		
कलपाकंक्षम			
6. श्री एम० के० जॉन,	सहायक भंडार	भंडारी	
भारी पानी परियोजना			
भंडार, वडोदरा	अधिकारी		
7. श्री आर० बी० माथुरे,	सहायक भंडार	भंडारी	
भारी पानी परियोजना			
भंडार, कोटा	अधिकारी		
8. श्री एम० एन० एच० राव,	सहायक भंडार	सहायक	
नाभिकीय ईंधन समिक्ष			
भंडार, हैदराबाद	अधिकारी		
9. श्री के० चन्द्रशेखरन,	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,			
द्राम्बे	अधिकारी		
10. श्री बी० राधाकृष्णन,	सहायक भंडार	सहायक	
(केरल न्यूज़प्रन्ट)			
परियोजना, केरल राज्य	अधिकारी		
में प्रतिनियुक्ति पर)		भंडारी	

(1)	(2)	(3)	(4)
11. श्री बी० बी० प्रभु,	सहायक भंडार	उच्च श्रेणी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी	लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)	
द्राम्बे			
12. श्री ए०आर० तोंदेवलकर,	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी		
द्राम्बे			
13. श्री बी० के० बोकिल,	सहायक भंडार	भंडारी	
'विद्युत रिएक्टर ईंधन			
पुनः संसाधन संवंत भंडार,	अधिकारी		
तारापुर			
14. श्री जे० डब्ल्यू० आर०	सहायक भंडार	भंडारी	
लिविंगस्टोन,	अधिकारी		
मद्रास परमाणु विद्युत			
परियोजना भंडार,			
कलपाकंक्षम			
15. श्री के० श्रीधरन	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी		
द्राम्बे			
16. श्री आर्ह० पी० जैन,	सहायक भंडार	उच्च श्रेणी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी	लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)	
द्राम्बे			
17. श्री अवतार सिंह पंज,	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी		
द्राम्बे			
18. श्री पी० के० आर०	सहायक भंडार	भंडारी	
[वारियर,	अधिकारी		
मद्रास परमाणु विद्युत			
परियोजना भंडार,			
कलपाकंक्षम			
19. श्री के० एस० पिल्ले,	सहायक भंडार	उच्च श्रेणी	
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र	अधिकारी	लिपिक (कनिष्ठ भंडारी)	
भंडार, कलपाकंक्षम			
20. श्री जॉन जॉनी,	सहायक भंडार	भंडारी	
केन्द्रीय भंडार यूनिट,	अधिकारी		
द्राम्बे।			

सं. डी० पी० एस०/4/1(4)/77-प्रशा०/3472—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 10 अक्टूबर, 1979 से उसी निदेशालय में

सहायक क्रय अधिकारी के स्थायी पदों पर भौतिक रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम सं.	नाम और यूनिट	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है तो
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री वी० भूतलिंगम, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई (मैसरी रिचर्ड्सन एण्ड कुड्डस लिमिटेड में प्रतिनियुक्त पर)	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक केन्द्रीय क्रय यूनिट, सहायक
2.	श्री एम० पंचपकेशन, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, अधिकारी मद्रास	सहायक क्रय क्रय सहायक	—
3.	श्री एस० जी० कदूलकर, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
4.	श्री पी० वी० रामनाथन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	वरिष्ठ अधिकारी	वरिष्ठ अधिकारी
5.	श्री पी० के० सुब्रह्मन, कलकत्ता क्षेत्रीय क्रय यूनिट, कलकत्ता	क्रय अधिकारी	—
6.	श्री वी० के० चन्द्रशेखरन, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, अधिकारी मद्रास	क्रय सहायक	क्रय सहायक
7.	श्री वी० कृष्णन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
8.	श्री आर० एस० गायकवाड़, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
9.	श्री वी० एस० रामस्वामी हैदराबाद क्षेत्रीय क्रय अधिकारी यूनिट, हैदराबाद	सहायक क्रय	क्रय सहायक
10.	श्री के० वी० नायर, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी (स्थायित् क्रय सहायक)	—
11.	श्री आर० जे० धोध, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)
12.	श्री पी० नारायणकुट्टी, कोटा क्षेत्रीय क्रय यूनिट, कोटा	सहायक क्रय अधिकारी	—

(1)	(2)	(3)	(4)
13.	श्री जे० जी० सिंह, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	—
14.	श्री एस० जे० प्रधान, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)
15.	श्री टी० पी० जोसफ, मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट मद्रास	सहायक क्रय अधिकारी (स्थायित् निम्न श्रेणी लिपिक)	—
16.	श्री पी० बालसुब्रह्मण्यन, केन्द्रीय क्रय यूनिट, बम्बई	सहायक क्रय अधिकारी	क्रय सहायक
17.	श्री के० बालगंगाधरन, हैदराबाद क्षेत्रीय क्रय यूनिट, हैदराबाद	सहायक क्रय अधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक)

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/3935—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निवेशक ने श्री गोपाल नरेंद्रनाथ नायर, सहायक भंडार अधिकारी को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

मुम्बई-400001, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० डी० पी० एस० 23/8/77/प्रशा०/4514—निरेशक नायर एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग निम्नलिखित सहायक लेखाकारों को सहायक लेखा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में रूपये 650-30-740-35-880-इ० रो०-40-960 के बेतन ऋपु में उनके नाम के समने अंकित सम्यावधि तक तर्दं रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	से	तक
(1)	श्री ए० एस० परुलकर	16-6-79	17-8-79 (अपराह्न तक)
(2)	श्री जे० जी० माठे	12-11-79	15-12-79 (अपराह्न तक)

वी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कल्पाकक्ष, दिनांक 11 मार्च 1980

सं० एम० ए० पी० पी०/५(२७)/७६-प्रशासन—निम्न-
लिखित व्यक्तियों को जो इस समय मद्रास परमाणु विद्युत
परियोजना में कार्य कर रहे हैं 1-1-1979 से ६५०-३०-
७४०-३५-८८०-३० रो०-४०-९६० रुपये के वेतनमान में सोलिक
रूप से सहायक कार्यकारी नियुक्त किया गया है :—

क्रम	व्यक्ति का नाम	टिप्पणी
संख्या		
1.	श्री टी० एम० बैंकटरामन	विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रमाण पूल में स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक।
2.	श्री एम० डी० राघवन	विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रमाण पूल में स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक।

एम० हरिप्रसाद राव
मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदरगाबाद-५०००१६, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० प० ख० प्र०-२/(२९०४)/७९-प्रशासन—श्री ज्ञानेश्वर
नन्द दास द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के अस्थायी पद से
दिया गया त्याग-पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा ५ फरवरी 1980 के अवधारणा में स्वीकार कर दिया गया है।

एम० एम० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन संचालन

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली ३, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ई० (१) ०३७६४—मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान एवं भू-भौतिकी) के कारबलिय पुणे में कार्य-
रत डा० आर० वाई० मौकाशी, मौसम विज्ञानी ग्रेड II
निर्वातन आयु पर पहुँचने पर दिनांक ३०-११-१९७९ के
अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

के० भूखर्जी
मौसम विज्ञानी
कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1980

सं० ए० ३१०१३/२/७९-ई० ए०—राष्ट्रपति ने इस विभाग के निम्नलिखित व्यक्तियों का प्रत्येक के नाम के भास्मने दी गई तारीख में तथा अन्य अंदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानभारी और विमान क्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/नियंत्रक विप्रानक्षेत्र के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम	नाम	दिनांक	तैनाती स्थेशन
सं०			
1.	श्री एम० एम० जोगलेकर	१-११-१९७८	धोक्कीय विमानक्षेत्र नियंत्रक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई
2.	श्री एम० भट्टाचार्जी	१-२-१९७९	विमान क्षेत्र नियंत्रक, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
3.	श्री बी० के० रामाचन्द्रन	१-२-१९७९	उपनिदेशक (विमान परिवहन) मुख्यालय

बी० बी० जौहरी
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1980

सं० ए० ३२०१३/९/७९-ई० शी०—इन विभाग की दिनांक २२-८-१९७९ की अधिभूतना सं० ए० ३२०१३/९/७९-ई० स० के क्रम में राष्ट्रपति जी श्री एन० एस० एस० हायक संचार अधिकारी को संचार अधिकारी के ग्रेड में नदर्श नियुक्ति को ४-१-१९८० के बाद छः माह के लिए, अप्रवाह ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो पहले हो, जारी रखने का भंजरी देने हैं।

दिनांक 20 मार्च 1980

सं० ए० ३२०१३/१५/७७-ई० शी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को जो नीति दिया गया ग्रौमें के अनुसार विदेशी मरकारों के पास प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे, दिनांक १९-९-१९७८ (पूर्वाह्न) भै अन्य अंदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में प्रोफेसरी पदोन्नति देने की अनुमति प्रदान की है :—

क्रम	नाम	कृ० के पास प्रतिनियुक्ति पर है सं०
------	-----	---------------------------------------

- श्री के० पी० अनंत जामिया सरकार
- श्री एस० आर० बैंकटरामण जामिया सरकार
- श्री आर० अधिसेशन लीब्रिया सरकार

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 11-2-1980 की अधिसूचना सं० ए० 32013/8/79-ई० सी० के क्रम सं० 3 और 6 का संशोधन करते हुए राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के मामले दी गई तारीखों के बाद 31-5-1980 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखते की स्वीकृति दे दी है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति की स्वीकृत अवधि
3.	श्री ए० डी० बंसल	निदेशन, नियोगिता विभाग, एकक, नई दिल्ली	29-12-79 के बाद तक
6.	श्री वी० भुव्रमण्णन्	अंतर्राष्ट्रीय निदेशक, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई	9-2-80 के बाद तक

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने निवारन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी नेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार 29-2-1980 (आपराह्न) से त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन	नेवा निवृत्त होने की तारीख
1.	श्री वी० एन० कौल, महायक तकनीकी अधिकारी	रेडियो नियर्माण एवं विनायक ए० एक, (आपराह्न) नई दिल्ली	29-2-80
2.	श्री किरण राय, महायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	29-2-80 (आपराह्न)
3.	श्री दीपदार मिहन, महायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, अमृतसर	29-2-80 (आपराह्न)

श्री ए० एन० दास,
महायक निदेशक प्रशासन

केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला
पुणे-411024, दिनांक 12 मार्च 1980

सं० 608/163/80-प्रशासन—पंच लोक नेवा आवोग से किए गए चयन के कारण निदेशक, केंद्रीय जल और विद्युत

अनुसंधान शाला, पुणे इसके द्वारा श्री जगन मोहन गव की महायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी-यांत्रिक) के पद पर वैतनमान रूपये 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर । मार्च, 1980 के पूर्वाल्प से नियुक्ति करते हैं।

श्री जगन मोहन गव के लिए 1-3-1980 से दो जाल की परिवीक्षावधी होगी।

एम० एर० गिडवर्नी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स कैपिटल नैण्ड इंड जनरल उद्योग प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० 3750/6900—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्वारा सूचना दी जाती है कि कैमर्स कैपिटल लैंड इ० ए० जनरल उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

हरताल,
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनी
दिल्ली व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स अप्रवाल बेनीफिट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1248—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स अप्रवाल बेनीफिट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री महेनी द्रेडींग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1280—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स श्री महेनी द्रेडींग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स श्री जयश्री एन्टरप्राइजीस लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च, 1980

सं० 560/1463—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स श्री जयश्री एन्टरप्राइजीस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग एन्ड फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1570—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ई० सी० ट्रेडिंग एन्ड फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स ई० सी० ट्रेडिंग एन्ड फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अरपन बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 560/1948—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मुवाराणी थिएटर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रबंडन नं० जी०८८, गृजगत राज्य,

अहमदाबाद
जे० मो० गथा,

2-16GI/80

कम्पनी अधिनियम 1956 और पोदर सफड़ी पोली ऊपड़ील लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2596/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोदर सफड़ी पोली ऊपड़ील लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गत्रवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और येशोदरा केमियल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2644/लिक्वि/3024/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर येशोदरा केमियल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और युवराणी थिएटर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2661/लिक्वि/3022/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युवराणी थिएटर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मोटीबाई पटेल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 1924/लिक्वि/3036/80—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मोटीबाई पटेल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वैपीन आइलैंड कैरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2789/लिक्वि०/3043/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वैपीन आइलैंड कैरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रालियन्ट एमो-केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2815/लिक्वि०/3040/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रालियन्ट एमो-केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुमंगला लौन्स एंड चिट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2481/लिक्वि०/3045/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुमंगला लौन्स एंड चिट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चन्डाक्कल प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 1932/लिक्वि०/3028/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चन्डाक्कल प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनता एम्प्लाईज कुरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2456/लिक्वि०/3047/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनता एम्प्लाईज कुरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरल आटो इंडस्ट्रीयल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2346/लिक्वि०/3038/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केरल आटो इंडस्ट्रीयल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीलेस्वर आलु मिनियम माइन्स एंड ड्रेस लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 2382/लिक्वि०/3034/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नीलेस्वर आलु मिनियम माइन्स एंड ड्रेस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एम० अहमद कुर्जू,
कम्पनी प्रॉसिस्पूटर एंड एफस-प्रोफिशनल
प्रसिस्टेट रजिस्ट्रार मॉफ कम्पनीज,
केरल

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस० ——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, I

अहमदाबाद, विनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-2642 (986-I-1-1-79-80—अतः मुझे एस० एन० मांडल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ(1) के प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 473, 474-5, 474-6, है तथा जो गांव गोता, तालुका दशरोही, पिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षाह प्रतिक्षत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अस्तरण में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के पर्याम कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्ते भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधृ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यां, अवैत्:—

(1) श्री शांताबेन, पटेल हरीभाई डाह्याभाई की विधवा गांव गोता तालुक दशरोही जिला—अहमदाबाद (ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) श्री विष्णु भाई मफतलाल पटेल, 36, शंकर सोसायटी नं० 1, चाररास्ता, नारणपुर, अहमदाबाद 13;

(2) श्री जयंतीबाई मफतलाल पटेल, 27, तारककुंज सोसायटी, वाडेज के पास, अहमदाबाद।

(3) श्री कनुभाई मफतलाल पटेल, II, शांती निकेतन पार्क अमीन होस्पिटल के पीछे, अहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवित्यां पर सूचना की वारील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अवित्यां जैसे किसी अवित्या द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवित्या द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

7 एकड़ 0-32-, गुठा तथा 0-34-4 गुठ क्षेत्रफल घासी खुली जमीन का 1/4 अविभक्त हीस्सा, पिसडा सर्वे नं० 473 475/5, तथा 474/6 है जो गांव गोता, तालुका वशकोही जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा विक्री वस्तावेज रजिस्ट्रेशन नं० 7163 विनांक 4-7-1979 से रजिस्टर्ड उनमें पैसा पूर्ण बताया गया है।

एस० एन० मांडल
संकाम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त, (निरीकण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

विनांक : 25-3-1980

मोहर :

प्रस्तुति भाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-26-42 (987) /1-1/
79-80—अतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 474-5, 473, 474-6, है
तथा जो गाँव, गोता, ता० दशकरोहि जिला—अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथग्मान प्रति-
फल के लिये असुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षों) और अस्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही हिसो अधि की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन फरैने के अन्तरक के दायित्व में
भी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
लौटाया

(ख) ऐसी किसी आयं या किसी धनं या अन्य अंगास्तेयों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तरिक्ष
द्वारा छकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्कार, लिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त पर्याप्तियम, जी धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपग्राहा (1)
आसीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्जातः:—

(1) श्री हर्षभाई हरीभाई पटेल, स्वयं तथा अते एच० य०
एफ० के कर्ता के रूप में तथा समीर आबो हर्षभाई के बाल,
गांव गोता, तालुक दशंकर पंजिला—अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री विष्णुभाई मकतलाल पटेल, 36, शंकर सोसाइटी
नं० 1, चारारास्ता नारणपुर, अहमदाबाद—13

2. श्री जंतरीभाई मकनलाल पटेल, 27, तारककुंज
सोसाइटी, नवाबाड़ अहमदाबाद-13

3 श्री कनुचाई मकतलाल घटेल 11, जांतीनिकेतन पार्क
ग्रमीन की अस्पताल के पीछे, नारणपुर—अहमदाबाद-13
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

7 एकड 0-32-4 गुंडा तथा 0-34-4 गुंडा सेवफल बाली
खुली जमीन का अवमक्त 1/4 हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 473,
475/5, 474/0 क्रमशः है जो गाँव तालुका दगोताकोहि स्थित
जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन सं० 7162 दिनांक
4-7-1979 से रजिस्टर्ड विकी दस्तवेज में बैसे पूर्ण वर्णन दिया
गया है।

एन० एम० मांडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, अहमदाबाद
तारीख: 25-3-1980
मोदूर :

प्रलेप प्राइवेट०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज़, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-2642 (988) /
1-1/79-80—यतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख
के प्रधीन सूचना आधिकारी को, यदि विश्वास करते का कारण
है कि स्थानीय प्रभाव, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 473, 474-5 तथा 474-6, हैं तथा
जो गांव गोता, तालुका दशकोई जिला अहमदाबाद में स्थित हैं
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है),
रजिस्ट्रीफर्स अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-7-
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के निम्न प्रभावित को गई है और मुझे यदि विश्वास करते
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान तिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रनियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्त्रिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मानविक
रूप में कथित नहीं किया गया।

(क) अन्तरण से हुई हिन्दी आय की शब्दों उपर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
दायरत्व में कमी करने या उसमें लक्ष्य में युक्ति
के लिए; सोर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मूल्य आस्तियाँ
जो, जिन्हें सार्वत्रिक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप्धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकितयों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रलाल हरीभाई पटेल स्वयं तथा एच० मू०
एफ० के कर्ता के रूप में तथा समीर (1) की जयेन्द्र चन्द्रभाई
(2) श्री शैलेश चन्द्रभाई के बाली, गांव गोता, तालुका वशीकोई
जिला अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) (1) श्री विणुभाई मफतलाल पटेल, 36, शंकर
सोसायटी नं० 1, चाररास्ता नाराणपुरा, अहमदाबाद-13।

(2) श्री जयंतीभाई मफतलाल पटेल, 27 तारकांजुल
सोसायटी, नया वार्ड, अहमदाबाद-13,
(3) श्री कनुभाई मफतलाल पटेल 11, शांतीनिकेतन पार्क,
प्रमोन के अस्तपाल के पीछे, अहमदाबाद-13।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अधिकतर्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मध्याह्न त्रीनी बीमा, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतर्यों में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिक द्वारा, अष्ट्रोत्स्ताक्षरी के पास
लिखित ढंगे किए जा सकेंगे।

पृष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में
दिया हुआ है।

अनुसंधान

7 एकड़ 0-32-4 गुंडा, 0-34-4 गुंडा क्षेत्रफल धाली
जमीन का 1/4 अधिकतर हिस्से जिसके सर्वे नं० 473, 475/5
तथा 474/6 क्रमांक हैं जो गांव-गोता तालुका-देशकोई जिला
अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 7166
दिनांक 4-7-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद
दिनांक 26-3-1980
मोहर :

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

अहमदाबाद, विनांक 26 मार्च 1080

निर्देश सं० ए० सी० कु० २३-I-२६४२ (९८९)/

१-१-७९-८०—आतः सुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्टर अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दो से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वों नं० 473, 474-5, तथा 474-6, है। तथा जो गांव गोता, तालुका वशीराई जिला, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्न यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हदेश से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से छपित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ प्रतिक्रिया का, छिपाने में सुविधा के लिए।

आतः बदः उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के पन्तरण ने; में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बधायत :—

(1) श्री जगदीश हरीभाई पटेल स्वरं तथा एवं यु० एफ के कर्ता के रूप में तथा सरीर बाबी, जगदीशभाई के बाली गांव गोता तालुका वशीराई जिला अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) (1) श्री विष्णुभाई मफतलाल पटेल, 36, शंकर सोसायटी नं० 1, आर रास्ता नारणपुर, अहमदाबाद-13

(2) श्री, जैतीभाई मफतलाल पटेल, 27, तारककुंज सोसायटी, तथा न्यु बैंडेज, अहमदाबाद-13,

(3) श्री कानुभाई तमफतलाल पटेल, 11, शांति निकेतन पार्क, अमीनशही अस्पताल के पीछे अहमदाबाद 13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवक्षितियों पर सूचना की रामोल से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी अवक्ति होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अम्य अवक्ति होता, अप्रोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगत:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परि व्युत्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 एकड 0-32-5 गुंथास तथा 0-34-4 गुंथास क्षेत्रफल बाली खुली जमीन का 1/4 अभिभवतत हिस्सा जिसका सर्व नं० 478, 478/5 474/6 क्रमशः है जो गांव गोता, तालुका वशीराई जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 7178 विनांक 4-7-1979 से रजिस्ट्रर बिकी वसतावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है

एस० एम० मंडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज अहमदाबाद,

दिनांक : 26-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोण्ठिन-16 विनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस० स० 320/79-80—यत्— मुझे
के० नारायण मनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकार के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का
16) के अधीन 2-7-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविर में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(५) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी धन व गन्त आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रयोगम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्र... नहीं किया
गया था या निया जाना चाहिए ना, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

- | | |
|---|------------|
| (1) श्रीमती इनदिरा देवी 2 कृष्णन 3 गोविन्दल 4 शिवन
5 विजयन | (अन्तरक) |
| (2) जोसफ मात्यू | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8th right over 58.5 cents of land and building as per
schedule attached to doc No. 2451/79.

के० नारायण मनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एड०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

1. (1) कुमार 1 इन्दिरा देवी 2. कृष्णन 3. गोविंदन
4. शिवम 5. विजयन (अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० एल० सी० 321/79-80—यतः मुझे कं०
नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर सम्भति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम
में हिथरत है (और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 2-7-1979

पूर्वोक्त सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि पायापूर्वीन वस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पवरह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी दूसरी वा निसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपा ये सुविधा के लिए;

(2) श्री जोसफ माथू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्भति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रहाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से हिस्सी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रहाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्भति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per
schedule attached to Doc. No. 2452/79.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-9-1980

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृष्ट प्राप्ति दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम
कोचिन-16, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० एन० स० 405/79-80—यतः मुमे, वी०
मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ₹25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-7-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मग्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त :—

4—16 GI/80

(1) श्रीमती शुभा (अन्तरक)

(2) श्रीमती अरीफा (अन्तरिती)

जो यह पूछना जारी रखने पूर्वी समति के ब्रंश नहीं लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक न सम्बन्ध में होई भी आकेते :—

(क) इन पूछना में राजावत में प्रकाशन को नारोब्र में 45 दिन की अवधि या तरम्मनी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजावत में प्रकाशन को नारोब्र में 45 दिन के भीतर उभा स्थावर समति में त्रिवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकरो के पात्र त्रिवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 $\frac{1}{4}$ cents of land with buildings as per schedule to document No. 2779/79.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकल्प शाई० ढी० एन० एत०---
प्रत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कोचिन

कोचिन-15 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० सी० 406/79-80—यतः मेरे बा०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची कं० अनुसार है 4 और जो कोटयम
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूच में प्रोर पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटयम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के प्रधीन 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाङ्क सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
प्रतिरक्त (प्रतिरक्तों) और प्रतिरक्ती (प्रतिरक्तियों), के बीच
ऐसे प्रत्यरोग के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोग लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरोग से दुई किसी आय को बाबत उक्त प्रति-
नियम के प्रधीन करने के प्रत्यरोग के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा; के लिए;

अतः, प्रब उक्त अधिनियम की वारा 269-ष के प्रनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269-ष की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति साशाम्मा कुरुविल्ला (प्रत्यरक्त)

(2) डोरस ट्रानस्पोइटर्स (पै० लिमिटेड,) by श्री
जी० डी० मित्तल (प्रत्यरक्ती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के
निए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वर्गीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रति-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

32 cents of land with buildings in Sy No. 7/8 of Kottayam
village.

दी० मोहनलाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2060:—अतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है। है तथा जो मकान गली न० 15 मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीवान चन्द्र पुत्र श्री कर्म चन्द्र जैन नगरी अबोहर
(अन्तरक)

2. 1. परमेश्वरी देवी पर्णी कुन्दन लाल
2. लाजवन्ती पर्णी जय लाल
3. जय लाल पुत्र कुन्दन लाल गली नं० 15 मण्डी
अबोहर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन रुमंड़प में छोड़ गो भाष्टेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्स्ववृत्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1044 दिनांक 11-7-79 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 26-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2061:—अतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो गांव चकप्राला बोकश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकेरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित ढंग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मदन लाल पुत्र रघुनाथ गांव मजहरी तहसील खरड़ जिला रोपड़; मुख्यतराम दविन्दर कुमार अलाइस सविन्दर कुमार पुत्र श्रीमती विद्यावत्ती विश्वावशाह नाथ गांव खाना जिला लुधियाना अब गांव मजहरी तहसील खरड़ जिला रोपड़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र सिंह चानन सिंह इकबाल सिंह पुत्र प्रताप सिंह जगजीत सिंह पुत्र बलबन्त सिंह गांव देवीदास तहसील मुकरिया जिला होशियार पुर (अन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर नं० 2 है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जायवाद जैसा के विलेख नं० 977 दिनांक जुलाई, 1979 रजिस्ट्रीकरता प्राधिकारी मुकेरिया ने लिखा है।

बी० एस० बहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्थर।

तारीख 2-7-3-1980

मोहर:

प्रकाश प्राइंट ट्री. एस. एस. —————

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं. एम. पी. नं. 2062 :—यतः मुझे, बी. एस. वहिया,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसी प्रधारू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), सी. प्राया 269-व के अधीन सहायक अधिकारी को, यह विवाह संबंधी कानून है कि स्थानान्तर में विवाह उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु. से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा अनुसूची में लिखा गया है तथा जो गांव और ग्राम बोकर एस. बी. तहसील पूसहा में अविण्ठि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकेशिया में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्वारित को गई है और मुझे यह विवाह संबंधी कानून है कि दृश्यमान प्रतिकल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रदूषक विशेष से प्रतिक है और अन्वारित (अन्वारिकी) और प्रवर्धिती (अन्वर्दिती) के बोध ऐसे अन्वारण के लिए नया पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रधारण लिखित में बासानिया रुप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्वारण से तुर्हि किसी प्राय की बाबन उचित अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्वारक के दावित्य में कमी नहीं पा उम्मेद बदने में विवाह के लिए; और/या

(ख) ऐसी निवी प्राय या निवा वा या अन्य शास्त्रियों द्वारा, जिनमें सारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंसनार्थी अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता चाहिए या, छिराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुराइटी देवी पत्नी जगत नाथ पुत्र काशी राम गांव चकबला बोकर एस. बी. 236 तहसील दूसहा जिला होशियार पुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती राम प्यारी पत्नी गुरवचन सिंह सन्तोख कुमारी पत्नी रजिन्द्र पाल चन्द्र बाला परनी अजय कुमार पुत्र रजिन्द्र पाल, अजब कुमार विनय कुमार रमन कुमार पुत्र रजिन्द्र कुमार पुत्र मुकेशिया गांव मुकेशिया तहसील दूसहा जिला होशियार पुर मार्फत अजब कुमार।

(प्रत्यक्षिती)

3. जैसा के ऊपर नं. 2 है

(वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह अक्षित, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई विवाद नहीं :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितवद किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तरण :—इसमें प्रवक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं. 1293 दिनांक 21-9-79 रजिस्ट्री करता अधिकारी मुकेशिया ने लिखा है।

बी. एस. वहिया,
सहायक आवकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
जालन्धर, अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 27-2-1980

मोहर :

प्रख्य प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) की अधीन दूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संकायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

निवेश सं॰ ए॰ पी॰ न॰ 2063:—यतः मुझे बी॰ एस॰ वहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाया है), की धारा 269-घ के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वारंग सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से धार्यक है।

और जिसकी सं॰ जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव चक आला बज्जा नं॰ एच॰ बी॰ 236 तहसील दसुहा में विथत है और इससे उगबद्ध अनुसूचि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मुकेशिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-10-1980 को पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त वर्णित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अंतरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, अन्तरितियों के उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनान कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

1. श्री मदन लाल गौतम पुत्र वैष्ण नाथ पुन्न केवल दास, वासी गांव माजरी तहि खरड़ जिला रोपड़ मुख्यार ए० ग्राम सतिन्दर कुमार, शिव कुमार पुत्र और श्रीमती विद्यावती विद्यवा विष्वेशर नाम पुत्र काशी राम गांव खसा जिला लुधियाना अब गांव माजरी तहसील घरड़ जिला रोपड़

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह पुत्र हरनाम सिंह पुत्र रुड़े सिंह वासी गांव मुकरिया, तहसील, दसुहा जिला हुशियार पुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अदोहस्ताक्ष जानटा है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त शब्दों के अर्जन के लिए कार्यसाधित नहीं है।

उसके अर्जन के अर्जन के अंतर्गत में हाई को आश्रम। —

(क) इस दूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्याख्या दिया गया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि लिखा नं॰ 1389 दिनांक 30-10-79 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मुकरियां ने लिखा है।

बी॰ एस॰ दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर,
दिनांक 27-2-1980
मोहर

बी॰ एस॰ दहिया,

सक्षम प्राधिकारी,

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० पी० नं० 2064:—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मलक पुर तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूच में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्रित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वर्गीकरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, विभिन्न उद्देश्य व उक्त प्रतिफल के लिए दराहिरारु के से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त को बाबन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य वास्तियों को जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुर्गदास पुत्र भोला राम वासी मलक पुर तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री गण्डा राम पुत्र छज्जू राम पुत्र हंस राज निर्मल सिंह पुत्र गण्डा राम वासी गांव मलक पुर तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्त संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पूर्वोक्ती

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 740 दिनांक 9-7-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 27-2-80

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2065—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव आजमगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याचार्यौक्तन सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यिक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, छोर/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय सायर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या बनकर प्रविनियम 1957 (1957 का 27) के श्रोत्रजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या यिद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गुरु नानक आदस फैक्टरी, हनुमान गढ़ रोड, अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री रवि कान्त सटिया पुत्र परमानन्द सटिया, गांव पट्टी बिला तहसील फाजिलका।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवच रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णत प्रमाणि के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्ता के सम्बन्ध में फोई मी जांचप :—

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशा ना जारी के 45 दिन की अवधि पर तत्त्वंवदी व्यक्तियों पर यूचन को तापील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में भवाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रबोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के पद्धाय 20-क में परिवर्णित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1189 दिनांक जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायोगिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायोगिक अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० पी० नं० 2066:—यतः मुझे बी० एस० दहिया

प्रायोगिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्रायोगिकारी को, पहुँच विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव अजमींगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अवोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुस्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यय स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायोगिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रष्टार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति:—

5—16GI/80

1. मैं० गुरु नानक प्रायोगिक अधिकारी हनुमान गढ़ रोड
अवोहर।

(अन्तरित)

2. श्रीमती सुमन सटीया पत्नी रवि कान्त सटीया बासी
गांव पट्टी वाला तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय अस्ति है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किस अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1216 दिनांक जुलाई 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अवोहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्रम प्रायोगिकारी
सहायक प्रायोगिक अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० ए० 2068—प्रतः मुझे, बी० एस० दहिया
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बुकान नं० 17 रेलवे रोड में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निश्चित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, प्रब, उक्त प्रतिफल की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—

1. मै० जी० डब्ल्य० वाकर कम्पनी रेलवे रोड जालन्धर
द्वारा करन सिंह किरती और मनजीत सिंह श्रीमती
सुरिन्द्र कौर गुरशरन सिंह (हिस्सेशर) रेलवे रोड
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र पाल सिंह तुर पुत्र इन्द्र सिंह तुर
171-एल० माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. मै० सिरी फिल्म जालन्धर तथा गुरु नानक इन्ड्र-
पराइसज जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि वा तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एवटोहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2922 दिनांक जुलाई
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप मार्फ़ू टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रेणी रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० 2069—यतः मुझे, बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दुकान नं० 17 रेलवे रोड जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीगरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० जी० डब्ल्यू० वाकर, कम्पनी रेलवे रोड जालन्धर
द्वारा कर्म सिंह किरती और मनजीत रसह श्रीमती
सुरिन्द्र कीर गुरशरन सिंह (हिस्सेवार) रेलवे रोड
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबन्त कौर विद्वा इन्द्र सिंह 171-ए०
माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. मै० मिरी फिल्म स जालन्धर और गुरु नानक इन्द्र-
पराईज जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगदाद जैसा कि विलेख नं० 2963 दिनांक जुलाई
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
श्रेणी रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-1980

मोहर:

प्रलम्प मार्गी० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० 2080---यतः मुझे, बी० ए० ए० दहिया,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो
इन्डस्ट्रीरया इलाका फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यशापूर्वक संरक्षित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

1. जै० फार्म सप्रीमाम स्टील आर्ट मौली भार्फत बलवीर
सिंह पुत्र मैना मिह मतजीत सिंह पुत्र नूप सिंह,
जोगिन्द्र कौर पत्नी उजागर सिंह वासी फगवाड़ा।
(अन्तरक)

2. मै० फार्म जगदेव डैक्टर, जी० टी० रोड, फगवाड़ा
(अन्तरिति)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सके।

एवं दोषरण:—इतम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1338 दिनांक अक्टूबर,
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० ए० ए० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-3-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1980

निक्षेप सं०ए०पी०न० 2071—यतः मुझे बी एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात् करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- दाये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में है तथा जो
इन्डस्ट्री फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के तिए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह
विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया के फँड़ह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षिती) के बीच
ऐसे मन्त्रित्रये के तिरु, तर यामा गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित विवित में वास्तविक का से कठिन
नहीं निशा गया है :—

(३) प्रत्यक्षित से दूरी किमी भाग की वाहन उत्ता, अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायित्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(४) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थाता
1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त :—

1. ई० फार्म सुप्रीमन स्टील आर्ट भौली मार्फत बलबीर
गिह पुत्र मेना सिंह मनजीत सिंह पुत्र अनुप सिंह,
जोगिन्द्र कौर पत्नी उजागर मिह वासी फगवाड़ा।

(अंतरक)

2. मै० फार्म जगदेव इन्डस्ट्री जी० टी० रोड फगवाड़ा।
(अंतरिक्त)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(इन व्यक्ति, जिन्होंने बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितखब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अवधारणा में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसीवर्ती अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सर्वोहत्तम :—इसमें प्रत्यक्षित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधान 20-क में परिभाषित है,
वही व्रेण्ड द्वारा, जो उन प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

जायशद जैसा कि विलेख नं० 765 दिनांक 79 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2072—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

ओर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाजार
कलां जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपायद्र अनुसूची
में प्रौर्ध पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, दिनांक 11 जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से जम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य जमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षको)
ओर अन्तरिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के सिए
तत्पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मता। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपशारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती आशा रत्नी पत्नी प्रान नाथ घनन पुत्र
सीता राम कोठी न० 188 न्यू जबाब्दर नगर
जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल, अशवनी कुमार, शिव कुमार
विनय कुमार सपुत्र जनक राज पुत्र प्रमर नाथ
411 अदर्श नगर जालन्धर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र)

4. जो व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोवस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर्ध वर्द्ध का, जो उक्त
अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रौर्ध होगा जो उस प्रव्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसाकि विलेख न० 3242 दिनांक 11-7-79
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1980

मोहर:

प्रकाश वाई० टी० एस० एस० ----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2073--यतः मुझे बी० एस० दहिया,

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (दिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नीला महल सामने बाल्नीकी गेट जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरिद्धि की गई और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथागृहीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्राप्तिरिद्धि (अन्तरिद्धियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरा से हुई फिसी प्राप्त को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में रुपये करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी प्राप्त या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज गानी विधवा रोशन लाल वासी एन० के० /245 चरनजीत पुरा जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री कस्तूरी लाल और उसके भाई तथा पुत्र बाबू राम, नीला महल एन एच 393 जालन्धर।

(प्रत्यक्षित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः समाप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रशिद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रशिद्धि, और भी प्रशिद्धि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य अर्कित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही पर्याप्त होता, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 3155 दिनांक 9 जुलाई, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1980

मोदूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सुनवा

भारत प्रशासन

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दर्जा 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2074—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ(1) के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का निर्णय है कि स्थापन गमनि, रिक्त उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है।

ग्रीष्म जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मकान महल्ला सतनामपुर फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वीकृत संवत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधिनियम के पर्याप्त कर देने के प्रतिकूल विविध में कमी के द्वारा उक्तों द्वारा मूल्यांकन किया गया;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हेत भारतीय साय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने मैं सुनिश्चा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरितीयों, अर्थात् :—

1. श्री हरवस मिह पुत्र मुला सिंह वासी महल्ला सतनामपुर मकान नं० बी० एक्स एल VI/194 तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला दवी पत्नी श्रीम प्रकाश वासी जडियाला तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो० व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रान्त के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रत्यंग्रन्थ में कोई भी आज्ञा :—

(क) इस दूचा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दूचा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ब्यापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रमुख व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा दर्जे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीष्म एवं धन या कोई अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अंदर होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तीकारी

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 727 दिनांक 6 जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

ब० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1980

सं० ए० प० न० 2075:—यत० मुझे बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो बादशाह पुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाखद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः :—

5-16 GI/80

1. श्री प्रवीप पुत्र मदन लाल हिस्सेशर मैसरस सांवा कॉल्ड स्टोर 202—पौर, माडल टाउन जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री ईशर सिंह पुत्र प्यारा सिंह वामी बादशाह पुर जालन्धर।
(अन्तरित)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 3348 जुलाई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० ए० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी टी. एन. एस.—

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्म रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 17 मार्च 1980

सं. ए० सी० नं० 2076:—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ए के पश्चीम समाम प्राधिकारी को यह विवाह संपत्ति करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बादशाह
पुर जालन्थर में स्थित है (और इससे उपावदा अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्थर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के पश्चीम, तारीख जुलाई 1979
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिशत के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवाह संपत्ति
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण अनिवार्य में बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के पश्चीम कर देने के अस्तरक के वायिस में कठोर
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी घन या अव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने वे
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरणमें, जो, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा
)1) के पश्चीम, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री हरीश सेठ पुत्र प्रकाश चन्द्र हिस्सेदार संजा कोलड
स्टोर 326 न्यू जबाहर नगर जालन्थर।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी बादशाह
पुर जालन्थर।

(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त संपत्ति के प्रजन्म के
लिए कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन्म के संबंध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अवधियों
में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुखों

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 3349 जुलाई, 1979
से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर ने लिखा है।

बी० एस० दक्षिण
सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्म रेंज, जालन्थर

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 मार्च 1980

मिन्देश सं० ए० पी० नं० 2077 —यतः मुझे, बी०
एस० दह्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सम्पन्न प्राप्तिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्वास्थ्र सम्पत्ति, त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भकान मई आष्टी
सतोपूरा है तथा जो एक हैसन लम्बा पिण्ड जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राप्तिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए पत्तरित की गई है और भूमि यह विषयास
करने का कारण है कि यथार्थवात् सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल में ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्तिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पत्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्ञाय से उक्त प्रस्तर
लिखित में वास्तुविह रूप से वर्णित नहीं किया जाया है :—

(म) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी निसी आय या किसी घन था प्रथम आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में
सुविधा के लिए।

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपाधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अजब कौर विष्वा रघुभीर सिंह वासी रसूल-
पुर रिहरमाना जिला जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री शाक्ती राम पुत्र वादू राम गांव लिदरन तहसील
नकोदर जिला जालन्धर
(अन्तरती)

3. जैसा कि अपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति
जिसके प्राप्तिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राख रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोवृहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी प्राप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या उत्तमवर्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोवृहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण—इसमें उक्त सदृशी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रथम होता जो उस प्रध्याय में दिया
जाया है ।

अनुसूची

जायदाद, जैसा कि विलेख नं० 3351 जुलाई 1979 रजिस्ट्री
कर्ती जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० राहुल
सम्पन्न प्राप्तिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, वजालन्धर

दिनांक : 19-3-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीकण)

अजंन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं ०८ एस आर/79-४०/३५२—यतः भुजे, एम० एल०
महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ष के अधीन सकाम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान नं० 18 वसन्त एन्डीयु अमृतसर में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण, प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्षम पाया गया प्रतिफल, जिससे उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्षम आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ग अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, जिससे अधिनियम अधिकारी, अवधारित :

1. श्री जशपाल सिंह पुत्र जीत सिंह कुन्जी रोड अमृतसर।
प
2. श्रीमती गुरसरण कीर पत्नी मोहन सिंह परमजीत
सिंह पुत्र मोहन सिंह सुभाष पार्क आगरा (यू० पी०)
(अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. याद कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचिरखता हो तो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए कार्यालयियों छरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के संवंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री प्रब्रह्म बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 17 वसन्त एवंयु अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 1043 दिनांक 4-2-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीकण)
अजंन रेंज, अमृतसर

तारीख 7-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० ५ एस आर०/७९-८०/३५३—यतः भूमि, एम० एस० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का टुकड़ा है तथा जो गाँड़न कालीनी अमृतसर में स्थित है (और इसके उत्तरांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री मान सिंह गुलाटी पुल हरबन्स सिंह गुलाटी सरोकपुरा अमृतसर। (अन्तरक)

2. किशन लाल पुल ध्यान चन्द्र श्रीमति शारदा अच्छा पत्नी कुशन लाल, श्रीमति पुरन देवी पत्नी ध्यान चन्द्र, धूनी चन्द्र रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(र) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 358 बीटर गज, गाँड़न कालीनी, अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 1175 दिनांक 18-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1980

निवेश सं० ए० एस० आर० 288/354—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें उक्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सत्रम प्राधिकारी को यह विकास
करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक प्लाट शास्त्री नगर अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का
परम्परा इनियत से अन्तर कही जाए और भवतरक (भवतरको) और भवतरिती
(भवतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाला गया
प्रतिक्रियल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित में वास्तविक
रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधानियम,
ग धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोनाथ भवतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रकृतरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति विमला मनन पुत्री इन्द्रजीत मनन 34-ए,
दयानन्द नगर अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार जैन पुत्र सीतराम जैन पी०
बड़न्हू० डी० बटाला रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिए
आवाहिया लूँग करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बायाव 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उक्त प्रधानाव में
दिया जाता है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा शास्त्रीनगर नम्बर 312 अमृतसर में है।
जैसाकि राज स्ट्रीक्यूट नं० 1018 दिनांक 2-7-1979 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अजैन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1980

निश्चेत्र सं० ५० एस० आर० 2882/55—यत,— मुझे
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० ५० सोप मजिमन्डी अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपार्व अमृतसर में और
पूर्ण स्थूल में बण्ठा है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उत्तम प्रयत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
कायित्रि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसो किस आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्री बनवारी लाल प्रधवाल पुल लाला पारिया जाह
लोहा मन्डी, अमृतसर मार्फत उत्तम चंद शालिंग राम (अन्तरक)
2. राज कुमारी बतरा पत्नी बजीर चंद 267 वसन्त
एव्हनीयु अमृतसर और श्रीमती मीना रामीपली किशोरचन्द
बजार दाल मन्डी अमृतसर (अन्तरकी)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि वोई किराएदार हो तो तो
प्रेम आश्रम स्कूल (वह अवृक्ष, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. याद कोई अवृक्ष इस सम्पत्ति में खनि रखता हो तो (वह
अवृक्ष जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बंध में कोई भी भ्रान्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अवृक्ष द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक सोप 2490-91 माजठ मन्डी अमृतसर में है। जो स
कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1140 दिनांक 13-7-1979 रजिस्ट्री
प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख : 10-3-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

अमृतसर, दिनांक 10 मार्च 1080

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/350--यतः मुझे,
एम० एल० महाजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'दक्षत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट कटरा करम सिंह अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपोवद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल के लिए घन्टरित की गई है और मुक्त यद्य विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (घन्टरिकों) और अन्तरिती (घन्टरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रतिफल विभिन्न में वास्तविक रूप से किया जाया
है :--

(क) घन्टरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के घन्टरक के दायित्व में कबीं
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्था-

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या ग्राम बालियों
की, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ग्रामकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घन्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिसमें में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उप-भारा (1)
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती विकीदेवी पत्नी शोरीलाल बजार बीका
नेरिया श्रीमति रामप्पारी पत्नी दौलत राम बाग रामानन्द
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री ललोक चन्द्र पुत्र बाल मुकना श्रीकाली मार्किंट
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हाथ रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी प्रावेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी ग्राम अक्षिया द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20-क में
परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उक्त
प्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 2224 और 2258 कटरा करम सिंह
में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1065 दिनांक 5-7-1979 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्रायिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रलेप शार्दूल टी० एन० एम० ——

प्राप्त हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निवेश नं० ASR 79-80/357—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रश्नों संभव प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक माकन गली तिवारियाँ अमृतसर हैं तथा जो अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्ते बचते में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी फिली आय या फिली धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्त हर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नों तथा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत —

6-16G/80

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र रामजी दास मकान नं० 219/11-2 गली तिवारियाँ अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल पुत्र लालचन्द, रिस्मोरानी पत्नी चमन लाल हथेली अहर सिंह टेलीफोन एक्सचेंज अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी मवार्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 219/11-2 गली तिवारियाँ अमृतसर में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 1045 दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 4-7-79

सोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/358—यतः मुझे,
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के अधीन सबम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक जमीन का टुकड़ा स्टेट बैंक कालोनी अमृतसर
है तथा जो अमृतसर से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
फलह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त तथा अन्तरण निखिल
में व्यापक रूप से दर्शाया गया है:—

(क) प्रतिफल में हुई किसी प्राप्ति को गारन, उस प्रधि-
नियम के अधीन हाँ दें तो अन्तरक ने शर्ति में
रुमी करते या उपरे बचे में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी प्राप्ति या किसी शर्ति या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रतिफल
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र चौकी लाल कटरा अद्वालिया पूरिय
मार्किट अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री हरवन्न सिंह चावला, हरकिशन मिह चावला पुत्रगण
श्याम सिंह चावला धा वस्ती राम अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह अविन जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह अवित जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस एवरा के राजावत में प्रकाशित तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मैवन्दी अविक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाइंद में नियम द्वारा हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशित तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त दृष्यमान सम्पत्ति वें हितबद्ध
किसी प्रत्यव्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाइकोहरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधि-
नियम, के प्रधाय 206 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होता जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सोर खसरा नं० 1812/652 स्टेट बैंक कालोनी
अमृतसर में है। रजिस्ट्रीकर्ता नं० 1107 विनांक 11-7-79
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 11-3-80

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०————

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्वैशा सं० ए० एस० आर०/७९-८०—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नवान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर वंशि निवासी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा स्टेट बैंक कालीनी अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कायलिय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम के दृष्टमान प्रतिकल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का अन्वरह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे पर्याप्त अन्वरण के लिए यापागा गया प्रतिकरण विभिन्निक उद्देश्य से उक्त अन्वरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कर्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्वरण से तुर्हि किसी आप की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्वरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आप या किसी धन पा अन्य प्राप्तियों का, त्रिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, ने, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विभिन्निक अवित्यों, प्रर्ति।—

1. श्री बाबू लाल पुज मुख्यमन्त्री कठरा अहलूवालिया अमृतसर (अन्तररक्षा)

2. हरबन्स सिंह चावला हर किशन सिंह चावला पुद्राण शाम सिंह चावला लाकरमन्डी धाव बस्ती राम, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धीय अवित्यों पर सूचना जी गमीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव ये दोनों दोनों हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में में किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताकरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्लाट खसरा नं० 1812 / 552 स्टेट बैंक कालीनी अमृतसर में है। जैसाकि रजिस्ट्री-त नं० 1106 विनांक 11-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-य (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज अमृतसर
 अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/360—यतः मुझे
 एम० एल० महाजन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है।
 और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शास्त्रीनगर अमृतसर
 है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायदृ
 अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
 अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
 के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
 पन्द्रह प्रतिग्राम से अतिक्रम है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निम्निति में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और /या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थी अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदीप सिंह पुत्र तारा सिंह तहसील पुरा गली
 नं० 3 अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री सुखबीर सिंह पुढ़ सर्बजीत सिंह वह न पुहने जिं०
 अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
 तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
 वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी है जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 333मीटरगज शास्त्री नगर में है
 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1016 दिनांक 2-7-79 रजिस्ट्री
 अधिकारी अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज अमृतसर
 दिनांक 11 मार्च 1980
 मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/7७-८०/३६१—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-ब
के अधीन प्रत्येक प्रायुक्ति को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट शहरी नगर है तथा जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त प्रतिरण निवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

1. श्री गुरकीप सिंह पुन तारा सिंह, गन्नी नं० 3 तहसील
पुरा, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह पुन अमरीक सिंह गांव बेन पूर्ण,
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें सची रखता है (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रदूषि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्गत है, वही
पर्याप्त जानकारी जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 333 खसरा नं० 621 सकीम नं० 62,
शास्त्री नगर अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1017, दिनांक
2-7-79 है रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रदायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० एस० एम०आर०/79-80/362—यतः

सूची एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अंतर्भूत अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा ग्रीन एवेन्यु अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में (पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमों करने पा उससे उक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हसी आय प्राप्ति धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वनोदास पुत्र केशव राम बाजार मजिठ मंडी अमृतसर (अन्तरक)
2. प्रीत कनवालासिंह पुत्र मोहन सिंह 29 मीन एवेन्यु अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोवृत्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 29 ग्रीन एवेन्यु अमृतसर रजिस्ट्रीक्युट न० 1174 दिनांक 18-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को प्राप्त
269-ख (1) के पश्चीन सूचना
भारत मरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/363—यह: मुझे एम०
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापार
269-ख के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक मकान कटरा गरभासिह में अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के पश्चीन तारीख जुलाई 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के
दृश्यमान प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्लिन का पञ्चद्वय प्रतिशत अधिक है और
अमृतसर (अन्तरकों) पौर अग्रतरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिक्लिन लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी निवी आप या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
का, किन्तु भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की व्यापा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की व्यापा 269-ख की उपक्षेत्रा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अधीत ।—

1. श्री वलीप सिंह पुत्र गाजन सिंह 439 ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री धुनी चन्द पुत्र चन्द्रगम बजार काठियावाला अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों फरता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्धों कोई भी आश्रेष्टः—

- (क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर मूल्यना भी
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त हो जाती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस मूल्यना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इन्हें प्रयुक्त सम्बन्धों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही
अवृंद होग जो उम्म वध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 419 और 432/7 कटरा गरभा सिंह गली
देवी बाली अमृतसर में है। जैसाकि रजिस्ट्रीकूत नं०
दिनांक 20-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रृष्ठ प याई० टी० एन० एम०-----

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायन प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80—यतः मुझे एम० एल०
महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सन्नीत प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान बाजार तेलिया अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में रास्तविह रूप में नियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्रक के
शब्दों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवादः :—

1. कृशन कौर विधवा जगत सिंह, पूरन सिंह पुत्र
बुद्ध सिंह, प्रतीम सिंह पुत्र बुद्ध सिंह, करतार सिंह पुत्र जगत
सिंह, श्रीमति पाण्डो पत्नी पत्नी इन्द्र सिंह श्रीमति गरो पत्नी
श्रयार सिंह, श्रीमति दलबीर कौर नत्था सिंह श्रीमति नागत
कौर पत्नी मन्ननसिंह गांव लोकन तः तरन नारन अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र चंद्रदाम बाग रामानन्द अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुधि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के मन्त्रमूल में कोई भी ग्राहण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरकी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तवाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

एक मकान नं० 2653-54-55 तीन मंजिला बाजार
चौक तेलिया अमृतसर में है जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 1040
दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-3-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एवं एसो—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर/79-80/365—यह मुझे
एम० एल० महाजन,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें
इसके वर्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि नि स्थावर समानि, त्रिलोक बाजार मूल्य 23,000/-
एवं ऐसे प्रधिक है

और जिसकी सं० दृकान बाला कसेरिया अमृतसर है तथा
जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोंत समर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टप्राप्तान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उके दृष्टप्राप्तान प्रतिकल से ऐसे दृष्टप्राप्तान प्रतिकल का
प्रत्यह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रभुतरह (प्रभुतरहों)
प्रौढ़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोव ऐसे राखण के लिए
तर पाग गग राहिल । अंतिम उद्देश्य से उक्त अन्तरित
किए राहिल हाँ तो होते नहीं हिंग गग हैः—

(क) पर्वत के दृहि तोतो पार को बाहा उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रभुतरह के
दायित्व में कमो करने या उक्ते बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो हिंतो प्राय या हिंतो धा या अन्य प्रासिन्यों
को, जिन्हें भारतीय प्रायहर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्र०: प्र०, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपस्थापा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अशौतः—
8—16GT/80

1. श्री रजिन्द्र कुमार जैन पुत्र तिलक चन्द जैन R/o 33 घोर
नगर दिल्ली खुव मुख्तार आम मिन जनाब श्रीमती तरलोक
सुद्धी, अशोक कुमार जैन, राकेश जैन, श्रीमती सुदरशन जैन,
नीलम जैन और श्रीमती नीलम जैन। (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह R/o बाजार
कसेरिया, अमृतसर

3. जैसा कि सं० 2 पर और किराएवार कुलदीप सिंह, राज
कुमार, द्वारका बास, देवराज, प्रबन कुमार चौपड़ा।
(वह अवित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत समर्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बारे के विवर निम्न तौर पर प्राप्त हैं—

(ग) इस दृवा के रावरद में पकाना हो तारीख से
45 दिन की प्रश्निया या तसम्बन्धी अवितयों पर
सूचना की सामील है 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
अवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस दृवा के रावरद में पकाना हो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोत्साहकी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

हाइटोरीया—इसमें दृवा गढ़ी धोर पर्दो जा, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
है, वही धरे होता, जो उक्त प्रधाय में दिया
गया है।

अमृसूची

दृकानें नं० 605,606,607,608 बाजार कसेरिया जैसा
कि सेल डीड नं० 1053/I दिनांक 5/7/79 रजिस्ट्री
प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 13 फरवरी 1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/366—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चरन जीत लाल भास्कर पुत्र दुग्दास, श्रीमति रमेश पत्नी चरन जीत लाल भास्कर, श्री अतुल पुष्ट चरन जीत लाल भास्कर 28 सरकूलर रोड अमृतसर (अंतरक)
2. विलक राज पुत्र राम लुमाया 17 रेसे क्रोसरोड अमृतसर (अंतरीती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में, अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 892 तुगवाला सरकूलर रोड अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 1295 दिनांक 30-7-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-2-1980

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण)
अर्जन रेज
ग्रामतसर, विभांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/७९-८०/३६७—यतः मुझे
ए० ए० महाजन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा सरीफपुरा ग्रामतसर
है तथा जो ग्रामतसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय ग्रामतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी ग्राम की वाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उन्हें बचने में सुविधा
के लिए; और/प्रा

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धा या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

1. श्रीमति हरभजन कौर पुत्री पूरनसिंह अलीआस समपूरन
सिंह गोल मस्जिद गली नं० 8 शरीफपुरा ग्रामतसर (अन्तरक)
2. निर्मला रानी पुत्री रान लाल गली नं० 8 गोल मस्जिद
शरीफपुरा ग्रामतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्रत्व में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदनुसारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, — जो
भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
नियित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 227/13 रकवा 59 वर्ग मीटर गली
नं० 8 नजदीक गोल मस्जिद शरीफपुरा में है। जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत नं० 1294 विभांक 30-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी
ग्रामतसर में है।

ए० ए० ए० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, ग्रामतसर

तारीख : 29-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

अमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० 79-80/368—यथा— मुझे एम०
एल० महाजन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृष्ण भूमि गांव जांडियाला गुरु जि० अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल का निर्धारण से उक्त अन्तरण के लिए जाना चाहिए।

(c) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(x) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के] प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रिशपाल सिंह पुत्र सन्त सिंह गांव जांडियाला गुरु जि० अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह बड़ाली डोगंरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साझेदारी:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्ण भूमि 24 कताल जांडियाला गुरु में है। और रजिस्ट्रीकूत नं० 1716 विनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में स्थित है।

एम० एल० महाजन

सभी प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 18-3-1980

मोहर:

ब्रह्म शाही दी० एम० इस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेन रेंज

अमृतसर, विनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० बी०/79-80—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन संकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, विषया उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषिभूमि अडियाला गुरु जि० अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहाह प्रतिफल से अधिक है और प्रमत्तरक (अस्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तब पाया जाता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत नियित में वास्तविक रूप में कथेत नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरक से ही हिस्तो आय को बाहा डा० विधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एसो किसी प्रावृत्ति या विसी धा० या अन्य अस्तित्वों को, त्रिभूमि भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के लिये;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रमत्तरण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपलब्धा (1) के अधीन, निम्नलिखित विधियों, प्रधानि :—

1. कुमारी किरन रूप पुत्री रछपाल सिंह जांडियाला गुरु जि० अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री तारा सिंह, जोगिन्दर सिंह, दलीप सिंह, पुल अमर सिंह बाजाली डोगंरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के विवर के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के सम्बन्ध में कोई भी घातेव :—

(क) इस सूचना के राज्यव्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्त्वसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर विधियों में से किसी वित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यव्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र मिलित में किये जा सकेंगे।

स्वाच्छीकरण :——इसमें प्रयुक्त पात्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिवर्तित है, वही प्रधान होगा, जो उम प्रधान में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल अडियाला गुरु में है। जैसा कि राजिस्ट्री कृत नं० 1717 विनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अजेन रेंज, अमृतसर

तारीख 18-3-1980

मोदूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रमंजन रेज

प्रमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० बी० बी० /79-80/370—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सभ्यता प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि जंडियाला गुरु जि० प्रमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविहाँ में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अप्पतः :—

1. कुमारी कवलखप पुत्री रशपाल सिंह जंडियाला गुरु जि० प्रमृतसर (अन्तरक)

2. श्री चरन सिंह पुत्र मोहिन्दर सिंह बड़ाला गुरु जि० प्रमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जिसे सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इष सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृद्धि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृद्धि, जो भी अधिवार में सत्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इष सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साड़ीहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल जंडियाला गुरु में है। जैसा कि रजिस्ट्री-कृत न० 1715 दिनांक 4-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में है।।।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, प्रमृतसर

तारीख 18-3-1980।

मोहर :

प्रख्य प्राइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

गोपीनाथ पटेल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/७९-८०—३७१—यतः मुझे एम० एल० महजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 फैक्ट्री विल्डिंग है तथा जो तुंगवाला एसिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरान (अन्तरानों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्राप्त होने वाले अन्तरान के अन्तरित विभिन्न अन्तरानों में उक्त अन्तरान निकाल वाले वास्तविक रूप से कठित नहीं हिता गया है :—

(क) अन्तरान से दुई हिसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या हिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर व मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कान्ता सहगल पत्नी प्यारा लाल सन्धुनिवास पुतलीघर अमृतसर (अन्तरक)

2. मैं० यामरत ग्रलत मिल्स, प्राइवेट लि० आर० बी० धुनी-चन्द रोड अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्द में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजाव्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरफांत्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजाव्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी विल्डिंग नं० 917-18/XIII-22-1660
61/XIII-22 खसरा नं० 20-21 687-1/2 मीटरगेज
तुंगलावा अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1133 दिनांक
13-7-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृत सर

तारीख : 17-3-1980।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकरप्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० प्रार०/7८-८०/३७२—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

प्राइवे प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतने तक 'उमा प्रधिनियम' लगा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सूचना विविधारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग जमीन का टुकड़ा जेल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोन्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फँटह प्रतिग्रह से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धर में उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री पृथ्वी पाल सिंह पुत्र नन्द सिंह 10 मजीठा रोड
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र जगत सिंह जेल रोड पीछे
कोठी नं० 14 जैल रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वोन्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के प्रम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तरंगदी अवित्यों पर सूचना की
जमीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकते।

सरकारी हत्ता :— इसमें गुरुता शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अधार पर 20-व में प्रोत्साहित हैं, वही
यां होता जो उक्त प्रधारा में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 2017/66 पुरानी
जेल रोड 300 महिर गुन अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्री-
क्यूट नं० 1241 दिनांक 23-7-79 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज, अमृतसर

तारीख 17-3-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/७८-८०—यतः मुझे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक इमारत है तथा जो कि हाइड मार्किट,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फैद्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—16G1/80

1. श्री शशोक कुमार पुन्न बलैती राम और श्रीमति विद्या-
वती विहवा बलैती राम, 4731 लक्ष्मी बाजार, दिल्ली (अन्तरक)

2. नरेश कुमार पुन्न श्री कृष्ण गोपाल एफ 2/11 माडल
टाउन दिल्ली। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है और कोई किराएदार हो तो
मैसर्ज अरियस्टल बूलन मिल्ज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. और यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

प्रनुसूची

एक इमारत नं० बी-BXIII-185-5 (29वां भी०) जो
कि हाई मार्किट जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है
(जैसाकि रजिस्ट्री डीड नं० 1195/1 दिनांक 19-7-79 आफ
रजिस्ट्रीग अयारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है) ।

एस० एल० महाजन
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश नं० ए० एस० आर०/79-80/374—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि हाइड मार्किट,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनि, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः, यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री बलैती राम श्रीमती विद्या
वती विद्या श्री बलैती राम 4731 लक्ष्मी बाजार दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमति सन्तोष गुप्ता पत्नी श्री विन्द्रा बन निवासी
10 एन० डी० डब्ल्यू० रोड पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ओर कोई किरायेदार हो तो
मैसरज ओरियन्टल बूलन मिल्ज (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हवा रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० बी० XIII--18 एस० 5 (98 बर्ग
जी०) जो कि हाइड मार्किट, जी० डी० रोड, अमृतसर में
स्थित है और जैसा कि सेत डीड नं० 1194/1 दिनांक
19-7-79 आदि रजिस्ट्री अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्रेस प्राइवीटी बी. एन. एस. —

आयोगकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० एस० डी० एच०/433/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,
आयकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इस हेतु पश्चात् 'उक्त मध्यनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/4 हिसा मकान नं० बी० 1-440 है तथा जो
विन्द्रावन रोड सिविल लाइन्स लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रतिरित नी गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमद्द
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा यथा
प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश से उक्त प्रतिफल विवित में बाहर-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक में कभी
करने पा उससे बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी प्राय गा निसी बा गा अन्य प्रालिनियों
को, जिन्हें मार्तीर प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त मध्यनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पदोन्नताएं अन्तरिती भारा प्रकट नहीं हिया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

धर्म: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपर्याता (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अधिकतः—

1. श्री वालकृष्ण पुत्र श्री सन्त लाल बासी महल्ला मिश्रा
लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री विपन कुमा पुत्र श्री हरवंस लाल बासी
नहारिया मल जैन लुधियाना (अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
वार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों
में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवंद निसी प्रथ्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अन्य होगा, जो उस
अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/4 हिसा मकान नं० बी० 1-440 जो विन्द्रावन रोड
सिविल लाइन्स लुधियाना में स्थित है। जो लुधियाना के कार्यालय
के विलेख संख्या 3460-10-79 में वर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च 1980

मोहर :

प्रसूप पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा,

269-घ (1) के अधीन सूचना

पारंग सर्वान्

कार्यान्वय, सदृश्यता आवश्यकता भाष्यका (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, आयकर भवन सूधियाना

लघुयाना, विनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० एल० डी० एच०/327/79-80—श्रतः मुझे
मुख्यदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख
के प्रधीन उक्त प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इथावर अभियंता समिति द्वारा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा मकान नं० बी०-१-४४० है तथा जो विस्वन रोड सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित है (श्रीरहस्य से उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का प्रमुख प्रतिशेष प्रधिक है और प्रभारक (प्रमाणकों) और प्रमाणिती (प्रमाणितियों) के बीच ऐसे प्रभारण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रभारण, निखित में वास्तविक रूप से उपलित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभुतरज से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
फली करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
प्रोत्पत्ति

(क) ऐसी किसी घाव या किसी धन या धन्य आस्तिमों को जिन्हे भ्रान्त-कर भ्रष्टियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या भ्रान्त-कर भ्रष्टियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रष्टिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने म सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग ने भ्रमुसरण म, मे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के पश्चीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याति :—

1. श्री वालकृष्ण पुत्र श्री सम्त लाल वासी मोहूल्ला मिश्रा
लुधियाना (ग्रन्तरक)
 2. श्री रविम्ब्र कुमार पुत्र श्री हरवंस लाल वासी आगरा
नहरेस्मिल जैन लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथिन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उबत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधार्य 20क में परिमाणित
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रधार्य में दिया
गया है।

असामियी

1/4 हिस्सा मकान नं० बी० I-440 विद्रावन रोड सीविल
लाईन्स लघिशिला ।

जायवाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता भविकारी लुघियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 22448 अगस्त 1979 में दृष्ट है।

संख्येवाचन

संस्कृत विद्या

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर !

प्रकरण नं. ३० एन० ८८०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० ३० एच०/235/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति शिरका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 हिस्सामकान नं० बी० I-440 है तथा
जो बिन्दावन रोड सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
फर्टी प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/9 को
'पूर्वोंप्राप्ति' संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंप्राप्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिन है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षको) और प्रत्यक्षिती
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बोबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षको के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फ़िसी बदन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिज्ञार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्री बालकृष्ण पुत्र श्री सन्त लाल वासी मौहला मिश्रा
लुधियाना (अंतरक)
2. श्रीमती शारदा रानी पत्नि श्री सोहन लाल वासी बाग
तहसील जैन लुधियाना (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंप्रति संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंप्रति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी अन्य अन्तरिती द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

संबद्धीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० बी० I-440 बिन्दावन रोड सिविल लाईन्स रोड लुधियाना

जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 1942 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 7 मार्च 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, विनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/256/79-80—अतः भुग्ता
सुखदेवचन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग पलाट क्षेत्रफल है तथा जो उपकार
नगर तिल लाईन्स लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और भुग्ता यह
विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायत्तर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपचारों
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रीशाह पुत्र श्री सोना शाह वासी बी-4-162 माहिया
सट्रीट लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री सतपाल पुत्र श्री राम लाल पुत्र श्री रामसरण दास
वासी मकान बी, I, 809/8 प्रेमनगर सीविल लाईन्स बिन्द्रावन
रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अकिञ्चन द्वारा ;

(ख) इन तृतीयों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
प्रता वाकिं द्वारा, व्रशोउस्ताक्षरी के पास लिखित
में निए जा सकेंगे ।

संबंधी नाम :—इनमें प्रदूष गढ़ों और रद्दों द्वारा, जो उक्त अधि-
नियम 6 प्रधान 20-6 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है ।

अमृसूची

1/2 भाग पलाट क्षेत्रफल 590 4/9 वर्ग उपकार नगर
सीविल लाईन्स लुधियाना

जायदार जैसाकि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लुधियाना के कार्यालय
के विलेख संख्या 2104 जुलाई 1979 में वर्ज है ।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०——

ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

विधायक, सहायक ग्रामीण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्वेश सं० एल० डी० एच०/255/79-80—ग्रतः मुझे
सुखदेव चन्द,

ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 पलाट क्षेत्रफल 500 4/9 वर्गमील है तथा
जो उपकार नगर सीविलाशाहन्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7/7/

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्राप्त विवित में वास्तविक रूप से नहिं
नहीं छिपा गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन नर दो के अन्तररु के दायित्व
में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम अस्तित्यों
को, जिन्हें ग्रामीण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रहृष्ट नहीं छिपा
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री घान्दीशाह पुत्र श्री सोना शाह वासी बी-1-162
गली महीया लुधियाना (अंतरक)
2. श्री पश्चाल पुत्र श्री रामलाल पुत्र श्री रामसरण दास
वासी बी-1-809/8, प्रेम नगर बिन्दावन रोड लुधियाना
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजार में प्रकाशन ती तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्वंबद्धी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रदृश्यि, जो भी अवधि बात में
उमाप्त दीती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजार में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रोहनाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इच्छोंहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग क्षेत्रफल 500 4/9 वर्गमील जो उपकार नगर
सिविल लाईन्स लुधियाना में स्थित हैं

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के बिलेख संख्या 2103 जुलाई 1979 में वर्ज है।

सुखदेव चन्द
सभाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामीण अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्षियों, अर्थात्:—

तारीख: 7 मार्च 1980

मोहर:

प्रकाश प्राइंट ई। एन। एस।-----

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

अतः मुझे
सुखदेव चन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ए
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी की सं० कोठी नं० 113, माडल टाउन है
तथा जो माडल हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के निए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके वृद्धमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अनुरण से दुई किलो ग्राम की वाता, उक्त प्रतिवेदन,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पासितियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरन में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत मिह, श्री केसर मिह
मारफत अजीत मिह एंड संस,
गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मर्व श्री मुन्दर मोहन मिह, तजिन्द्र मोहन मिह पुत्र
श्री शरण मिह पुत्र श्री संतोष मिह मारफत मैसर्स
नीलम माइकल इन्डस्ट्रीज, गिल रोड, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहिंग करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्रमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितदाता किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 113, माडल हाउस, लुधियाना, जैमाकि,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय लुधियाना के विलेख संख्या
2286, जुलाई, 1979 में बर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्र० पूरुष प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निदेश सं० डी०बी०एम०/45/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है।

और जिसकी मूल्य भूमि भेद फल 15 कनाल 10 मरले हैं तथा
जो गांव लोहगढ़ तहसील डेराबसी में स्थित है (और इससे
उपाखण अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथतः :—

10-12 GI/80

1. सर्वश्री वालकुण्ज, विद्यालय दृष्टि, पुत्र श्रीमती कर्सनीपुत्री
श्री मुंशीराम वासी भावत तहसील खरड़।
(अन्तरक)
2. श्री पी० के० नन्दा 16 बलविद्वर रोड, कलकत्ता-27
श्री हीरा नाल एड्वोकेट 29 मेक्टर-5, चन्डीगढ़।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाल में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 15 कनाल 10 मरले जो गांव लोहगढ़
तहसील डेराबसी।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 644 अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

मकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्याचंद्र, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/162/79-80—ग्रन्त: मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1145 है, तथा जो सैकटर 33-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(न) अन्तरण से ही हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में मुविधा के लिए; और/या

(व) ऐसी हिसी आय या हिसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या |किया जाना चाहिए था, छिपने में मुविधा के लिए;

गत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्कितियों, अर्थात्

1. (1) श्री एम० एन० दत्ता द्वारा जनरल अटा श्री कवल जीत मिहं भिंडर
(2) श्री श्रीतल एपार्टमेंट जूहू बांगे-2

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता बंडला वासी 2319 सैकटर 22-सी, चन्डीगढ़।

(अंतर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1145 सैकटर 33-सी, चन्डीगढ़ जोकि चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 939 जुलाई, 1979 में इर्ज है।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना
तारीख: 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/आर०/117/79-80—अतः
मुझे सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5-9-4 विगा है तथा जो गांव धांदरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री जोध मिह, पुत्र श्री करतार मिह
श्री करतार मिह पुत्र श्री गंगा मिह
वासी धांदरा तहसील व जिला लुधियाना।
(अंतरक)

2. मर्वं श्री मेहर मिह, केहर मिह पुत्र श्री हीरा सिंह
वासी फूलावाल तहसील व जिला लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्रोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसन्धान

भूमिक्षेत्रफल 5.9.4 विगा जो गांव धांदरा तहसील लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 324 जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 7 मार्च, 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी ट्री एनो एसो—

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० एल०डी०एच०/236/79-80—अतः मुझे
मुख्यदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15-के है तथा जो भारतीय नगर,
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जुलाई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीन:—

1. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री किशन सिंह
वासी सुधार तहसील जगराओ, जिला लुधियाना।
(अंतरक)

2. श्री कुलजीत सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह वासी
43ई, सराना नगर, लुधियाना।
(अंतरित)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय परं दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15-के भारतीय नगर, लुधियाना।
जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1949, जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

तारीख 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० आर०ए०जे०/109/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाप हरने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 20 बीघे 4 विस्वा, है तथा
जो गांव सील तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय राजपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाप
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति ना उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह पुत्र श्री मोहल वासी गांव, तहसील
राजपुरा।

(अन्तरक)

2. श्री वचन सिंह पुत्र श्री घोकल सिंह वासी गांव सील,
तहसील राजपुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारो करने पूर्वी समर्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तहसीली व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तारीख में पापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा पश्चिमताकारी के पास
निवास में किए जा सकेंगे।

सात्सौहरण :—इसमें प्रदूषा गढ़ों ग्रीट इंडिया, जो उक्त अधि-
नियम, न प्रभाव 20-व में परिभाषित है, वही
प्रत्येक होता जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 20 बीघा 4 विस्वा, जो गांव सील
तहसील राजपुरा में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 1737 जुलाई, में 1979 में दर्ज
है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

रायवाच, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० सी०एच०डी०/160/79-80—ग्रतः भुजे
सुखदेव चन्द
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इ० ६ अश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1619 है तथा जो सेक्टर 36डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रान्तसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(छ) ऐसी हिसी ग्राम या हिसी बन या ग्राम आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावद्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अंति :—

1. श्री तरलोचन सिंह मेहता पुत्र श्री संत सिंह महता
वासी 176 मुखर्जी पार्क, न्यू दिल्ली द्वारा जनरल
ग्रामीण श्री बखशीस सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह वासी मकान नं०
1666 सेक्टर 34 डी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री बखशीस सिंह वासी 1666,
सेक्टर, 34-डी०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रामीणस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 1619 सेक्टर 36-डी०, चण्डीगढ़ ।
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के शिलोख संख्या 922, जुलाई, 1979 में वर्ज है ।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च 1980

मोहर :

प्रकाप प्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आय

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० ए०पी०ए०/३/७९-८०—आयकर सुखदेव चन्द्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 148 कनाल, 14 मरले हैं तथा जो लोधीपुर नहसील, आनन्द पुर साहिब में स्थित है (और उससे उपाबृज्ञ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को पूर्वोक्त सम्बति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबाबू अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, हिसाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रभू, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अवात 1—

1. श्री मलकीत सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह व हरजीत कौर पुत्री श्री गुरवचन सिंह वासी लोधीपुर, तहसील आनन्दपुर साहिब।

(अंतरक)

2. श्री केहर सिंह पुत्र जीवा सिंह पुत्र श्री लहणसिंह वासी गांव डरोली, तहसील आनन्दपुर साहिब।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बति के पर्यान के यस्तन्त्र में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधिया द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितबढ़ किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, घबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ्य होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 148 कनाल 14 मरले जो गांव लोधीपुर में स्थित है।

जायदाद जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आनन्दपुर साहिब के कार्यालय के विलेख संख्या 891 जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० पन० एस०—

आयकर प्रबंधनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ए (1) के प्रभीन सुनना

भारत सरकार

कार्योलिय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लधियाना

लधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० ४०एम०एल०/१९९/७९-८०—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र
आयकर परिविनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा २६९-ब के अधीन मकाम प्राप्तिकारी को, यह विवरण स
करने का कारण है कि खातावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य २५,०००/- इवमें से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 1½ विधा है तथा जो गांव कुठमाजरा, तहसील अमलोह में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79 को दूर्योग समति के उचित बाजार मूल्य से कप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पह विवास करने का कारण है कि पश्चापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित डरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी वायप की वाचत उद्देश्यनियम, के प्रश्नीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौरया

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अथ वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रबंधनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा उक्त प्रबंधनियम द्वारा प्रबंधन-कर प्रबंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ व्यवस्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, स्थिराने में सविष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उप-धारा (1) के प्रयोग प्रतिविवरणम्, प्रयोग-।-

1. श्री सदाराम पुत्र श्री वसन्ताराम
वासी कुकडमाजरा, तहसील प्रमलोह ।
(अन्तरक)
 2. (1) श्री विजय गर्भा पुत्र श्री गादी सिंह
(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री कृष्ण कुमार
(3) श्रीमती सुदर्शना रानी पत्नी श्री घनश्याम
वासी भण्डी गोविन्द गढ ।
(प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी वास्तवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठोंवाले व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्त्रिसि में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दाम प्रयुक्त शब्दों भौत पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन सुधी

भूमि क्षेत्रफल 1 1/4 बीघा, गांव कुकडमाजरा तहसील
प्रभालोह ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय की विलेख संख्या 1155, सितम्बर, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेज, लाईयाना

तारीख : 7 मार्च, 1980

मोहर 2

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निवेश सं० ए० ए० म० ए० ल० 286/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 1 बीघा है तथा जो गाँव नसराली, तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

11—16GI/SO

1. श्रीमती गरमेल वौर विधवा श्री वचन सिंह वासी नसराली, अमलोह, तहसील अमलोह।
(अंतरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र मोहन लाल वासी नसराली मन्ती, गोविन्द गढ़, तहसील अमलोह।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोकी अवधियाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा जो गाँव नसराली, में स्थित है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० 1010 अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 मार्च, 1980

मोहर:

प्रहर प्राइटी प्रेस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/152/79-80—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1519 है तथा जो सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत्, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शत्रिंद्र सिंह खोसला, पुत्र श्री रल्ला सिंह वासी गकाम नं० 38, राजापर्क अम्बला कैन्ट।
(अन्तरक)

2. श्री रम लाल शर्मा पुत्र श्री शान्ती स्वरूप शर्मा सब-डीविजनल मजिस्ट्रेट, खरड, जिला गोपँ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1519 सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी चण्डीगढ़, के कार्यालय के बिलेक्स संख्या 902, जुलाई, 1979 में दर्ज है)

गुरुदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्रखण्ड स्टार्ट ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मार्च, 1980

निवेदन सं० एसएमएल/44/79-80—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिन हिस्से
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-४ (1) के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रिहायशी फ्लाट क्षेत्रफल 277 वर्गफुट—2 वर्गफुट
हैं तथा जो स्टेशन वार्ड, बड़ा, शिमला में स्थित है (और इससे
उपार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन शिर्नांक 11/79

को पूर्णत गम्भीर के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास हनने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के बद्द विभिन्न से विभिन्न है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, तिम्निलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
गया गया है:-

(क) अन्तरण में दुई किसी आप को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपचारा (1)
अधीन लिमिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश चन्द्र दत्त पुत्र श्री मुजलाल
वासी मौहल्ला जनसल अम्बा, जिला अम्बा (हिंप्र०)
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीविया शर्मा पल्ली सोमदत्त शर्मा
633, सैकटर 16-डी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के अन्तर के
लिए हाँचारिंग मुरु करता हूँ।

उम्म मन्त्रिति अन्तर के सम्बन्ध में कोई भी आनेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पे हित-
बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताकारी के
पास निखित में हित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषण शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित
हैं, उही प्रदूषण, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 277 वर्गफुट जो स्टेशन वार्ड,
बड़ा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के
कार्यालय के विलेख सं० 613, नवम्बर, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 मार्च, 1980
मोहर :

प्रस्तुप अर्थ ० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

सुधियाना, विनाक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/206/79-80—यतः, मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० रिहायशी प्लाट नं० 179 है तथा जो सैक्टर
33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (अग्रेर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 8/79

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या आप आस्तियों
को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह तुरामा पुत्र श्री मैदाताब सिंह
निवासी ढी-11, जंगपुरा कालोनी, नई दिल्ली-110014
(अस्तकर)

2. श्री लूपिन्दर सिंह सिधू पुत्र श्री भजन सिंह सिधू,
श्रीमती रनधीर सिधू पत्नी श्री लूपिन्दर सिंह सिधू
पार्फंट श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 505,
सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब्र) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 179, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1165, अगस्त, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
मकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 14 मार्च, 1980

निदेश सं० सी०ए०ड०ड०/१५०/७९-८०—ग्रतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 242 है तथा जो सेक्टर 23-ए चन्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 26-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लब स्वरूप धीर पुत्र श्री काली दास धीर
बूथ नं० 13 सैक्टर, 18-डी, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल
पावर श्राफ अटारनी, श्रीमती कुण्डा रानी पत्नी श्री
लाजपतराय मार्केट मैसेजर भदनलाल शिंह कुमार, राय
सिंह नगर, राजस्थान।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री खुशीराम;
श्री दुग्धिवास पुत्र श्री छज्जू राम
मार्केट गोमत फरयाना, स्टोर, राय सिंह नगर,
राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप!—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधिया तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण। व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर उम्पत्ति में हिंचवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोगशाली के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इन गुप्त गाँड़ों प्रोटोटाई का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 242, सैक्टर 32-ए, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 872 जुलाई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 मार्च, 1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० डी०बी०एस०/40/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० भूमि क्षेत्रफल 13 बीघे 11 विसवे है तथा जो
गांव ढकौली, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिरूप निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त
अधिनियम के पर्यान कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी हिसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे मार्कीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रत्यक्ष
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन 'निम्नलिखित अविक्षितमों, अर्थात्:—

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह गांव ढकौली,
सब-तहसील डेरा बसी, तहसील राजपुरा जिला
पटियाला।

(अंतरक)

2. श्री नरायण सिंह पुत्र उत्तम सिंह व श्री सरदार सिंह
पुत्र श्री आस्मा सिंह बासी गांव ढकौली,
तहसील राजपुरा।

(अंतरिती)

कोपह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरद्वारा अविक्षितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधाराय के 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 13 बीघे 11 विसवे जो गांव ढकौली
तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के
कार्यालय के विलेख संख्या 612 जुलाई, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 मार्च, 1980
मोहर :

प्रस्तुप भार्डो टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

• भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च, 1980

निवेश सं० ढी०बी०एस०/43/79-80—अतः मुझे सुखवेष चन्द

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि भेनफल 10 बीघे 7 विस्त्रे है तथा जो गांव डकौली सब तहसील डेरा बसी, राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कायाक्रिय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहले प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हों किया गया था या किया जाता चाहिए था तिगाँ म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जागीर सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह निवासी गांव डकौली, सब तहसील डेरा बसी, तहसील राजपुरा जिला पटियाला।
(अंतरक)

2. श्री नरायण सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह व श्री सरदारसिंह पुत्र श्री आतमा सिंह बासी गांव डकौली, तहसील राजपुरा जिला पटियाला।
(अंतरिती)

को यदि सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू दिवों व्रत व अन्य द्वारा प्रयोग किये जाने के लिए तिथि में निर्दि जा वहाँ।

स्थानोऽवयः—इसमें प्रयुक्त पद्धति श्रीर पद्धति का, जो उक्त अधिनियम के 10 दिन में परिभाषित है, वही अर्द्ध होता जा उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भेनफल 10 बीघे 67 विस्त्रे जो गांव डकौली सब तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या 622 जुलाई, 1979 में दर्ज है।)

मुख्यवेष चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 14 मार्च 1980

मोहर :

प्रैरुद आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

सुधियाना दिनांक 14 मार्च 1980

निवेद सं० डी०बी०एस०/44/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव अन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 7 विस्त्रा है तथा जो गांव
डकौली सब-तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपांचढ़ी अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अंषित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उत्तरांगा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निविदा में वास्तविक रूप से नियन्त्रित नहीं नियम गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियीं प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों
की विन्दें भारी। प्राप्त-नर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगेंद्र सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह
निवासी गांव डकौली, सब-तहसील डेरा बसी
तहसील राजपुरा, जिला पटियाला ।
(अन्तरक)
2. श्री नरायण सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह व श्री सरदार सिंह
पुत्र श्री आत्मा राम वासी गांव डकौली, सब-तहसील
डेरा बसी तहसील राजपुरा जिला पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवादियां शुरू करता है।

उक्ता सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास
निविदा में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
ग्रन्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 7 विस्ते जो गांव डकौली सब-
तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के
कार्यालय के विलेख संख्या 632 जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव अन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एम० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निवेश सं० पी०टी०ए०/२२७/७९-८०—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,
श्रायकर श्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शेष बूथ नं० 11 है, तथा जो न्यू अनाज मंडी, सरिहंद रोड, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ह्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के लिए: और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
11—16GI|80

1. श्री गुभाप चन्द्र पुत्र श्री छज्जू राम
निवासी गुड़ मंडी, पटियाला । (अंतरक)
 2. मेसर्स किशोरी लाल, तरसेम चन्द्र
निवासी न्यू अनाज मंडी पटियाला । (अंतरिती)

को यह सुनता जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इप सूबना के राजवाह में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तम्भवत्ती व्यक्तियों पर सूबना नी तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से फिसी अवित द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोल्डर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किट जा सकेंगे।

स्वाधोकरण :-—इस प्रकृता गङ्गाओं और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ्य होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेष बूथ नं० 11, न्यू अनाज मंडी, सिरहन्द रोड, पटियाला
में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2911 जुलाई 1979 में बर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर

प्रस्तुप्राप्ति दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/244/79-80—अतः मुझे,
मुख्यदेव घन्द्।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल, 16 मरले हैं तथा
जो गांव त्रिपुरी सैदा, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, त्रिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती द्विजीत कौर विधवा श्री मेहर सिंह,
निवासी अमरविला, गिरिल लाईन, लुधियाना।
(अंतरक)

2. श्री अजैव सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह
श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री मनासिंह
निवासी तिवाकनी मौरा, मिद्रा हाउस, पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षमन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 16 मरले गांव त्रिपुरी सैदा,
पटियाला में स्थित है।

(जायेंद्र जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 2841 जुलाई, 1979 में दर्ज है।)

मुख्यदेव घन्द्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रखण्ड पाई० टी० एन० एस०-----

आयकर विधिनियम, 1981 (1981 का 43) की आरा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसिद्धि, समुदायकल प्रायोगिक विवरण (निरीक्षण)

अंजन रेंज, लधियाना

लधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० ए०एम०ए८०/८८/७९-८०—अतः मुझे सुखदेव
 प्रायकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के अधीन
 सप्तम प्राधिकारी को यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० में परिष्कृत है
 और जिसकी सं० भूमि धोन फल १ विधा, १५ विस्ते हैं तथा
 जो गांव नसगाली तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे
 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
 प्रधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८
 (१९०८ का १६) के अधीन तारीख ८/७९

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार पक्के से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे पढ़ विश्वास करने का नाराज़ है कि यथा पूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

१. श्री नन्द मिह पुत्र श्री साकुर मिह वासी गांव नमराली,
तहसील अमलोह ।

(श्रीनारक)

2. मैसर्स कले सटील कारपोरेशन मन्डी गोविन्दगढ़ द्वारा हिस्सेदार श्री घोरसिंह अमलोह रोड, मन्डी, गोविन्दगढ़।

(श्रावणी)

को यह सूवना जारी करके इर्दगिर्द प्रसानि के घर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता है।

घुवत सधृति के अर्जन के प्रमाणमें कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नवाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इसूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किये अन्य व्यक्तियां आया, प्रधोरहस्ताकरी के पास निवित्त में किए जा पायेंगे।

स्पष्टीकरण —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रातःसुची

भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 15 विसवे जो गांव नसराली तहसील अमलोह में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख 1029 अगस्त, 1979 में दर्ज है।

सुवृद्ध चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. लघियाना

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14 मार्च, 1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब(1) के प्रतीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अजन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सी एच डी/144/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रतीन सभाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 193 है तथा जो सैकटर 33-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल वे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तब प्राप्त ग्राम्यप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित ग्रन्तरण लिखित म दाखिल रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से दूरी किसी आय की आबद्ध, उक्त अधिनियम के प्रतीन कर देन के ग्रन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रोप्या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उच्चकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा,—

1. श्री अवतार सिंह वादावन, पुत्र श्री राम सिंह वादावन निवासी सी-4/8, राजिन्द्र नगर, न्यू दिल्ली, द्वारा जनरल अटारनी श्री नानक चन्द्र पुत्र श्री मैहताब राय निवासी गांव व डां. कीरा खेरा, तहसील फाजल्का, जिला फिरोजपुर।

(अंतरक)

2. श्री बीरबल, मोतीलाल पुत्र श्री नानक चन्द्र निवासी गांव व डांको कीरा खेरा, तहसील फाजल्का, जिला फिरोजपुर।

(ग्रन्तरिती)

को वह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्यपेः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राम्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्य होगा जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 193 सैकटर, 33-ए, चन्डीगढ़।

(जायदाद जाना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 808 जुलाई, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
ग्रन्तन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 मार्च 1980

मोहर:

प्रूष प्राईटी एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं ० डीबीएस/62/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि भेत्रफल 40 बीघे 3 बिस्टे है तथा जो गाँव फतेहपुर तहसील डेरा बसी में स्थित है (और इससे उपावस्था प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को मई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाबाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचदूर प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (प्रमुखकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उपर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं होया था।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मिनी पत्नी श्री जीवन सिंह निवासी फतेहपुर तहसील डेरा बसी।

(अन्तरक)

2. श्री भजन सिंह, मोहन सिंह, सोहन सिंह पुत्र श्री फतेहसिंह वासी मीरपुर जटां तहसील नवांशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के प्रधानमंत्र में कोई भी आजेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमव्यवस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रब्लीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में पक्ष परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भूमि

भूमि भेत्रफल 40 बीघे 3 बिस्टे, गांव फतेहपुर तहसील डेरा बसी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी कार्यालय विलेख संख्या 732 सितम्बर 1973 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 14 मार्च 1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————8

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/131/79-80—ग्रातः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शोरूम शाइट नं० 42 है तथा जो सैक्टर 26, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीर ग्राम प्रविनियम, 1998 (1908 का 16 के अधीन, तारीख गूलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत अधिक है, और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिता गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी बाद को बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के बाबत के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आवश्यकों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना या किया जाना चाहिए था, छिपाने व शुल्क के लिए;

ग्रातः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टेक चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री बनारसी दास
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री टेक चन्द्र, श्री कपूर चन्द्र अग्रवाल
पुत्र श्री बनारसी दास द्वारा अटारनी श्री सुरेश
कुमार पुत्र श्री टेक चन्द्र अग्रवाल, 151 ग्रीन
मार्किट, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री पावित्र सिंह वालिया पुत्र डा० निरंजन सिंह,
श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री पावित्र सिंह, श्री
रुपिदरवीर सिंह पुत्र श्री पावित्र सिंह, मिस गुरिन्दर
वीर कौर पुत्री श्री पावित्र सिंह वासी पुराना
गडा खाना, पटियाला। व श्रीमती कंवलजीत कौर
पत्नी श्री जातिन्दर सिंह आफ एम० आई० रोड,
जैपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोरूम साईट नं० 42 सैक्टर 26 चन्डीगढ़
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 770 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निवेश संख्या सीएचडी/137/79-80—अतः मुझे, सुखदेव,
चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या रिहायशी प्लाट नं० 1205 है तथा जो
सैकटर 34 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीरूटा प्रधिकारी के कार्यालय
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दाविन्दर कटियाल पुत्र श्री एस० बी० कटियाल
निवासी देहरादून द्वारा जनरल अटारनीं श्री बदरी नाथ
पुत्र श्री देस राज वासी बी 21-सी० एस० आई० ओ०
कालोनी सैकटर 30 सी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुनीता रानी पत्नी श्री बदरी नाथ वासी
सी एस० आई० ओ० कालोनी सैकटर 30 चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. श्री गुरदयाल सिंह वासी 1205 सैकटर 34 सी
चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1205 सैकटर 34 सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़
कार्यालय विलेख संख्या 786 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं: सीएचडी/135/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं 2105 है तथा जो सैक्टर
35 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उभावद्वा अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजमेर सिंह गिल पुत्र श्री बलवंत सिंह गिल निवासी
31-नुस्खी मार्ग, न्यू दिल्ली द्वारा श्री पृथ्वीपाल सिंह पुत्र
श्री हरभजन सिंह निवासी मकान नं 3425 सैक्टर
27-डी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री कंवल मोहन सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी
2268-सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

रिहायशी प्लाट नं 2105 सैक्टर 35-सी चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 779, जुलाई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयरक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 14-3-1980

मोहर:

प्रधन प्राइंटो टो एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/123/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
239-ए के अधीन सन्नन प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3877 है तथा जो सैक्टर 32 डी
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7/79

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (प्रतरकों) और प्रतरिती (प्रतरितियों)
के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रतरण से ही कियो पाय की अवधि, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के लायित्व
में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन पा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की
जपाहारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अवधि:—
13—16GI/80

1. श्री राम सरन पुत्र श्री जगत नाथ वासी 162, न्य
जवाहर नगर, जालन्धर सिटी, द्वारा जनरल अटारनी
श्री राजिन्दर कुमार पुत्र श्री पिंडी दास वासी मकान
नं० 126 सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री राविन्द्र कुमार सिक्की पुत्र श्री संया प्रकाश
सिक्की निवासी मकान नं० 3102 सैक्टर 20-डी
चन्डीगढ़ ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वा उक्त सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
अप्रिक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी
अन्य अधिकारी, अवौहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधायाय 20क में परिभाषित
है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 3877 सैक्टर 32 डी चन्डीगढ़

(जायेदाद जैसा 'क' रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 687 जुलाई 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 14-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी ट्री. एन. एस.—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ग्रामकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं. आर० ए० जे०/113/79-80—अतः भझे,
सुखदेव चन्द्र,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस हेतु पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी रहायशी मकान, प्लाट नं. जे-8/9 है तथा जो
गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाउन शिप, राजपुरा में स्थित है (और
इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्री-
कर्ता अधिकारी कार्यालय, राजपुरा भे, राजस्त्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरक्त)
और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रास्तरियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह निवासी जे-8/8,
गोबिन्द कालोनी, राजपुरा।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री राम सरत मंहदीरता पुत्र श्री गोपाल दास निवासी
जी-325, कृष्णगढ़, नज़दीक शमशाद मंज़ल करनाल
(हरयाना)

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर
सूचना को सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रान्य अधिकता द्वारा, अशोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस ग्रामेष में दिया गया है।

अनुसूची

*रहायशी मकान व प्लाट नं. जे-8/9, गोबिन्द कालोनी
राजपुरा टाउनशिप, राजपुरा।

(जायेदाद जैसा कि राजस्त्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के
कार्यालय) विलेख संख्या 2069 अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्तम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/139/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 35 है तथा जो सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 7/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 रा 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्ज अमृत बनसपति का०: लिमिटेड राजपुरा द्वारा श्री जगेश कुमार खेतान पुत्र श्री तुलसी प्रसाद खेतान वासी मकान नं० 60/8 ए चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह, श्री राजवीप सिंह, श्री चरनदीप सिंह, श्री अमरवीप सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह निवासी मकान नं० 35 सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षणः—

(क) इत्यूक्ति के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 35 सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय में विलेख संख्या 795 जूलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सभग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/148/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 349 है तथा जो सेक्टर 35
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन
तारीख 7-7-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मर्ही किया
गया था या किया आता जाहिर था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः; अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्म सिंह पुत्र श्री शादी सिंह वासी मकान नं०
1664 सेक्टर 22 बी, चन्डीगढ़।
(प्रन्तरक)

2. श्री रामकिशन लिवेदी पुत्र श्री सलिग राम द्वारा
स्पेशल अटार्नी श्री बलभीर सिंह वासी 1664 सेक्टर
22 बी चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में मृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 3498 सेक्टर 35-डी चन्डीगढ़।

जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 839 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 14-3-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

नियम सं० एस आरडी/120/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि क्षेत्रफल 4 बिंगे है तथा जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द भैं, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीनरायण दास पुन्न श्री टहल दास, वासी गोविन्द गढ़।
(अन्तरक)

2. मैसर्स कोरपोरेशन स्टील कारपोरेशन, गोविन्दगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बिंगे जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है जायदाद जैसा क रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 1797, जुलाई 1979 में दै है।

सुखदेव चन्द्र
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च, 1980

निवेश सं० एस०आर०डी०/115/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि और इमारत (पेट्रोल पम्प) है तथा जो छड़की जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन, तारीख 7/9

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिलकुमार सतिन्द्र कुमार पुत्र श्री लाजपत राय वासी छमा जिला लुधियाना

(अन्तरक)

2. सर्वश्री राम सिंह गुरदियाल सिंह पुत्र श्री चतुर सिंह वलजिन्द्र सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह रगवीर सिंह जीत सिंह, वलविन्द्र सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी मार्ग नालेना कलां तहसील सरहिन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व इमारत (पेट्रोल पम्प) गांव छड़की जिला पटियाला।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संदर्भ 1672 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव अन्दर

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० सीएचडी/171/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 1596 है तथा जो सेक्टर 34 डी चन्डी-
गढ़ में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसपाल सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह मारफत श्री
शिरमान सिंह वासी 44 सेक्टर 9ए चन्डीगढ़ द्वारा
जनरल पावर अटारनी श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री
सुजान सिंह वासी 1180 सेक्टर 8सी चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री रघवीर सिंह पुत्री श्री वसन्त सिंह 1596 सेक्टर,
34 डी चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. श्री रघवीर सिंह 1596 सेक्टर 34 डी चन्डीगढ़
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1596 सेक्टर 34 डी चन्डीगढ़
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय
के चिलेक संख्या 994 अगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/225/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग फैक्टरी यूनिट नं० 418 प्रोपर्टी नं०
बी-XXIII 526/3ब है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया
ए० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधि-
याना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 7/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पृष्ठ विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोगतः:—

1. श्री इन्द्रदेव पुत्र श्री गिरधारी साल वासी मुहूला
दान्डीय दरेसी रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मसर्स सागर मशीन टूल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री
अमरजीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह 411 इन्डस्ट्रीयल
ऐरिया लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालय में शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वौद्वत्तोक्तारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाईटोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी यूनिट 418 प्रोपर्टी नं० बी-XXIII
5 26/3बी, इन्डस्ट्रीयल एरिया, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1893 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

[सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ग (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
[अर्जेन रेंज, लुधियाना]

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० आरएजे/97/79-80—अतः मुझे सुखवेद चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
भारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 25 बिंगे 17 बिसवे है तथा जो
गांव सील तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपचान
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-7-9

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अनुसरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अनुसरक के वायिष्व में कमी
करने या उससे बचने में विविध कारण से कथित
नहीं किया गया है।—

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्ननिखित अधिकारी, पर्यातः—

13—16GI/80

1. श्री जागीर सिंह पुष्प भी मोहन वासी गांव सील
तहसील राजपुरा।

(अन्तरिक)

2. सर्वश्री मंगता सिंह, अर्जुन सिंह लज्जासिंह त्वरूप सिंह,
जगरूप सिंह, केसर सिंह, सुर्जन सिंह, पुत्र श्री सावन
सिंह वासी गांव सील राजपुरा।

(अन्तरिती)

को यह नूबना बारो करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के
निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के वंडें व में काई भी आक्षेप :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोइस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया :—इसमें अपूर्ण शब्दों प्रीर वर्ते न, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अब द्वारा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 25 बिंगे 17 बिसवे जो गांव सील तहसील
राजपुरा में स्थित है।

(जारेवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 1736 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखवेद चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 14 मार्च 1980

निदेश सं० एलडीएच/260/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है, में प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 186 2/3 व गज है तथा जो ब्राउन
रोड, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(घ) ऐसी निसी प्राय पा फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

ग्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. प्रर्जन सिंह पुत्र देसा सिंह बी-10/850, अहाता मोहम्मद
तायर लुधियाना
(अन्तरक)
2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री चौदाराम बी-II/77, बाउन
रोड, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के पद्धति में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्जों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ लाया जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 186 2/3 व गज ब्राउन रोड, लुधियाना जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के विलेख नं० 2120 जुलाई 1979 में
वर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मार्च 1980

निदेश सं० एनडीएच/266/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के प्रधीन संघर्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संताति जिनमें उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० मकान क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जो यि गिल नं० 1, न्यू जनता नगर, गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडी नं० 1 अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 79

को पूर्वोक्त संघर्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने ला करण है कि यथापूर्वोक्त संताति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, अधिक है और अन्तर १० (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, अन्तिकरण उद्देश्य से उक्त प्रतिरण निषिद्धि में वास्तविक रूप से हथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज कुमार पुत्र श्री प्रभ दयाल, करयाना मर्केन्ट बिलगा, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नश्तुर तोर पत्नी मनकीयत मिह गिल नं० I, न्यू जनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्षि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 200 वर्ग गज, गिल नं० I, न्यू जनता नगर गिल रोड, लुधियाना।

जस्ता कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2152, जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-3-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाह
धारवाह, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 258/79-80/एक्यूजीशन—यतः, मुझे,
पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1008/1 है, जो पूना-
बंगलौर रोड, बेलगम में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेलगम अंडर डाक्युमेंट नम्बर 992 दिनांक 5-7-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और
अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी वाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

1. बसपा उर्फ अशोक शिवपा, बत्तिशेणी गट्टाचार गली
घर नं० 4020, बेलगम।

(अन्तरक)

2. (1) श्री चन्नबसवेश उर्फ राजेश
(2) श्री वि पाख उर्फ संजु
(3) गिरिश सुपुत्र शिवशंकर कल्याणेश्वर
अल्पवयस्क मंरक्षक श्रीमती शीला शिवशंकर कल्ति-
शट्टी, एच० नं० 4020, गणाचार गली, बेलगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० सी० टी० एस० नम्बर 1008/1 जो पूण-बंगलौर
रोड, बेलगम में स्थित है।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाह

तारीख : 4-12-1979

गोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेदन सं० एलडीएच/239/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 500 वर्ग गज, है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और भूसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान गतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उचावाच (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा !—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी करम सिंह, 6/5, पंजाब एम्प्र० यूनिवर्सिटी कैम्पस, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. अशोक कुमार पुष्प शान्ति स्वरूप, 314, चौड़ी सड़क, लुधियाना।
(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूलसूची

प्लाट 500 वर्ग गज, गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।
(जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख नं० 1952, जुलाई 1979 में घर्ज है)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० एल श्री एच०/270/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इपक्रे पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की ओरा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान क्षेत्रफल 233½ वर्ग गज है तथा
जो दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रत्यह
प्रतिशत से प्रधिक है, और यह कि प्रत्यक्षित (अन्तरकों)
और प्रत्यक्षित (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया जाता है।—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की वावत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रत उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-प की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता—।—

1. श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री हरि चन्द निवासी मकान
मं० बी-१-६००/१५ सूद कोटेज, कुन्दनपुरी, सिविल
लाईन, लुधियाना।

(अंतरक)

2. (1) श्री बालमुकुन्द पुत्र श्री राम चन्द
(2) श्री जयगोपाल }
(3) श्री राज पाल } सभी पुत्र श्री बालमुकुन्द
(4) श्री बन्सी लाल }
निवासी मकान नं० बी-IV-2213, दरेसी
रोड, लुधियाना।

(अंतरक)

3. श्री फूल चन्द, राम लगन, राम मुंजीर, सीन, संतु,
पालान, गुलाम, प्यारे लाल, निवासी दीप नगर,
सिविल लाईन सुधियाना।
(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई और प्राक्षेप—।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो
भी प्रवधिया तारीख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के वास
निवास में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त अन्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्व होया जो उस प्रध्याय में दिया जाया
है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्राप्ति आई० टी०एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० पीटीए/210/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०भूमि क्षेत्रफल 2 बोधे हैं तथा जो गांव खेरी गुजरां, सटेडीयम रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद असून्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का गहरा प्रतिशोधिक है और प्रतिरक्षण (अन्तरक्षण) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरक्षण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्षण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नानक सिंह पुत्र राजा गुरदित सिंह वासी सटेडीयम रोड, पटियाला।

(अन्तरक्षण)

2. श्री गिरधर सिंह पुत्र श्री गोविंद सिंह, श्रीमती जसजीत कोर पत्नी श्री गिरधर सिंह, श्री किशन सिंह पुत्र श्री गिरधर सिंह, कुमारी लतिका पुत्री गिरधर सिंह, वासी सटेडीयम रोड पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तात्पर्यात्मक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन से प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रयोगक्षम द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदीर्घ रूप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बोधे जो गांव खेरी गुजरां, सटेडीयम रोड पटियाला स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विशेष संख्या 2735 जुलाई 1979 में वर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-3-1980

मोहर :

प्रकरण शार्हि० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के बद्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1980

निदेश स० सी एचडी/155/79-80—यतः भौमि, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
के बद्धीन संकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

ओर जिसकी सं० मकान नं० 1863 है तथा जो संबटर 22-
वी चन्डीगढ़ में स्थित है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहमान
प्रतिफल के लिये प्रतिरक्ति की गई है और भौमि वह विवास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृहमान प्रतिफल से, ऐसे बृहमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और प्रतिरक्ति (प्रतिरक्ति) और प्रतिरक्ति (अस्तरिति)
के बीच देसे प्रतिरक्ति के लिए तथा पावा बया प्रतिरक्ति, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्ति मिलित में बास्तविक रूप से किया गया
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के बद्धीन कर देने के प्रतिरक्ति के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए।
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्लॉक-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रतिरक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के उपरान्त में
में, उक्त प्रतिरक्ति को भारा 269-ए को उपाधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बर्तात :—

1. श्री जनक राज पुक्त श्री गोकल चन्द, निवासी घारी-
बाल, गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री देवकी नंदन सुधीर पुत्र श्री दुर्गा दास, निवासी
2480, संबटर 20-वी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री जगदीश राम खन्ना

(2) श्री हरधरन सिंह

(3) श्री अमर नाथ

वासी मकान नं० 1863, 22-वी, चन्डीगढ़।

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
सिद्धित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रगति

मकान नं० 1863, संबटर 22-वी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़।
के कार्यालय के विलेख संख्या 906 जुलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्ररूप प्राइ. दी. एच. एस.—

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

संघीय, संशोधन आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज लुधियाना
लुधियाना, विनांक 15 मार्च, 1980

निक्षेप सं० सी० एच० डी०/156/79-80—यतः
मुझे सुखदेव चत्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- इयए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1633 सं० 34 डी० है तथा जो
चत्तीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
चत्तीगढ़ में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जूलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह गतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और प्रतिरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वादान्विक लाते रहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देते के अस्तित्व के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गतियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम एवं एस-र
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्ये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में
मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—
14—16GI/80

1. श्री गुरदेव सिंह गिल पुत्र श्री प्रेम सिंह गिल नजदीक
रत्नबीर कालेज संगठन द्वारा जनरल ग्राउंडमी
श्रीमती देविन्द्र कीर पत्नी श्री गुरबुश सिंह
निवासी गांव व डाकखाना गोहूल वार जिला
अमृतसर।

(अंतरक)

2. श्री गुरबुश सिंह पुत्र श्री भान सिंह निवासी गांव
व डाक० गोहूलवार जिला अमृतसर द्वारा ग्राउंडमी
श्री गुरबुश सिंह निवासी पुत्र श्री खेम सिंह
मकान नं० 166 सैकटर 21 चत्तीगढ़।
(ग्रन्तरिती)

3. श्री महिन्द्र प्रताप राऊ ग्राउंडमी ग्राउंडमी
श्री अजीत सिंह सोहूल निवासी 1033, सैकटर नं० 34 भी
चत्तीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिकार में सम्पत्ति
है।)

की यह सूचना आरोहके ग्राउंडमी मानने के अवैत के
निए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में ओई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ये 30 दिन की प्रवधि, यो भी
प्रवधि रात्रि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद
किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा, प्रावौहस्ताकारी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर वर्डों का, जो उक्त अधि-
नियम के ग्राम्य 20-क में परिचायित है,
वही पर्व होता, जो उस अधिग्राम में दिया गया है।

प्रमुख

मकान नं० 1633, सैकटर 34 डी०, चत्तीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चत्तीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं० 904 जूलाई 1979 दर्ज है।)

सुखदेव चत्व,

सक्षम प्राधिकारी

संघीय आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेश सं० सी० एच० डी०/138/79-80।—यह:
मुझे सुखदेव चन्द

श्रावकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त मध्यनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विषका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूथ नं० 20 है तथा जो सेक्टर 22-डी०,
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण
स्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का व्यक्त ह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राव की धावत, उक्त
मध्यनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने पा उससे वक्तमें मैं सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी श्राव या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिस्ते भारतीय श्राव-कर मध्यनियम, 1922 (1922
का 11) या उस मध्यनियम, या श्राव-कर
मध्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या
जाना चाहिए या, मिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मध्यनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त मध्यनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखलाल पुल श्री उत्तम चन्द मारफत मैसेंज
उत्तम थी हट्टी कट्टा सार्फद, अमृतसर।
(अंतरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पसी श्री प्रकाश चन्द आहुजा,
716 सेक्टर 22-ए, चन्डीगढ़।
(अंतरक)

3. श्री प्रकाश चन्द आहुजा, भूथ नं० 20, सेक्टर 22-
ओ, चन्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजाव िन्द्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि यह तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
मध्यनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूथ नं० 20, सेक्टर 22-ओ, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 790 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सकाम प्राधिकारी

सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना।

तारीख: 15-3-1980

मोहर

प्रृष्ठप्राप्ति ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विधीन)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० एल०डी० 4/249/79-80 यतः मुझे सुख
देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की
धारा 269-व के अधीन बालम प्राधिकारी को, यह विवास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवास उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है।
और जिसकी सं० प्लाट 500 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पस्ती करम सिंह 6/5, पंजाब

कृषि यूनीवरस्टी कैम्पस लुधियाना।

(प्रतरक)

2. श्री रमन कुमार पुत्र श्री शान्ती स्वरूप 314, चौड़ी
सड़क, लुधियाना।

(प्रतरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजान
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजभव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अप होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 500 वर्ग गज गुरदेव नगर लुधियाना।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के
विलोक्त नं० 2051 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: -15-3-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधि

लुधियाना, विनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० एच० डी०/265/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 28 एफ 339. 28 बर्ग गज है सराभानगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों पर्याप्त :—

1. श्रीमती सविन्द्र कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह मार्फत श्री नरेन्द्र सिंह 40 एफ सराभा नगर, लुधियाना।
(अंतरक)

2. श्रीमती पवित्र कौर पत्नी श्री दलीप सिंह बी-8/258, नया मोहल्ला लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 339. 28 बर्ग गज जो कि करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी और लुधियाना, के विलेख नं० 2149 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 15-3-1980
मोहर:

प्रस्तुत प्राइवेट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निवेश सं एलडीएच/279/79-80—यतः मुझे,

सुखदेव बन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं मकान नं 23, क्षेत्रफल 734 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभानगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पांच गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत् :—

1. श्री रमेश चन्द्र और सुभाषचन्द्र पुत्र श्री प्रकाशचन्द्र 79 इण्डस्ट्रीयल एसिया ए, लुधियाना।

(अंतरक)

2. श्रीमती जगजीत कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह
(2) श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह
(3) श्रीमती प्रमरजीत कौर पत्नी श्री हरवंस सिंह
(4) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी श्री रमीन्द्र सिंह
निवासी 436, कालेज रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 23, क्षेत्रफल 734 वर्ग गज जो कि करतार मिह सराभानगर, लुधियाना में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 2261 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव बन्द
सक्रम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, लुधियाना

तारीखः 15-3-1980

मोहरः]

प्रलेप प्राइंटी ० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं । नडीप्रव/269/79-80/—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान क्षेत्रफल 173 1/3 बर्ग गज है तथा
जो दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उत्तरद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के 'अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री विनोदकुमार पुत्र श्री हरि चन्द निवासी मकान
नं० बी-I-600/15, सूद कोटेज, कुन्दनपुरी, सिविल
लाईन, लुधियाना द्वारा श्री हरि चन्द पुत्र
स्पष्टुमल, जनरल आटारनी।

(अंतरक)

2. श्रीमती सरला देवी पुत्री श्री बालमुकन्द सर्वश्री
कृष्ण लाल शेसपाल और पवन कुमार पुत्र श्री
बालमुकन्द निवासी मकान नं० बी-IV-2213,
दरेसी रोड, लुधियाना।

(अंतरिती)

3. श्री तिलक राज, राम करन, सरभादेव जमुना, बिहारी
और रामेश सारे निवासी दीप नगर, सिविल लाईन,
लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति
है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान क्षेत्रफल 173 1/3 बर्ग गज जो कि बूँदानाला के
साऊथ बक के पीछे दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में
स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 2175
जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एनडीएच/254/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 1701.1/3 वर्ग गज है तथा जो गांव डाबा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण के अधीन प्राधिकारी अधिनियम, 1908 (1908 का 16), तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स बरमा मकनीकल वक्स 256, इण्डस्ट्रीयल एरिया-ए, लुधियाना मार्फत जसवन्त सिंह, परमजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, 256, इण्डस्ट्रीयल एरिया-ए लुधियाना। (अंतरक)

2. मैमस जी० सी० जैन इंजीनियरिंग वर्क्स बी-IV/774, बेट गंज, लुधियाना मार्फत सर्वे श्री अशवनी कुमार, अरुण कुमार, राजिन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र B/IV/774, बेट गंज लुधियाना। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 1701.1/3 वर्ग गज गांव डाबा, तहसील लुधियाना जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के विलेख न० 2101 जुलाई 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रबंधन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्वेश स. पीवाईएल/5/79 80/ —यतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. ८० भूमि अन्नफल 20 बीघा 8 विस्ता है तथा जो
गांव लासारा पोलेवाम, तहसील एवं जिला लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पायल में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान
प्रतिफल के लिए अस्वरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यपान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यपान
प्रतिफल का परदह प्रतिशत से अधिक है और अस्वरक
(अस्वरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्वरण के लिए तय पात्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अस्वरण विविध में वास्तविक कम से कमित
महीन किया जाता है:—

(क) अस्वरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या हिसी धन या प्रत्य प्राप्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपलारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्रीमती मुखियार कौर पुन्नी श्री लाल मिह पुल श्री
वाजीर मिह, निवासी गांव लसारा पोलेवास पोस्ट
ग्रामिस, नीजामपुर, सब तहसील पायल जिला
लुधियाना।

(अंतरक)

2. सर्वेश्वी बूटा मिह, रंजीत मिह पुल श्री गुरदयाल सिंह पुल
स. ० वाजीर मिह निवासी गांव लसारा पोलेवास,
पोस्ट ग्रामिस नीजामपुर, सब तहसील पायल,
जिला लुधियाना।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रदूषिति, या उक्त सम्बन्धी अधिकारीयों वा
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रदूषिति जो भी
प्रदूषिति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकता द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अविस्तरित द्वारा अव्याहृताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर वदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचारित है,
वही पर्यंत होता जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुमति

जमीन अन्नफल 20 बीघा 8 विस्ता, गांव लासारा पोलेवास
तहसील एवं जिला लुधियाना।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के विलेख नं. 867
जुलाई 1979 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द्र
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रबंधन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

शब्दप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एनडीएच/274/79-80—यतः मूले,
मुद्रादेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सभी साम्राज्यिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 451, माडल टाउन है तथा जो लुधियाना
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पछह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विक्षित में
भास्त्रिक रूप से अंदर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की पावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी बन पा अथ आस्तियों
को, जिहे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

15—16GT/80

1. श्रीमती निरमला हान्डा पत्नी केवल कृष्ण 451,
माडल टाउन लुधियाना।

(अंतरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र भाग भिह 451, माडल टाउन,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके युवोंका सम्पत्ति के
प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में जोई भी ग्राहकों—

(क) इस सूचना के रातारन पै व्रहाण तो तारोख से
45 दिन की अवधि या उसमध्यी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के रातारन में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अधूत अवधि द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में
उल्लिखित होगा।

अनुसूची

कोठी 451, माडल टाउन लुधियाना।

(तैया कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख
नं० 2191, जुलाई 1979 में दर्ज है।

युवोंका चन्द
सभी साम्राज्यिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/147/79-80/ —यतः मुझे
सुब्रदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सी० औ० नं० 66 है तथा जो सेक्टर
30 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे
दूसरे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; प्रौरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरन दास, अशोक कुमार, निवासी मकान नं० 60,
सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जनक राज व श्रीमती शीला देवी, एस० सी० एफ०
नं० 66, सेक्टर 30-पी, चन्डीगढ़।

(प्रांतिती)

3. मैमसं महाजत टैट हॉस्प श्री जनक राज श्रीमती
शीला देवी निवासी एस० सी० एफ० 66, सेक्टर
30-पी०, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभेद में
सम्पत्ति है)

को पृ० सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के
लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० 66, सेक्टर 30-पी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलोक्त संख्या 834, जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुब्रदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकाश प्राई. टी. एव. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज तुष्णियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं. सीएचडी/141/79-80 —अतः [मुझे
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा
269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनमा उक्त बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 18 करोल 5 मरले हैं तथा
जो गांव मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और
इसमें उपावन्द अनुसूची ; और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य,
उक्तके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यरकण के लिए तथा
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरकण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरक से हुई किसी आप की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रबिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रबिनियम, या बन-
कर प्रबिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के घनुसरण
में, उक्त प्रबिनियम की धारा 269-ग की इवाजा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अधीत :—

1. श्री साधू सिंह, अजैव सिंह निवासी निचली पट्टी,
मोरी बाला बरवाजा मनीमाजरा यू० टी० चन्दी-
गढ़।

(अंतरक)

2. श्री रण सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह व श्री गुरदेव सिंह
निवासी मौड़न टॉक्न, मनीमाजरा यू० टी०
चन्दीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रयत्न के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रयत्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्द किसी अन्य अविक्षित द्वारा, भवोद्वस्ताक्षरी के
पास लिखित से किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा और उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 करोल 5 मरले जो गांव मनीमाजरा
यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जारीदार जग कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चमड़ागढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1067 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, तुष्णियाना

तारीख : 15-3-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आप्रवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/151/79-80/ —अतः
मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि भोवफल 24 कनाल 4 मरले हैं तथा
जो गांव मनीमाजरा यू० टी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे
यू॒विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरां)।
और अन्तरिती (अन्तरितिश्च) के बीच ऐसे पन्नरण के
निए तथा गया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्नरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(6) प्रश्नरक्ष में हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवीय
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) 41 उक्त अधिनियम, या
अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपरामें में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सेवासिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह निवासी मनीमाजरा,
यू० टी०, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह
नारंग।
- (2) श्रीमती दर्शी नारंग पत्नी कुलदीप सिंह
नारंग।
- (3) मिस गीतका नारंग पुत्री श्री कुलदीप
नारंग।
- (4) मिस लीतका नारंग पुत्री कुलदीप नारंग।
- (5) श्रीमती अमृता पत्नी श्री अरविन्दर बबर
निवासी मकान नं० 33 सैकटर 5 चन्डीगढ़।
- (6) बाबा गुरमीत सिंह पुत्र बाबा निहाल सिंह।
- (7) श्रीमती चरण जीत कीर पत्नी बाबा
गुरमीत सिंह।
- (8) श्री सरदारल मिह पुत्र बाबा गुरमीत सिंह।
- (9) श्री अनुपाल मिह पुत्र बाबा गुरमीत मिह।
- (10) श्री सुखपाल मिह पुत्र बाबा गुरमीत मिह
सारे निवासी मुक्तपर जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

को यदृ नूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी प्राप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी दृश्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
भाषित, हैं वही अर्थ होता है, जो उस पर्याप्त
में दिया गया है।

आनुसूची

भूमि भोवफल 24 कनाल 4 मरले जो गांव मनीमाजरा
यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जारी कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलख संख्या 877 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-80

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सी०एच०डी०/129/79-80 —यतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर समति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3628 है तथा जो सैकटर
23-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979 को
पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है
कि यातूर्वोक्त पात्रता ना उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उपन्देश प्रतिष्ठान से अधिक है
और अन्तररु (अन्तररु) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमो हरने या उन बचने में मुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी हिती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारोर प्राप्त करने के अन्तरक के दायित्व
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुधिधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री बन्सी लाल रावल पुत्र श्री बिधि चन्द मारफत
मकान नं० 3628, सैकटर 23-डी, चण्डीगढ़।
(अंतरक)

2. श्री जी० डी० जुनेजा पुत्र श्री राम चन्द निवासी
म० नं० 1729, सैकटर 23-डी, चण्डीगढ़।
(अंतरिती)

(3) श्री हरबंस लाल, श्री सुरेश कुमार, श्री पांकर लाल
बजाज श्री अधिनाश सारे बासी मकान नं० 3628,
सैकटर-23 डी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

(4) सैकेटरी, पंजाब सिविल सैकेटरीएट, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर समति में हितबद्ध
हिसी प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3628, सैकटर 23-डी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 747, जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

मुख्यदेव चन्द

सभी अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एएसडी/21/79-80 —यतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 60 बीघे 1 विसवा है तथा जो
मिठेवाल (मालेरकोटला) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वेश्वरी कृपाल सिंह, मुख्यायार सिंह पुत्र श्री क्षामा
निवासी निहालूवाला (मालेरकोटला)।
(अंतरक)
2. श्री भुजार सिंह पुत्र हजूरा सिंह निवासी मिठेवाल
(मालेरकोटला)।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजत्र भी तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजत्र भी तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रौद्यताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 60 बीघा 1 विसवा गांव मिठेवाल।
(ऐसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदगढ़ के विलेख
नं० 1105 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत पाईद० टी० एन० एस० —

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/154/79-80/ —प्रतः मुझे
सुखदेव चन्द
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3442 (प्लाट नं० 46 स्ट्रीट
नं० 11) है तथा जो सैक्टर 27 डी चण्डीगढ़ में स्थित है 'और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अंतरांतरिकों) के बीच ऐसे
प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) प्रतरण में दूई किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में तुलिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में तुलिष्ठा के लिए;

प्रतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, भर्ता:—

1. श्री हरवियाल सिंह काहलों पुत्र श्री हंरवित सिंह
काहलों निवासी मेहर सिंह कालोनी, पटियाला
द्वारा जननरल अटारनी श्री गुरचेत सिंह पुत्र
श्री सुचारिंह, निवासी मकान नं० 3442, सैक्टर
27 डी चण्डीगढ़।

(अंतरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पनी श्री गेरचेतसिंह निवासी
मकान नं० 3442, सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़।
(अंतरिती)

3. श्री तारा च:द, श्री सुचा सिंह निवासी मकान नं०
3442 सैक्टर 27 डी चण्डीगढ़।
श्री गुरचेत सिंह, श्री चोपड़ा, श्री प्यारा सिंह,
श्री अर्जीत पाल सिंह, नर्स (नाम नहीं दिया
गया) सारे निवासी मकान नं० 3442-27 डी
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, 'जिसके प्रबिद्रोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3442, सैक्टर 27 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विनेख संख्या 905 जुलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राईंटी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सीएचडी/163/79-80/ ----यतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० श्रो० नं० 34 है तथा जो सैक्टर 17 है चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिये प्रतिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वर्ण पाया गया प्रतिफल, निम्नांकित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से लिखा नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरक्षण से ही जिसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा जिसी ब्रन वा अन्य प्रारिक्षणों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत् ।—

1. श्री तरसेम चन्द, पवन कुमार, अभय कुमार हिस्सेदार
मैसर्स तरसेम चन्द एण्ड व्रदर्स एस० सी० श्रो० 34
सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।

(अंतरक)

2. श्रीमती करनील कौर पत्नी श्री भजन सिंह, श्री हंद्रीप
सिंह डिल्लों माईनर द्वारा श्री भजन सिंह गाँव व
डा० सलीम पुर, जिला रोपड़।

(अंतरिती)

3. (1) मैसर्स आजाद हिन्दु स्टोर्ज।

(एजुकेशन डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार (डायर्स-
रेक्टर पब्लिक इंस्ट्रक्शन)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

4: एस० सी० श्रो० 34, सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी अवक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अवक्षित द्वारा, प्रधानमंत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और रद्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधान 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रश्नारामें दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० श्रो० नं० 34, सैक्टर 17-ई चण्डीगढ़।

(जायेवादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के लिए ब्रेक संख्या 950 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1980

मोहर :

प्रकाश प्राप्ति नं. १८० एस०-----

- श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री वर्षियाम सिंह, 30 सैकटर-2-ए चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लृधियाना

लृधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं. पी०टी०ए०/१९१/७९-८०/ ---यतः मुझे
सुखदेव चन्दआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पहले 11 वा 'उत्तीर्ण अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विवाह संकरने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 32 करात है तथा जो विपुरी
सैबां, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसमें वह विवाह संकरन का कारण है कि यथावृत्त अन्तरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा वाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की वावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में
सुविधा के लिए,

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री वर्षियाम सिंह, 30 सैकटर-
2-ए चण्डीगढ़।

2. श्री बनारसी दास पुत्र श्री माकु राम, प्रकाशन कन्द
पुत्र श्री नाथू राम, पुरनचन्द्र पुत्र श्री माधू राम,
इन्द्र मैन पुत्र श्री नाथू राम, साविकी देवी पुत्री
जेठू राम, लश्मन दास पुत्र श्री वल्लसी राम,
राम सरूप पुत्र श्री बसन्ता मल्ल, जान चन्द
पुत्र श्री हरबंस लाल, मिठु राम पुत्र श्री लीलु
राम, जमना देवी पत्नी श्री रामधारी, हंस राज
पुत्र श्री रामकृष्णन, पारला देवी पत्नी श्री जगदीश
राम, दुर्गा देवी पुत्र श्री सीता राम, देवी दास पुत्र
राम लाल, बंत राम पुत्र मलेरी मल्ल, प्रेम मिहू
पुत्र श्री प्रीतम मिहू, पुरन चन्द पुत्र श्री प्यारे लाल,
विजय रुमार पुत्र श्री जगदीश लाल भाफूत पुरन
चन्द पुत्र श्री प्यारे लाल आफ मैं प्यारे लाल एण्ड
संम प्रापर्टी डी नर, नज़्वीन तहसील आफस पटियाला।

(अंतरिती)

को यह सूचना त्रायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए
निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के मध्यवर्ती में शोई भी याकौपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अवौहस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ग) इनमें जैसा कि रजिस्ट्रीलर्ड अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख सं. 2449 जुलाई 1979 में दर्ज
है।

तारीख: 15 अप्रैल 1980

मोहर:

सुखदेव चन्द
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, लृधियाना

प्ररूप आई० टौ० एन० एस०—---

प्रावहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मकान अधिकार प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एल०डी०एच०/223/79-80 —यतः
मुझे सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन पश्चात् प्रधिनियम को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर प्रधानियम जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिमकी सं० मकान नं० 282 है तथा जो माडल
हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1979

पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के तिर तापा गग पत्तिक, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रतिफल जिन्हें में वासनविह रूप से नाथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उनमें बदलने में सुविधा के लिए;
शीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्त नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्रीमती प्राण देवी पत्नी श्री मोहनलाल निवासी 75-ए,
हैंडस्ट्रीयल प्लॉट लुधियाना।
(अन्तरक)
2. श्रीमती गुरदेव कोर पुत्री के हरभिंह निवासी मकान
नं० 282, माडल हाउस लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नहीं पूर्वोक्त सम्भाल के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्भाल के अर्जन के ताप्तव्य में कोई भी आधेप :—

(अ) इस सूचना के राजनीत में प्राप्तान की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पत्त्वधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजनीत में प्राप्तान की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाल में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में
हिते जा सकेंगे।

स्वाक्षरण: — यहाँ प्राप्त गढ़ों पौर पदों जा, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधान 20-ह में परिभाषित है, वही
गढ़े होंगा, जो उप प्रधान 20 में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 282 (एमसी नं० बी-XVII-3875/2)
माडल हाउस लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 1876 जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधि ना।

तारीख: 15-३-८०

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी० टी० एन० ५०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० एलडीएच/227/79-80—यतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 789 फेज-II है तथा अरबन एस्टेट डडारी कलां लुधियाना (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित अविक्षित अर्थात् :—

1. श्री दरशन लाल पुत्र श्री ऊजागर मल श्रीमती सतीश कुमारी पत्नी श्री दरशन लाल 52 आश्राता शेर जंग, लुधियाना।

(अंतकक)

2. श्री कशमीरा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह 641 इण्डस्ट्रीयल एरिया—बी लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवासी बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अर्थ अविक्षित द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 789 फेज-II अरबन एस्टेट, डडारी कलां लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1904 जुलाई 1979 में धर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय मंड़ायक ग्रामकर ग्रामुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश संग्रहीत ०/२२२/७९-८०—यतः मुझे सुखदेव
चन्द

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-XI-77 पुराना (बी०-XII
722 न्य०) है तथा जो (बफ्फ वाली गली) बराऊन रोड, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपावढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाग्रामुक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में
कमी, करने या उससे बचन में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय ग्राम-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

ग्राम, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री जपविन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी बी-XI
-27, बराऊन रोड लुधियाना।
(अन्तरक)
2. श्री ग्रमरजीत सिंह दुम्रा पुत्र श्री राम नारायण सिंह
निवासी 244, वलगीधर रोड, लुधियाना।
(अन्तरिती)
3. श्री राम प्रकाश, टेलर मकान नं० बी-XI-77,
बराऊन रोड लुधियाना।
(वह अपक्रित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अपक्रित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
मकान नं० बी-XI-77 पुराना, (बी-XII-722 न्य०)
बराऊन रोड लुधियाना।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विसेख संस्था 1872 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
स्थायक ग्रामकर ग्रामुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च 1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० ० के ०एन०आर०/१९/७९-८०—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० माफन नं० फेज-I है तथा जो मोहाली,
तहसील खरड़ जिला रूपनगर में स्थित है (और इसमें
उत्तरुम्बूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कितन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवार्ता:—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर सोडी पत्नी श्री अमरसिंह सोडी,
निवासी 541, सेक्टर 16-ए चण्डीगढ़ द्वारा
श्रीमती पुरुषिन्द्र कौर पत्नी श्री एस० एस०
मंगीया, जनरल एटारनी।

(अन्तरक)

2. श्री पी० डी० गोयल पुत्र श्री प्यारे लाल गोयल
निवासी 1618, सेक्टर 35-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री पी० सी० गुप्ता निवासी मकान नं० 184, फेज
नं० 1 मोहाली जिला रूपनगर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 184 फेज-1 मोहाली तहसील खरड़ जिला
रूपनगर।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खरड़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 2310 जुलाई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1980

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एलडीएच/250/79-80—यतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 789 फेज-II है तथा जो
ठड़ारी कलां, ग्रामन एस्टेट, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमूल्य प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पञ्चव
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री वरशन लाल पुन अजागर मल श्रीमती सतीश
कुमारी पत्नी श्री वरशन लाल निवासी 52, अहता
शेर जंग, लुधियाना ।

(अंतरक)

2. श्री हीरा सिंह पुन श्री सोहन सिंह निवासी 641-
इन्डस्ट्रीयल एरिया-बी लुधियाना ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुसूची

मकान नं० 789-फेज-II ठड़ारी कलां, ग्रामन एस्टेट
लुधियाना ।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संज्ञा 2052 जुलाई 1979 में दर्ज
है) ।

सुखदेव चन्द
मक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-3-1980
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्वेश सं० सीएचडी/149/79-80—यतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस सी० ओ० नं० 283, सहित में कुंश
बना हुआ है तथा जो सैकटर 35डी-चन्डीगढ़ में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुन्त्र यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाली जा उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पत्रिक
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिक्षों
(प्रन्तरिक्षों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बातें, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्षों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपाधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मोहिंदर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी
गारडन कालोनी, रोड, खरड़ जिला रोपड़।

(2) श्री बलबंत सिंह बंदी पुत्र जांवद सिंह निवासी
सी-128 सैकटर 14 चण्डीगढ़।
(अंतरक)

2. (1) श्री मुरजीत सिंह पुत्र श्री गुचरन सिंह निवासी
गांव ब डा० मैहराज जिला भटिडा।

(2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री चरनजीत सिंह
निवासी गांव ब डा० मैहराज जिला भटिडा।

(3) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री हरबंस सिंह
निवासी 82-27 ए चण्डीगढ़।

(4) श्रीमती राम कौर पत्नी श्री कापूर सिंह
रंधारा निवासी गांव ब डा० बरगरान,
जिला भटिडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(न) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्प्रबन्धी अविक्षयों पर
सूचना जी तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि गांव में सनात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षि द्वारा ;

(ष) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के मोत्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधीक्षस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

एस० सी० ओ० साईट नं० 283 सैकटर 35 डी०
चण्डीगढ़।

(जापदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विभेद संख्या 851 जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सम्भम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीखः 17-3-1980

मोहरः

प्रहृष्ट आई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्वैश सं० एल० डी० एम०/312/79-80—यतः मूल्य,
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43½ वर्ग
गज है सथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न
तथा पाशा गया प्रतिहत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निषिद्ध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आद की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी आद या किसी घट या घट्य प्रासियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रमुखरूप में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थात् :—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र बादा सिंह पुत्र श्री चांदी राम
निवासी 81-बी, सराबा नगर लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद पुत्र बाबू राम
श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री अयोध्या प्रसाद
मार्फत मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौडा बाजार,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसमत्रात्री अविकल्पों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविकल्प द्वारा, अवोक्स्टाभरी के पास लिखित
म किए जा गएगे ।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अन्तर्गत में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग दुकान क्षेत्रफल 43½ वर्ग गज, चौड़ा
बाजार, लुधियाना ।

सुखदेव चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई। टी। एन। पृष्ठ।—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रदोन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं। एल। डी। एच।/281/79-80—यस; मुझे,
सुखदेव चन्द

आयकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रदोन सम्म प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं। 1/3 भाग बुकान क्षेत्रफल 43 1/3 वर्ग गज है तथा जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तररक्त) और अन्तरिक्त (अन्तरनियमों) के बीच ऐसे प्रभन्नरण के लिये तद पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभन्नरण विभिन्न में वासनित कप से सहित तरीकी दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में अभी करने वा उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(व) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्योजनाधृत अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी भाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,

निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्री जगतार सिंह पुत्र श्री बादा सिंह निवासी 81-वी, सरामा नगर लुधियाना।

(अंतरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद पुत्र बाबू राम श्रीमती कौशलया देवी पत्नी श्री अयोध्या प्रसाद मार्फत मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार लुधियाना।

(अंतरिक्त)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी प्रावेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा लत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भास्तु होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति द्वारा अधोहृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अंश होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग बुकान क्षेत्रफल 43 1/3 वर्ग गज, चौड़ा बाजार लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2271 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 17-3-19780

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निर्देश सं० एल० डी० एच०/242/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है।

और जिसकी सं० मकान न० बी-X-708 है तथा जो इकबाल
गज रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिक्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः—

1. श्रीमती लाजबन्ती विधवा श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री
भगवान दास श्री बाल कृष्ण, श्रीम प्रकाश, किशन
देव पुत्र श्री लक्ष्मण दास बी-X-708, इकबाल
गज रोड लुधियाना। श्रीमती सुवर्णन देवी, श्रीमती
पुष्पालता, श्रीमती बीना शर्मा, श्रीमती इन्दिरा कौशिक,
श्रीमती सुशील शर्मा श्री अशोक कुमार, शर्मा,
श्री बलदेव कुमार, श्री मंजू शर्मा, द्वारा जनरल
एटारनी श्रीमती लाजबन्ती विधवा श्री लक्ष्मण
दास बी-X-708 इकबालरोड लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी विजयकुमार, केवल कृष्ण पुत्र श्री बुद्ध राम
निवासी साबुन बाजार लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्वा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताधरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टोरणः— इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० बी-X-708, इकबालरोड, लुधियाना।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1979 जुलाई 19979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 17-3-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 मार्च 1980

निवेश सं. एल. ०४०५०६८०/२७१/७९-८० —यतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी संस्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी सं. संकान नं. बी-XV-412/बी है तथा जो
भुल्ला हरिकृष्णपुरा, गिल रोड, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रखने
का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से ऊंची नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ऊंची किसी ग्राम्य की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. सर्वश्री श्री धनवन्त सिंह, मनजीत सिंह, बलदेव सिंह
सुखवन्त सिंह द्वारा श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री हरनाम
सिंह निवासी बी-XV-412/बी, हरिकृष्णपुरा
गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्द दुआ माईनर द्वारा श्री शामस्वरूप दुआ
पुत्र श्री बहादुर चन्द्र मार्पत मैसर्ज जनरल मैनू-
फैक्चरिंग कारपोरेशन, गिल रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
मन्य अधिकता द्वारा, अधिकृतस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-XV-412/बी, हरिकृष्णपुरा गिल रोड
लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलोक्त संख्या 2179 जुलाई 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सभी संस्थान प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 17-3-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 18 मार्च 1980

निरेण सं० सीएचडी/158/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 3 स्ट्रीट-सी० है तथा
सेक्टर 19 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावग्नि प्रनु-
सूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

1. सर्वेश्वी मनभोहन मितल, देश धूशम मस्तल पुत्र
श्री लक्ष्मी नारायण मितल, श्रीमती विश्वानु देवी
पत्नी महाराजा कृष्णा, श्रीमती कुमुम गर्व
द्वारा अटारनी श्री देश धूशम मितल मार्फत
162/6 बाजार 7 फीरोजपुर फैस्ट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती समिक्षी देवी पत्नी श्रीराम बंवर श्री सुशील
बसीन पुत्र श्री रजिन्द्र बुमार द्वारा श्री रजिन्द्र
बुमार हाउस नं० 126, 16 ए चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

3. श्री श्रीपाल जैन प्लाट नं० 3 सेक्टर 19ए, चण्डीगढ़
(वह व्यक्ति, जिसके अधिक्षेप
सम्पादित है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितनद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

112 भाग प्लाट नं० 3 स्ट्रीट सी। सेक्टर 19ए चण्डीगढ़।
(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 911, जुलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18-3-1980

मोहर:

प्रकरण नं. ३०१० एन० एस०—

आमंत्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन मूलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 मार्च 1980

निवेश सं. सीएचडी/134/79-80/—यतः, मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शापकम-प्लेट नं. 3 हिस्सा 1/3 है, तथा
जो सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्व
अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई 1979
की पूर्वोक्त अधिनियम के उचित राजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त अधिनियम का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरा से दूर किसी आप की वाबत उक्त
अधिनियम के प्रभाव कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में
मद्दिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आप या किसी व्यक्ति या अन्य प्राप्तियों
को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
प्रत्यक्षरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उजागर सिंह सन्धु पुत्र श्री कोहर सिंह निवासी
मकान नं. 513, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. मैसर्स ओम पलीर मिल्ज द्वारा हिस्सेदार सर्वश्री
ओम प्रकाश पुत्र श्री मोहरी राम, सिकन्दर लाल
सालूजा पुत्र श्री गणपतराय निवासी एस० सी०
एम० नं. 3, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स ओबराये लैमीमेट हाऊस,

(2) मैसर्स ओम फिलोर मिल्ज,

(3) श्री जसवन्त सिंह,

(4) श्री भग्न सिंह,

(5) श्री मन्जीत सिंह डीन्सा,

(6) श्री तेलू राम,

(7) श्री पवित्र सिंह,

(8) श्री बेली राम,

(9) मैसर्स मिंगापुर केन, और बेस्ट्रू हैंडीफ्राप्ट,
सारे वासी एस० सी० एफ० 3, सैक्टर 18-डी
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. श्री मुख्तियार सिंह एम० सी० एफ० नं. 3-18-डी-
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप।—

(क) इस पूर्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की दबाविया तत्त्वांबदी व्यक्तियों पर सूचना
की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोट एवं एस० का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाया 20०क में
परिभ्रामित है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधाया
में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग शाप-कम-प्लट नं. 3 सैक्टर 18-डी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 775, जूलाई 1979 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-3-1980

मोहर :

कर्मचारी चयन आयोग

विवरण

ग्रेड ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा
1980

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1980

मं. 1/7/2/79-समन्वय-II.—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की प्रब्रह्म सूची, भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब-काउर के आशुलिपिकों की श्रेणी II सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' में वृद्धि करने हस्तु कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 10-9-80 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित काछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 12-4-80 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

आयोग अपने निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जायेगा कि उन्हें कहाँ, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर उपर दी गई सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ग' ——*
- (ii) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब काउर के आशुलिपिक ग्रेड-II——*
- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग —— ; और
- (iv) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' ——*

* बाद में निश्चित की जायेंगी

इन रिक्तियों के संबंध में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित आरक्षण किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर धोत्रीय निवेशक, कर्मचारी चयन आयोग उ. क्षे. लोक नायक भवन, कूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 10-5-80 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपये के मूल्य का पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हों और 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों, उम्मीदवार भज कर भी 10-5-80 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना-पत्रों पर परीक्षा का नाम "ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980" स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ, उम्मीदवार को मोटे अक्षरों में अपने नाम तथा पते की दो पर्चियां भी भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त दो पर्चियों को प्राप्ति पर आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से

(डाक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत— under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिये जायेंगे। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर तथा चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए अथवा एक रुपये की राशि, भारतीय उच्च आयुक्त/राजवत्/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उक्त राशि को लेखा शीर्ष, "051-लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियां—आवेदन प्रपत्रों की विक्री" (वेतन और लेखा अधिकारी कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा करने को कहे तथा उस कार्यालय से टी. बार. 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर ले तथा उसे आयोग को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार को नाम तथा पते की मोटे अक्षरों में दो पर्चियां भी भेजनी चाहिए।

टिप्पणी:—आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 10-5-1980 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जायेगी। विदेश में रहने वाले तथा अडमान निकोबार द्विवीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 24-5-80 तक भी स्वीकार कर कर ली जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ. क्षे.) लोक नायक भवन, कूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003, को पास 10-5-80 को या उसके पूर्व, अनुबंध में दी गई हिदायतों के अनुसार अवैध पहुंच जाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाद भिल्जने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में रहने वाले तथा अडमान और निकोबार द्विवीप समूह तथा लक्षद्वीप में 10-5-80 से पूर्व रहने वालों के आवेदन पत्र 24-5-80 तक भी ले लिए जायेंगे।

टिप्पणी-1:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें अपने आवेदन ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही प्रस्तुत करने चाहिए। ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर प्रस्तुत किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। "केवल शासकीय प्रयोग के लिए" चिन्हित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी-2:—आवेदन-पत्र की मांग में दर्दी अथवा आवेदन-पत्र दर्दी से भेजने से हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की हो जाएगी।

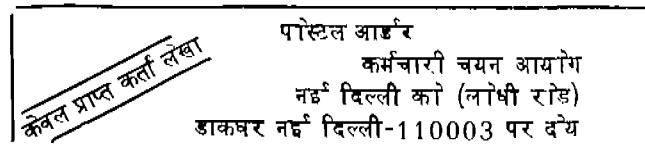
टिप्पणी-3:—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर देवे, उन्हें उस लिपिक से जो आवेदन-पत्र प्राप्त करेंगा, उसी समय पाकती पत्र ले लेना चाहिए।

5. (i) निर्धारित शुल्कः—नीचे के उप-पैरों (iii) और (v) में आगे बाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को परिवर्त आवेदन पत्र के साथ आयोग द्वारा निम्नलिखित फीस देनी होगी:—

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में)।

(ii) पैरा 5(i) में दी गई फीस का भुगतान रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा होना चाहिए, जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हो। यह भुगतान बैंक ड्रॉफ्ट, जो केवल स्टेट बैंक आप इच्छिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट नं० दिल्ली स्थित शाखा द्वारा कर्मचारी चयन आयोग, को देय हो, तथा कम से कम छः मास के लिए वेद्य हों के द्वारा भी किया जा सकता है।

पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए:—



आयोग फीस का भुगतान मरीआर्डर, चैक या करेंसी नोटों द्वारा स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) आयोग स्वेच्छा से निर्धारित फीस से भक्त कर सकता है जबकि उसे इस बात की सन्तुष्टि हो जाए कि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्व पारिक्षतान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा बर्मा से वास्तविक प्रस्थावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है।

(iv) उम्मीदवार को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा कर्मचारी चयन आयोग, लोधी रोड डाकघर, नं० दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के स्तम्भ-II में पोस्टल आर्डर के पूरे व्यापरे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित फीस का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट नहीं होगा उसे मरसरी तौर पर देखकर ही अस्वीकृत कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्व पारिक्षतान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या इसके बाबू (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और फीस न देने की स्थिति में होने के कारण उत्तर के पैरा 5(iii) के अनुसार निर्धारित फीस से छूट चाहते हैं।

(v) भूतपूर्व मैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं होगा।

6. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी में संबंध किसी भी वावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। फीस वापिस तभी की जायेगी जबकि परीक्षा निरस्त हो जाएगी।

यदि उम्मीदवार को, उसका आवेदन-पत्र देरे से पहले ज्ञात कराये जाएं तो उम्मीदवार का आवेदन-पत्र उसके पोस्टल आर्डरों सहित उसे वापिश भेज दिया जायेगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में पत्र व्यवहार क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, उ. क्ष. लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, लान मार्किट, नं० दिल्ली-110003, को सम्बाँधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:—

- (i) परीक्षा का नाम,
- (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष,
- (iii) रोल नं. या जन्म तिथि (यदि उम्मीदवार को रोल नं. न भेजा गया हो),
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में), तथा
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक पता।

इन विवरणों से रहित पत्राचार पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में कर्मचारी चयन आयोग के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार सदैव “श्रेणी-ग्रामांशिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1980” शब्दों का अवश्य प्रयोग कर।

मदन लाल
सचिव

कर्मचारी चयन आयोग

अनुबन्ध

उम्मीदवारों को अनुबन्ध

1. विज्ञप्ति के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से संबंधित विज्ञप्ति, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग (उ. क्ष.) के कायालिय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर दखल लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भरने से पहले उम्मीदवार को विज्ञप्ति के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंधित किसी अनुरोध पर विवार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग अपने नियम में उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी एक में अथवा किसी अन्य मिशन में उसे अपने खर्च पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के परिविष्ट के पैरा 3 के अनुसार (ii) निबंध और (iii) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र और आशांतिपक परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने खर्च पर ही किसी एसे अन्य मिशन में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहां पर एसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों।

2. उम्मीदवार को आवेदन पत्र और अपने नाम तथा एसे की 6 पर्चियों वाला कागज अपने हाथ से भग्ना चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्द-आदि के द्वारा नहीं। भग्न हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, (उ. क्ष.) सोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, लान मार्किट, नं० दिल्ली-110003, को भेजना

चाहिए ताकि वह विज्ञप्ति में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

टिप्पणी:—परीक्षा नियमावली के परीक्षण के पैरा 3 के अनुसार निवंध और सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में दर्ने के इच्छाकारी उम्मीदवार अपना विकल्प आवेदन पत्र के स्तम्भ 6 में स्पष्ट स्पष्ट से लिखें। एक बार का विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उक्त स्तम्भ में परिवर्तन करने का कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त स्तम्भ में कोई प्रीविलियट नहीं की गई तो उसका अर्थ यह समझा जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में दर्ने।

विज्ञप्ति में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यह आयोग यदि वह तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह विज्ञप्ति के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भरकर इस आयोग को भेज दें।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भूठा व्यौरा न दें और न किसी तथ्य को छिपाएं।

4. (1) उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को लांधी रोड, डाकघर नहीं विल्ली पर देय हो अथवा बैंक ड्रॉफ्ट, जो केवल स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियार्मेंट स्ट्रीट नहीं दिल्ली स्थित शाखा द्वारा कर्मचारी चयन आयोग, को देय हों, तथा कम से कम छः मास के लिए वैध हों।

(ii) (क) आवेदन पत्र देते समय जहां वह काश कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ख) आवेदन पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1977 से आगे के उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) की दो समान प्रतियाँ।

(iv) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित प्रलेख (जहां उपयुक्त हो)।

(2) उपर की मर्दों (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का व्यौरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मूहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर 'केवल प्राप्तकर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएँ:—“कर्मचारी चयन आयोग को लांधी रोड, डाकघर नहीं विल्ली पर देय हों।”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएँगे। विरुद्धपित या कटे फटे या काल-तिरांहूत पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

सब बैंक ड्रॉफ्ट कर्मचारी चयन आयोग के नाम में होने चाहिए तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियार्मेंट स्ट्रीट, नहीं दिल्ली स्थित शाखा द्वारा देय हों।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश में रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (12.00 रु. के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3.00 रु. के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त राजवृत् या प्रतिनिधि उस देश में जो भी हों—के कार्यालय में जमा करवाएँ और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा शीर्ष “051—लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियाँ—परीक्षा शून्क” (वेतन और लेखा अधिकारी, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नहीं दिल्ली द्वारा समायोजित) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-प्रपत्र के साथ भेजें।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहां उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, ईसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक द्वारा में) शैक्षणिक घोग्यताएँ, तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1977 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हआ हो।

टिप्पणी:—आवश्यक होने पर आयोग सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) की दो समान प्रतियाँ जिनमें से एक आवेदन पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

(iv) शुल्क की छूट और आयु छूट के दावे के पक्ष में नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि (जहां उपयुक्त हो), आवेदन-पत्र के साथ अवश्य ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधुरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ उपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी न साथ लगा

होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हुआ तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं संभी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों और उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दे दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के साथ शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस आयोग के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रतिविट्ठि में दो कभी भी कोई शृंखला या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशृंखला हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विद्यार्थित व्यक्ति, जो नियम 4(ग)(ii) या 4(ग)(iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी सत्यापित प्रतिलिपि यह संबद्ध करने के लिए प्रस्तुत करें कि वह बंगला देश से वास्तविक विद्यार्थित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी 1964 या उसके पश्चात, परन्तु 25 मार्च 1971, से पहले भारत में प्रवेश किया है:—

- (1) दण्डकारण्य प्रयोजना के पारगमन केंद्रों के केंद्रीय कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केंद्रों के केंद्रीय कमांडेंट;
- (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मणिस्ट्रेट;
- (3) अपने जिले के शरणार्थी पनथास से संबद्ध अंतिरिक्त जिला मणिस्ट्रेट;
- (4) सम्बन्धित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर; तथा
- (5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पनथास उप-आयुक्त/कलकत्ता में नियंत्रेश (पनथास)।

यदि वह विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(ii) बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्त्तित मूल भारतीय जा विज्ञप्ति के पैरा 5(ii) के अन्तर्गत फोस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 4(ग)(iv) या 4(ग)(v) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छक है वह श्रीलंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह विद्याया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या इसके पश्चात, भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फोस से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधानसभा के भद्रम्य में प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो

कि वह निर्धारित फोस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iii) बर्मा से प्रत्यावर्त्तित मूल भारतीय जो विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फोस की छूट और/अथवा नियमों के पैरा 4(ग)(viii) या 4(ग)(ix) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगन में भारतीय वृत्तावास ले मूल परिषद्य प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता है उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो कि वह बर्मा में वास्तविक पत्यावर्त्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को अथवा उसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फोस से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो कि वह निर्धारित फोस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iv) कीरीनिया, उगान्डा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार), जाम्बिया, मलायी, जायर तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्त्तित व्यक्ति जो नियम 4(ग)(vi) या (vii) के अधीन आयु में छूट का दावा करें वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्त्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(v) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा नेताओं में रहते हुए विकलांग (अंगर्हीन) हो गया है और नियम 4(ग)(x) या 4(ग)(xi) के अधीन आयु में छूट चाहते वह भारतीनियोंका, पनर्वास प्रतिरक्षा मन्त्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करें जिसमें यह दिलाया गया हो कि वह विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मृत्यु कर दिया गया है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री

पूनिट

रॉक नं.

विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए कार्यालय में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मृत्यु किया गया।

हस्ताक्षर

नाम _____

पदनाम _____

विनांक _____

* जो लागू न हों उसे काट दें।

(vi) नियम 4(ग)(xii) अथवा 4(ग)(viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ, सहानियेशक सीमा सुरक्षा दल से नीचे निर्धारित फार्म पर नियम गण प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह विद्याया के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृत हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रूप में
श्री —

सीमा सुरक्षा दल से कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्भवत हुए।

हस्ताक्षर	_____
नाम	_____
पदनाम	_____
तारीख	_____

7. उम्मीदवारों को उक्त पैरा 6 में उल्लिखित अपने प्रमाण-पत्रों की प्रतियां किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित अथवा स्वयं द्वारा प्रमाणित करके, अपने आवेदन-पत्रों के साथ भेजनी हैं।

8. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्रों को आयोग में प्रस्तुत करते से पूर्व निम्नलिखित फॉन्नुसार व्यवस्थित कर लें:—

- (i) पोस्टल आईर/बैंक ड्राफ्ट;
- (ii) फोटो की एक अतिरिक्त प्रति (फोटोग्राफ की दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिप-कानी है);
- (iii) विधिवत भरा हुआ आवेदन-पत्र;
- (iv) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में नियुक्त हो उसके प्रधान द्वारा अपनी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (v) आवेदन करते समय जिस विभाग अथवा कार्यालय में काम कर रहा हो, उसके प्रधान द्वारा दिनांक 1-8-80 को समाप्त हुए तीन वर्षों के दौरान उसकी सेवा-विवरणों की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (vi) यह दिखाते हुए कि उम्मीदवार बर्मा, श्रीलंका, बंगलादेश से प्रत्यावर्तित हैं—प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (vii) यदि उम्मीदवार चाहे कि उसके सम्बन्ध में निर्धारित शूलक माफ कर दिया जाये तो यह दिखाते हुए कि उम्मीदवार फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है—प्रमाण-पत्र; और
- (viii) कोई प्रमाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चाहता है।

9. आवेदन-पत्र द्वारा प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का कार्य ही अमुक सारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति में प्राप्तकर्ता परीक्षा में पहले के योग्य नहीं बन जाता।

10. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपने आवेदन-पत्र द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र जमा करवाने की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती पत्र न मिले तो उसे तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में कर्मचारी चार आयोग से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र आयोग से सम्पर्क करना चाहिए। इस उपबन्ध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जाएगा।

12. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कर्मचारी चार आयोग से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

13. सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) /अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा गत वर्षों में ली यश्च श्रेणी ग आशुलिपि सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबन्धित पुस्तिकाओं की प्रतियोगी की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सचिवल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से केवल मेल आईर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) निकात घड़ी, स्टेट एस्टोरिया बिल्डिंग, बाबा खुड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) प्रकाशन शाला का बिक्री काउन्टर, उदयोग भवन, नई बिल्ली-110011, और (3) गवर्नर्मेंट आफ इंडिया बुक हिप्पो, 8, के एस. राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ मुफरिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में लिखित पते पर भेजे गए पत्र आविष्यक होने पर उसको बबले हुए पते को भेज दिया जाया करे। पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को सूचना मोटे जक्करों में रोल नम्बर सहित छ: पर्चियों पर लिखित नए पते के साथ विशेष दर्दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसें परिवर्तन पर ध्यान देने का परा-परा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th March 1980

No. A.35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three Permanent Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis on deputation to the posts and for the period indicated against each, or until further orders, whichever is earlier.

S.I. No.	Name	Post	Period
1.	Shri G. P. Saxena	S. O. (Special-Confidential)	10-2-80 to 9-5-80
2.	Shri J. S. Sawhney	S. O. (Special-Examination Scrutiny and Coordination)	3-3-80 to 2-6-80
3.	Shri H. M. Biswas	S. O. (Special-Examination rules and arrangements)	3-3-80 to 2-6-80

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri G. P. Saxena, J. S. Sawhney and H. M. Biswas will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. F. 10(24)-E. 111/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd March 1980

No.A-19021/1/79. Ad.V.—Shri E. N. Rammohan, IPS (1965-Meghalaya) on deputation to Central Bureau of Investigation as Superintendent of Police, relinquished charge of his office on the afternoon of 31-1-80.

On relief from the Central Bureau of Investigation, the Services of Shri Rammohan have been placed at the disposal of the Government of Meghalaya.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)/C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 20th March 1980

No. E-38013(3)/11/79-PERS.—On transfer from Jharia, Shri N. G. Dutta, Gupta relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, BCCL Jharia w.e.f. the afternoon of 29th February, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi, the 18th March 1980

No. 11/39/79-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Raghavendra Rao, an Officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th February, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Rao will be at Belgaum.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd March 1980

No. Admn.I/8.132/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri P. Veerama Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accountant Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri J. Lakshmipathi, Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-32/79-80/398.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri J. Krishna Rao Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13-3-80 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th March 1980

No. 5691/A-Admn/130/79.—On attaining the age of superannuation Shri N. C. Biswas, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 29th February 1980 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK,
Joint Director of Audit, DS

MINISRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simpla-171004, the 5th April 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by two points to reach 369 (three hundred and sixty nine) during the month of February, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1980 works out to 448 (four hundred and forty eight).

Jt. Director.

A. S. BHARADWAJ,

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th March 1980

No. A.19018/474/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chakrabarti, I.A.S. (W.B.: 1969) as Director (Gr. I) (General Administrative Division) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 6th March, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA,
Dy. Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 23rd February 1980

No. A-1/1(1128).—The Director General (Supplies & Disposals) is pleased to appoint Shri R. Doraiswami, Asstt. Director (Lit.) (Gr. II) in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on deputation basis as Assistant Director (Lit.) (Gr.I) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 12-11-79 (F.N.) and until further orders.

K. KISHORE,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES**
Nagpur, the 20th March 1980

No. A. 19011(276)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. C. Srivastava, Assistant Chemist, to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10-3-80.

S. V. ALI,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

**ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM**
Calcutta-700 016, the 25th March 1980

No. 4-169/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Dr. Biswanath Joardar to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at the North West Region of this Survey at Dehra Dun, on a temporary basis with effect from the forenoon of 10th March, 1980, until further orders.

N. R. AICH,
Administrative Officer

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)**

Bombay-26, the 15th March 1980

No. A-24013/11/79-Est.I.—On return of Shri R. P. Sharma from leave, Kum. S. Sen, officiating Branch Manager, Films Division, Nagpur, reverted to the post of Salesman in the afternoon of 28-1-1980.

N. N. SHARMA,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th March 1980

No. A. 12025/2/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt) Janet Vickers to the post of Dental Surgeon at Central Govt. Health Scheme, Jaipur with effect from the forenoon of 20th February, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

No. A. 12025/20/78(AIIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Dinabandhu Guin to the post of Assistant Professor of Sanitary Engineering (Design) at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 1st February, 1980 in a temporary capacity, and until further orders.

The 17th March 1980

No. A.38012/1/80(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. P. K. Karthiyani, Nursing Adviser in the Dir. General of Health Services, New Delhi retired from Govt. service on the afternoon of the 29th February, 1980.

The 21st March 1980

No. A.31014/4/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following six officers in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the dates shown against their names :—

1. Shri S. D. Matange—17-10-1965
2. Shri B. C. Mistry—17-10-1965
3. Shri T. S. Gill—12-2-1970
4. Shri B. B. Panchal—11-10-1972
5. Shri K. K. Mitra—30-6-1972
6. Shri Harbans Singh—7-4-1978.

The 22nd March 1980

No. A.12026/1/77-NMPE/Admn.I.—Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis, Shri S. K. Sharma assumed charge of the said post on forenoon of 22nd January, 1980, at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis Shri S. K. Sharma relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on the forenoon of 22nd January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis Shri H. Biswas assumed the charge in the post on forenoon of 15th January, 1980 at the National Malaria Eradication Programme, Delhi.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis, Shri H. Biswas relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the N.I.C.D., Delhi on afternoon of the 14th January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis, Shri S. M. Kaul assumed the charge of the post at the National Malaria Eradication Programme, Delhi on 4th February, 1980 (Forenoon).

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis at the NFCP under N.M.E.P., Shri S. M. Kaul relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the National Institute of Communicable Diseases (Kala Azar Unit) Patna on afternoon of the 31st January, 1980.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis, Shri K. H. Kanaujia assumed the charge of the post on the forenoon of 5th February, 1980 at the office of Regional Health & Family Welfare, Hyderabad.

Consequent on appointment to the post of Assistant Director (Ent) on ad hoc basis, Shri K. H. Kanaujia relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Ent) at the R.F.T.R.C., N.I.C.D., Calicut, on forenoon of 1st February, 1980.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 15th March 1980

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In continuation of this Directorate's Notification No. A-32015/4/78-SI(Part) dated 6-10-79, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul, Sr. Technical Asstt. Family Welfare Sub-Depot, to the post of Asstt. Depot Manager, in the same Depot on an ad hoc basis with effect from 13th January, 1980 (F.N.) and until further orders.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Admn. (ST)

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 17th March 1980

No. A.19023/75/78-A-III.—On the recommendations of the D.P.C., Smt. R. S. Nehete, who is working as Marketing

Officer (Group II) on *ad hoc* basis, has been promoted to officiate as M.O. (Group II) in this Dte. at Bombay on regular basis with effect from 22-11-79, until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 21st March 1980

No. NAPP/Adm./1(167)/80/S/31644.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints

Shri M. M. Sharma a Section Officer (Accounts) in the office of the Deputy Controller of Defence Accounts, P.A.O. (ORs) Artillery—Mathura Cantt. to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—800—EB—40—960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 11, 1980, until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay 400001, the 29th Febyuary 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/3432—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores officer the same Directorate with effect from January 25, 1980:—

S. No.	Name and Unit	Present grade	Permanent post held, if any
1.	Shri T. R. S. Thampi, CSU, Trombay	Stores Officer	Storekeeper
2.	Shri M. S. Gangnaik, CSU, Trombay	Assistant Stores officer	Storekeeper
3.	Shri A. Padmanabhan, HWP Stores, Tuticorin	Assistant Stores officer	Upper Division Clerk (JSK)
4.	Shri V. C. Kuruvilla, AMD Stores, Nagpur	Assistant Stores Officer	Chief Storekeeper
5.	Shri K. L. Upadhyaya, MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
6.	Shri M. K. John, HWP Stores, Baroda	Assistant Stores officer	Storekeeper
7.	Shri R. V. Mathure, HWP Stores, Kota	Assistant Stores officer	Storekeeper
8.	Shri M. N. H. Rao, NFC Stores, Hyderabad	Assistant Stores Officer	
9.	Shri K. Chandrasekharan, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
10.	Shri V. Radhakrishnan on deputation to Kerala Newsprint project, Kerala State.	Assistant Stores Officer	Assistant Storekeeper
11.	Shri V. B. Prabhu, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Jr. Storekeeper)
12.	Shri A. R. Tondwalkar CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
13.	Shri V. K. Bokil, PREFRE Stores, Tarapur	Assistant Stores Officer	Storekeeper
14.	Shri J. W. R. Livingstone, MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
15.	Shri K. Sreedharan CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
16.	Shri I. P. Menon, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Junior Storekeeper)
17.	Shri Avtar Singh Punj, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper
18.	Shri P. K. R. Warrier MAPP Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Storekeeper
19.	Shri K. S. Pillai, RRC Stores, Kalpakkam	Assistant Stores Officer	Upper Division Clerk (Jr. Storekeeper)
20.	Shri John Johny, CSU, Trombay	Assistant Stores Officer	Storekeeper

No. DPS/4/1(4)/77-Adm/3472—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, hereby appoints in a substantive capacity the undermentioned officers against the permanent posts of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from October 10, 1979 :—

SI. No.	Name and Unit	Present grade	Permanent post held, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri V. Boothalingam, C. P. U. Bombay (on deputation to M/s Richardson and Cruddas Ltd)	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
2.	Shri M. Panchapakesan, MRPV Madras	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	Shri S. G. Kadulkar, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
4.	Shri P. V. Ramanathan, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Senior Stenographer
5.	Shri P. K. Subban, CRPU, Calcutta	Purchase Officer	—
6.	Shri V. K. Chandrasekharan, MRPU, Madras	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
7.	Shri V. Krishnan, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
8.	Shri R. S. Gaikwad, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
9.	Shri V. S. Ramaswamy, HRPU, Hyderabad	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
10.	Shri K. V. Nair, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer (Q. Pmt. Purchase Assistant)	—
11.	Shri R. J. Dhond, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
12.	Shri P. Narayananakutty, KRPU, Kota	Assistant Purchase Officer	—
13.	Shri J. G. Singh, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	—
14.	Shri S. J. Pradhan, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)
15.	Shri T. P. Joseph, MRPU, M.drs	Assistant Purchase Officer (Q.P. LDC)	—
16.	Shri P. Balasubramanian, CPU, Bombay	Assistant Purchase Officer	Purchase Assistant
17.	Shri K. Balagangadharan, HRPU, Hyderabad	Assistant Purchase Officer	Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant)

The 7th March 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/3935.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Gopal Narendranath Nair, Assistant

Stores Officer, in a substantive capacity against permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

Bombay-400001, the 18th March 1980

No. DPS/23/8/77/Est/4514—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accountants to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each :—

Sl. No.	Name	From	To
1.	Shri A. M. Parulkar	16-6-79 (FN)	17-8-79 (AN)
2.	Shri J. G. Sathe	12-11-79 (FN)	15-12-79 (AN)

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam, the 11th March 1980

No. MAPP/5(27)/76-Adm.—The undermentioned personnel who are at present serving in the Madras Atomic Power Project are appointed in a substantive capacity as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1-1-1979 :

S. No. Name of the individual and Remarks

1. Shri T. S. Venkataraman—Permanent SGC in PPED Pool.
2. Shri M. D. Raghavan—Permanent SGC in PPED Pool.

M. HARIPRASADA RAO, Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 22nd March 1980

No. AMD-2/(2904)/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Jadaba Nanda Das, from the temporary post of

Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from February 5, 1980 (afternoon).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (DEPARTMENT OF METEOROLOGICAL)

New Delhi-3, the 22nd March 1980

No. E(I) 03764.—Dr. R. Y. Mokashi, Meteorologist Grade-II Office of the Dy. Director General of Meteorology (Climatology & Geophysics) Pune, retired from the Government service, with effect from the afternoon of 30-11-1979, on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd February 1980

No. A31013/2/79EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/ Controller of Aerodromes, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt. with effect from the dates mentioned against each and until further orders.

S. No.	Name	Date	Station of posting
1.	Shri M. M. Joglekar	1-11-1978.	Regional Controller of Aerodrome, Bombay Region, Bombay.
2.	Shri S. Bhattacharjee	1-2-1979	Controller of Aerodrome, Delhi Airport, Palam.
3.	Shri B. K. Ramachandran	1-2-1979	Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the March 1980

grade of Communication Officer for a period of six months beyond 4-1-80 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

No. A.32013/9/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/9/79-EC, dated 22-8-79, the President is pleased to continue the *ad hoc* appointment of Shri N. S. S. Money, Assistant Communication Officer to the

The 20th March 1980

No. A. 32013/15/77-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department and at present on deputation to foreign Govts. as per the details indicated against each to the grade of Technical officer on regular basis with effect from 19-9-78(FN) and until further orders.—

S. No.	Name	On deputation to
1.	Shri K. P. Alagh	Government of Zambia
2.	Shri S. R. Venkataraman	Government of Zambia
3.	Shri R. Adiseshan	Government of Libya

No. A. 32013/8/79-EC.—In modification of Serial No. 3 and 6 of this department Notification No. A. 32013/8-79-EC, dated 11-2-80 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned officers the grade of Technical Officer beyond the dates mentioned against each and upto 31-5-80 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S.No.	Name	Station of posting	Period of ad-hoc appointment Sanc-tioned
3.	Shri S. D. Bansal	Director, Radio Constr. and Dev. Units, New Delhi.	Beyond 29-12-79 and upto 31-5-80
6.	Shri V. Subramaniam	Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.	Beyond 9-2-80 and upto 31-5-80.

No. A. 38013/1/80-EC;—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication organisation relinquished charge of their office on 29-2-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name and Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri B. N. Kaul, Asstt. Technical Officer	Radio Constr. and Dev. Units, New Delhi	29-2-80 (AN)
2.	Shri Kiran Rai, Asstt. Technical Officer	A. C. S., Calcutta	29-2-80 (AN)
3.	Shri Didar Singh, Asstt. Communication Officer	A. C. S. Amritsar	29-2-80 (AN)

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION
Pune-24, the 12th March 1980

Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 1st March, 1980.

Shri G. Jagan Mohan Rao will be on probation for a period of two years with effect from the same date viz. 1-3-1980.

M. R. GIDWANI,
Administrative Officer
for Director

No. 608/163/80-Adm.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri G. Jagan Mohan Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Mechanical) in the scale of pay of

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Capital Hand and General Udyog Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 18th March 1980

No. 3750/6900.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Capital Hand and General Udyog Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

HAR LAL
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Agrawal Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1248/860.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Agrawal Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Sainuney Trading Co. Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1280/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Sainuney Trading Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Jayshree Enterprises Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1463/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Jayshree Enterprises Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1570/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Easy Trading and Finance Private Ltd.*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1594.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Easy Trading and Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Arpan Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1980

No. 1948/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Arpan Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Podar Shakti Poly Steel Limited*

Bangalore, the 21st March 1980

No. 2596/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Podar Shakti Poly Steel Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Yasodhara Chemicals Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2644/Liq./3024/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Yasodhara Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Yuvarani Theatres Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2661/Liq./3022/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Yuvarani Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Motibhai Patel Industries Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 1924/Liq./3036/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Motibhai Patel Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vypeen Island Canning Company Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2789/Liq./3043/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vypeen Island Canning Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rallant Agro-Chemicals Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2815/Liq./3040/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rallant Agro-Chemicals Private Limited, unless cause is shown to contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sumangala Loans and Chits Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2481/Liq./3045/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sumangala Loans and Chits Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chandakkal Plantations Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 1932/Liq./3028/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chandakkal Plantations Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Janatha Employees Kuri Company Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2456/Liq./3047/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Janatha Employees Kuri Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kerala Auto and Industrials Private Limited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2346/Liq./3038/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kerala Auto and Industrials Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nileswar Aluminium Mines and Trades Limlited*

Ernakulam, the 21st March 1980

No. 2382/Liq./3034/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nileswar Aluminium Mines and Trades Limited, unless cause is shown to contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. AHAMED KUNJU
Company Prosecutor and *Ex-Officio*
Asst. Registrar of Companies, Kerala

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurnam Kaur W/o S. Karam Singh resident
of 6/5, Punjab Agricultural University Campus,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Shanti Sarup, 314,
Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/239/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1952 of July, 79 of the the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/270/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property (Area 233.1/3 sq. yds.) situated at Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sneh Lata W/o Shri Hari Chand R/o H. No. B-I-600/15, Sood Cottage, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Balmukand S/o Shri Ram Chand
2. Shri Jai Gopal,
3. Rajpal,
4. Bansi Lal S/o Sh. Balmukand, resident of House No. B-IV-2213, Daresi Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (3) S/Shri Phul Chand, Ram Lagan, Ram Munjir, Saeen, Santu, Pallan, Gulam, Piare Lal all residents of Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (Area 233.1/3 sq. yds.) situated at South Bank of Budhanala beyond Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2176 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Nanak Singh S/o Late Raja Gurdit Singh,
resident of Stadium Road, Patiala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. PTA/210/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 bighas situated at Kheri Gujran—Stadium Road, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Col. Girdhar Singh S/o S. Gobind Singh, Smt. Jasjit Kaur W/o Col. Girdhar Singh, Sh. Kishan Singh S/o Col. Girdhar Singh, Kumari Latika D/o Col. Girdhar Singh, all residents of Stadium Road, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2 bighas at Kheri Gujran—Stadium Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2735 of July, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Janak Raj S/o Sh. Gokal Chand of Dhariwal, Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Devki Nandan Saudhir S/o Sh. Durga Dass, R/o 2480, Sector 20C, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Sh. Gagdish Ram Khanna,
2. Sh. Harcharan Singh,
3. Sh. Amar Nath
r/o H.No. 1863, 22B, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/155/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1863, Sector 22B situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1863, Sector 22B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 906 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/156/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1633, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gurdev Singh Gill s/o Shri Prem Singh Gill, r/o near Ranbir College, Sangrur through General Attorney Mrs. Davinder Kaur w/o Sh. Gurbaksh Singh, r/o VPO. Gohalwar, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurbaksh Singh s/o Sh. Bhan Singh r/o VPO Gohalwar Distt. Amritsar through His power of Attorney Sh. Gurcharan Singh Giani s/o S. Khem Singh, H. No. 166-21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(3) Shri Mohinder Partap Rao, Automobile Engineer & Sh. Ajit Singh Sohal, r/o 1633, Sector 34-D, Chandigarh.
(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1633, Sector 34-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 904 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/138/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Both No. 20, Sector 22D, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sukh Lal S/o Shri Uttam Chand C/o M/s Uttam Di Hatti, Katra Safaid, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi W/o Sh. Parkash Chand Ahuja, 716, Sector 22A, Chandigarh.
(Transferee)

(3) Shri Parkash Chand Ahuja,
 Both No. 20, Sector 22D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Both No. 20, Sector 22D, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 790 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range,
 Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXCENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/249/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Gurnam Kaur W/o Shri Karam Singh, r/o 6/5, Punjab Agricultural University Campus, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Raman Kumar S/o Shri Shanti Sarup, 314, Chauri Sarak, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2051 of July, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/265/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in plot No. 28F (Area 339.28 sq. yds.) situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sawinder Kaur W/o Shri Joginder Singh R/o Sarabha Nagar, Ludhiana through Sardar Narinder Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o 40-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Smt. Pavitar Kaur W/o Shri Dalip Singh R/o H. No. 8-258, New Mohalla, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 28F (Area 339.28 sq. yds.) at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 2149 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—16GI/80

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/279/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2D (Area 734 sq. yds.) at Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Romesh Chander & Subhash Chander S/o Sh. Parkash Chand 79, I.A.A. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Jagjit Kaur W/o Sh. Gurdial Singh,
Smt. Rajinder Kaur W/o Shri Harjeet Singh,
Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Harbans Singh and
Smt. Narinder Kaur W/o Sh. Raminder Singh residents of 436, College Road, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2D(Area 734 sq. yds.) situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2261 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-3-80

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
AHMEDABAD

Ludhiana, the 27th February 1980

Ref. No. LDH/269/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property (Area 173.1/3 sq. yds.) situated at Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Vinod Kumar S/o Shri Hari Chand R/o H. No. B-I-600/15, Sood Cottage, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
Through Sh. Hari Chand s/o Sh. Jhandamal, General Attorney.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Sarla Devi W/o Shri Balmukand S/Shri Krishan Lal, Shespal & Pawan Kumar ss/o Shri Balmukand, R/o H. No. B-IV-2213, Daresi Road, Ludhiana.

(Transferee)

(3) S/Shri Tilak Raj, Ram Karan, Sarbha Dev, Jamuna, Behari & Ramesh, all residents of Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (Near South Bank of Budha Nala).
(Person in occupation of the property).

15

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (Areas 173.1/3 sq. yds) situated at south bank of Budhanala Beyond Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2175 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/254/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a house with plot of land measuring 1701.1/3 sq. yds. situated at V. Daba, Teh. Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s Burma Mechanical Works, 256, Indl. Area A, Ludhiana through partners S/Shri Jawant Singh, Paramjit Singh, Ravinder Singh, 256, Indl. Area-A, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s G. C. Jain Engg. Works, B-IV-774, Wait Ganj, Ludhiana, through S/Shri Ashwani Kumar, Arun Kumar, Rajinder Kumar & Subhash Chand, B-IV-774, Wait Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with a plot of land measuring 1701.1/3 sq. yds. situated at V. Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2101 of July, 1979 of the the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. KNN/50A/79-80PXL/5/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 20 Bighas 28 Biswas situated at Village Lasara Polewas, Teh. & Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Payal in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mukhtiar Kaur D/o Sh. Lal Singh S/o Sh. Wazir Singh, resident of V. Lasara Polewas, P.O. Nizampur, Subt. Tehsil Payal Distt. Ludhiana. (Transferor)

(2) S/Shri Buta Singh, Ranjit Singh S/o Shri Gurdyal Singh S/o. Wazir Singh, r/o V. Lasara Polewas, P.O. Nizampur, Sub Tehsil Payal, Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas 8 Biswas situated at V. Lasara Polewal, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 867 of July, 1979 of the Registering Authority, Payal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmal Handa W/o Sh. Kewal Krishan,
451, Model Town, Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. LDH/274/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 451, Model Town, Ludhiana (Municipal Committ: No. B-XVIII-627) situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No. 451, Model Town, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 2191 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Charan Dass, Sh. Ashok Kumar resident of House No. 60/Sector 21A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Janak Raj & Smt. Shila Devi, S.C.F. 60, Sector 30C, Chandigarh.
- (3) 1. M/s Mahajan Tent House,
2. Shri Janak Raj,
3. Smt. Sheela Devi, R/o S.C.F. 66, Sector 30C, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/147/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. No. 66, Sector 30C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITN5—

(1) S/Shri Sadhu Singh, Ajaib Singh,
Nichli Patti, Moriwala Darwaja,
Manimajra, U. T. Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/141/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 18 kanals 5 Marlas situated at Village Mani Majra, U.T. Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Ran Singh S/o Sh. Gopal Singh and Shri Gurdev Singh,
R/o Model Town, Mani Majra, U. T. Chandigarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 kanals 5 marlas situated at V. Mani Majra U.T. Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1067 of July 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/151/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 24 kanals 4 marlas situated at V. Mani Majra, U. T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Sewa Singh S/o Shri Joginder Singh, resident of Village Maji Majra, U. T. Chandigarh. (Transferor)
 - (2) 1. Shri Kuldip Singh Narang S/o Sh. Kishan Singh Narang,
2. Smt. Darshi Narang W/o Shri Kuldip Singh Narang,
3. Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
4. Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
5. Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Babbar, all r/o H. No. 33, Sector 5, Chandigarh.
6. Bawa Gurmit Singh S/o Bawa Nihal Singh,
7. Smt. Charanjit Kaur w/o Bawa Gurmit Singh,
8. Sh. Sarvpal Singh, s/o Bawa Gurmit Singh,
9. Sh. Anupal Singh s/o Bawa Gurmit Singh,
10. Sh. Sukhpal Singh S/o Bawa Gurmit Singh, all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanals 4 marlas situated at V. Mani Majra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 877 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—16GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL, REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. CHD/129/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3628, Sector 23D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bansi Lal Rawal S/o Shri Bidhi Chand C/o House No. 3628, Sector 23D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri G. D. Juneja S/o Shri Ram Chand (Deceased) resident of House No. 1729, Sector 23B, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri Harbans Lal,
Shri Suresh Kumar,
Shri Shanker Lal, Bajaj
Shri Avinash all residents of House No. 3..628,
Sector 23D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)
- (4) Secretary,
Pb Civil Secretariat
Chandigarh.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3629, Sector 23D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 747 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Kirpal Singh, Mukhtiar Singh S/o Shri Jhaba R/o Nihaluwala, Teh. Malerkotla,
(Transferor)

(2) Shri Jhujhar Singh S/o Shri Hazura Singh, R/o V. Mithewal, Teh. Malerkotla.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the, 15th March 1980

Ref. No. AMD/21/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 69 bighas 1 biswa situated at Mithewal, Teh. Malerkotla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedgarh, in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 60 bighas 1 biswa situated at V. Mithewal, Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1105 of July, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/154/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No. 3442, (Plot No. 46, Street No. 11) situated at Sector 27 D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hardayal Singh Kahlon,
s/o Shri Hardit Singh Kahlon,
r/o Mehar Singh Colony, Patiala
through his general attorney
Shri Gurchet Singh s/o Shri Sucha Singh,
r/o H. No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o
Shri Gurchet Singh,
r/o House No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh.

(Transferees)

(3) Shri Tara Chand & Shri Sucha Singh,
residents of H. No. 3442, Sector 27D,
Chandigarh.
Sh. Gurchet Singh r/o H. No. 3442-27D,
Chandigarh.
Sh. Chopra,
Sh. Piaru Singh,
Sh. Ajit Pal Singh,
Nurse (name not disclosed) all r/o
H. No. 3442-27D,
Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3442, Sector 27D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 905 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. CHD/163/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.C.O. No. 34, Sector 17E, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Tarsem Chand, Puwan Kumar & Abhey Kumar, Partners,
M/s Tarsem Chand & Bros.,
S.C.O. 34, 17F,
Chandigarh.

(Transferors)

(2) Smt. Karnail Kaur w/o Sh. Bhajan Singh,
Shri Inder Deep Singh Dhilon minor
through n/G & Father,
Sh. Bhajan Singh,
V. & P.O. Salempur, Teh. & Distt. Ropar.

(Transferees)

(3) 1. M/s Azad Hind Stores.
2. Education Department PS Govt.
(Director Public Instructions)
S.C.O. 34, Sector 17-E, Chandigarh.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. No. 34, Sector 17E, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 950 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. PTA/191/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Measuring 32 kanals situated at V. Tripuri, Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Patiala in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Sh. Waryam Singh, 30, Sector 2A, Chandigarh.
- (2) 1. Shri Banarsi Dass s/o Maku Ram of Bipur, 2. Prakash Chand s/o Sadhu Ram 3. Puran Chand s/o Sadhu Ram 4. Inder Sain s/o Sadhu Ram, r/o Kamalpur 5. Savitri Devi d/o Jetho Ram, r/o Patran 6. Lachhman Dass s/o Walaiti Ram, r/o Patran, 7. Ram Sarup s/o Basanta Mal, r/o Sangrur, 8. Gian Chand s/o Harbans Lal, r/o Patiala 9. Mithu Ram s/o Lilu Ram, r/o Patran. 10. Jamna Devi w/o Ram Dhari, r/o Patran. 11. Hans Raj s/o Ram Kishan, r/o Patran. 12. Sheela Devi w/o Jagdish Rai, r/o Jind. 13. Durga Devi d/o Sita Ram, r/o Kulbarcha, 14. Devi Dass s/o Ram Lal, r/o Patiala. 15. Bant Ram s/o Maleri Mal, r/o Patiala. 16. Prem Singh s/o Pritam Singh, r/o Main. 17. Puran Chand s/o Pyura Lal, r/o Patiala. 18. Vijay Kumar s/o Sh. Jagdish Lal, r/o Jind. c/o Sh. Puran Chand s/o Shri Pyara Lal, of M/s Pyara Lal & Sons, Property Dealer, near Tehsil Office, Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals, situated at Tripuri Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2449 of July of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Pran Devi w/o Shri Sohan Lal,
Resident of 75-A, Indl. Estate,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. IDII/223/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 282 (M.C. No. B-XVIII-3875/2P) situated at Model House, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Gurdev Kaur d/o Shri Kehar Singh, r/o H. No. 282, (B-18-3875/2P), Model House, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 282 (MC No. B-XVIII-3875/2P), situated at Model House, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1876 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Darshan Lal s/o Sh. Ujaggar Mal, and Smt. Satish Kumari w/o Shri Darshan Lal, r/o 52, Ahata Sher Jang, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kashmira Singh s/o Shri Sohan Singh, 641, Indl. Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. I.DH/227/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 789, Phase-II, Urban Estate Dhandari Kalan, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 789, Phase-II, Urban Estate Dhandari Kalan, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1904 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th March 1980

Ref. No. LDH/222/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XI-77(Old)/B-XII-722 (New)
situated at (Barf Wali Gali) Brown Road, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—16GI/80

(1) Shri Jaswinder Singh s/o
Shri Gopal Singh s/o Shri Nihal Chand,
r/o B-XI-27, Brown Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Dua s/o
Sh. Ram Narain Singh s/o Shri Nohri Ram,
r/o 244, Kalgidhar Road,
Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Ram Prakash, Tailor,
House No. B-XI-77, Brown Road,
Ludhiana.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as property within 45 days from the date of the publication shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XI-77(Old)/B-XII-722(new) Brown Road,
(The property as mentioned in the sale deed
No. 1872 of July, 1979 of the Registering Authority,
Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. KHR/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 184, Phase-I, situated at Mohali, Tehsil Kharar, Distt. Roop Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mohinder Kaur Sodhi w/o Sh. Amar Singh Sodhi, r/o House No. 541, Sector 16A, Chandigarh through Shrimati Pushpinder Kaur w/o Sh. S. S. Mongia, General Attorney. (Transferor)
- (2) Shri P. D. Goel s/o Shri Piare Lal Goel, r/o House 1618, Sector 35B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri P. C. Gupta, r/o House No. 184, Phase-I, Mohali, Distt. Roop Nagar. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 184, Phase-I, Mohali, Teh. Kharar, Distt.-Roop Nagar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2310 of July, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Darshan Lal s/o Sh. Ujaggar Mal & Smt. Satish Kumari, w/o Sh. Darshan Lal, r/o 52, Ahata Sher Jang, Ludhiana.

(Transferors)

(2) Shri Hira Singh s/o Sh. Sohan Singh, r/o 641, Industrial Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/250/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 789, Phase-II situated at Dhandari Kalan Urban Estate, Focal Point, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 789, Phase-II, Dhandari Kalan Urban Estate, Focal Point, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2052 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. CHD/149/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.C.O. No. 283, with Construction up to plinth level, situated at Sector 35D, Chandigarh

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Mohinder Singh s/o Harnam Singh Sidhu, r/o Garden Colony, Randhawa Road, Kharar, Distt. Ropar.
2. Sh. Balwant Singh Bandi s/o Sh. Jawand Singh Bandi, r/o House No. C-128, Sector 14, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Curjat Singh Bahia s/o S. Gurcharaa Singh Bahia, r/o V. & P.O. Meharaj, Distt. Bhatinda.
2. Mrs. Harbans Kaur w/o Sh. Chāranjit Singh Bahia, resident of village Mahara, Distt. Bhatinda.
3. Mrs. Babir Kaur Bandhawa W/o Shri Harbans Singh Randhawa, resident of H. No. 82, Sector 27A, Chandigarh.
r/o H. No. 82, Sector 27A, Chandigarh.
4. Smt. Ram Kaur w/o Shri Kapur Singh Randhawa, r/o V. & P.O. Burgran, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. site No. 283, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 51 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harcharan Singh s/o Sh. Wadha Singh,
s/o Sh. Chandi Ram,
r/o 81B, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Sh. Ayodhia Prasad,
s/o Sh. Babu Ram &
Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Ayodhia Prasad,
c/o M/s. Rana Silk Store,
Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/312/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ludhiana in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/3rd portion of shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds, situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2595 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagtar Singh s/o Shri Wadha Singh,
r/o 81-B, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raj Kumar Rana s/o
Sh. Ayodhya Parsad s/o Sh. Babu Ram, and
Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Ayodhya Parsad,
c/o M/s Rana Silk Stores,
Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/281/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds.
situated at Chaura Bazar, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

1/3rd portion of a shop constructed over a plot of land measuring 43.1/3 sq. yds situated at Ludhiana Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2271 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
**ACQUISITION RANGE,
 CENTRAL REVENUE BUILDING,
 LUDHIANA**

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/242/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-X-708, situated at Iqbal Ganj Road, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Lajwanti wd/o Sh. Lachhman Dass, s/o Sh. Bhagwan Dass, S/Shri Bal Kishan, Om Parkash & Kishan Dev, S/o Sh. Lachhman Dass, B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana and Smt. Sudhrshan Bedi, Smt. Pushap Lata, Smt. Veena Sharma, Smt. Indra Kaushik, Smt. Sushil Sharma, Sh. Ashok Kumar Sharma, Shri Baldev Kumar and Smt. Manju Sharma, through their general attorney, Smt. Lajwanti wd/o Sh. Lachhman Dass, B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana.
- (Transferor)
- (2) S/Shri Vijay Kumar, Kewal Krishan, S/o Sh. Budh Ram, r/o Saban Bazar, Ludhiana.
- (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. B-X-708, Iqbal Ganj Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1979 of July, 1979 of Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th March 1980

Ref. No. LDH/271/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XV-412/B,
situated at Mohalla Hari Kishan Pura, Gill Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Dhanwant Singh, Manjit Singh, Baldev Singh, Sukhwant Singh, through Sh. Kundan Singh s/o Sh. Harnam Singh, r/o B-XV-412, Harikishanpura, Gill Road, Ludhiana through Sh. Kundan Singh, General Attorney.
(Transferors)

(2) Shri Arvind Dua minor through Sh. Sham Sarup Dua, s/o Shri Bahadur Chand, c/o M/s General Manufacturing Corpn. Gill Road, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. BXV-412/B, Harikishanpura, Gill Road, Ludhiana).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2179 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1980

Ref No. CHD/158/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in plot No. 3, Street C, situated at Sector 19A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—16GI/80

- (1) Shri Manmohan Mittal, Desh Bhushan Mittal, ss/o Laxmi Narain Mittal and Smt. Vishnoo Devi & Smt. Kusum Garg, through Sh. Desh Bhushan Mittal, r/o 162/6, Bazar 7, Perozepur Cantt. (Transferors)
- (2) Smt. Savitri Devi w/o Sh. Ram Kanwar and Sh. Sushil Bhasin s/o Sh. Rajinder Kumar, through Shri Rajinder Kumar, r/o House No. 126, Sector 16A, Chandigarh. (Transferees)
- (3) Shri Shri Pal Jain,
Plot No. 3, 19-A,
Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 3, Street C, Sector 19A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 911 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th March 1980

Ref. No. CHD/134/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Shop-cum-Flat No. 3, situated at Sector 18D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ujagger Singh Sandhu s/o Shri Kehar Singh, r/o House No. 513, Sector 18B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Om Floor Mills, through partners S/Shri Om Parkash s/o Sh. Mohri Ram and Sikander Lal Saluja s/o Sh. Ganpat Rai, r/o SCF No. 3, Sector 18D, Chandigarh.

(Transferees)

(3) 1. M/s Oberoi Laminate House,
2. M/s Om Floor Mills,
3. Shri Jaswant Singh,
4. Shri Bhag Singh,
5. Shri Manjit Singh Dhinsa,
6. Shri Telu Ram,
7. Shri Faqir Singh,
8. Shri Beli Ram, and
9. M/s Singapore Cane & Bamboo Handicrafts, all r/o S.C.F. 3, Sector 18D, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

(4) Sh. Mukhtiar Singh,
S.C.F. No. 3-18-D,
Chandigarh.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Shop-cum-Flat No. 3, Sector 18-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed No. 775 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Sant Lal,
r/o Mohalla Misran,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Vipan Kumar s/o Shri Harbans Lal,
r/o Bagh Nauhari Mal Jain,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/433/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in House No. B-I-440
situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Ludhiana in October, 1979
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B-I-440, Bindraban Road,
Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed
No. 3460 of 10/79 of the Registering Authority,
Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bal Krishan s/o Sh Sant Lal,
1/o Mohalla Misran,
Ludhiana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref No: 1 DH/327/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

1/4th share in House No B-I-440
Situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in August, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4th share in House No B I 440 Bindraban Road Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 2248 of 1st August, 1979 of the Registering Authority Ludhiana)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Sant Lal,
r/o Mohalla Misran,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Rani w/o Shri Sohan Lal,
r/o Bagh Nauharian Mal Jain,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. 1 DH/235/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in House No. B-I-440 situated at Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B-I-440, Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1942 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 7-3-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/256/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds.
situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandi Shah s/o Shri Sona Shah,
s/o Sh. Mathra Dass,
r/o B-4-162, Mahian Street,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal s/o Shri Ram Lal,
s/o Sh. Ram Saran Dass,
r/o House No. B-J-809/8, Prem Nagar,
Civil Lines, Bindra Ban Road,
Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2104 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/255/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Chandi Shah s/o Shri Sona Shah, s/o Sh. Mathra Dass, r/o B. I. 162, Gali Mahian, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Yash Pal s/o Shri Ram Lal, s/o Sh. Ram Saran Dass, r/o B-I-809/8, Prem Nagar, Bindra Ban Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 590 4/9 sq. yds. situated at Upkar Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2103 of July, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/283/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 113, Model House (Municipal No. B-XVIII-3906) situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Kesar Singh,
c/o Ajit Singh & Sons,
Gill Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sunder Mohan Singh,
Tejinder Mohan Singh, S/o
Shri Saran Singh s/o Shri Santokh Singh
c/o M/s Neelam Cycle Industries,
Gill Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 113, Model House, Ludhiana (Municipal No. B-XVIII-3906).

(The property as mentioned in the sale deed No. 2286 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. DBS/43/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 15 kanals 10 marlas situated at Village Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Bal Krishan, Khial Krishan, S/o Smt. Karsangi d/o Shri Munshi Ram, r/o Bhawat, Tehsil Kharar.

(Transferor)

(2) 1. Shri P. K. Nanda, 16, Belvedare Road, Calcutta-27.

2. Shri Hira Lal Sibal, Advocate, 29, Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanals 10 marlas, situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 644 of August, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—16GI/80

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. CHD/162/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1145, Sector 33-C,
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sq. Leader S. N. Dutta through his general attorney
Shri Kanwaljit Singh Bhinder,
No. 2, Sheetal Apartments,
Juhu, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Bhandula, r/o
2319/Sector 22C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1145, Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 939 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jodh Singh s/o Shri Kartar Singh,
Shri Kartar Singh s/o Shri Ganga Singh,
r/o V. Dhandra, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Mehar Singh, Kehar Singh
S/o Hira Singh,
r/o V. Phulanwal,
Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/R/117/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land measuring 5-9-4 Bighas,

situated at Village Dhandra, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5-9-4 Bighas, situated at V. Dhandra, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3241 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gurnam Singh S/o Shri Kishan Singh resident of Sudhar, Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuljit Singh s/o Sh. Hazoora Singh, resident of 43-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. LDH/236/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15-K, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15-K, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1949 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-3-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. RAJ/109/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 Bighas 4 Biswas situated at Village Seel, Tehsil Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Molu Resident of V. Seel, Teh. Rajpura.
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh S/o Shri Gokal Singh S/o Bagga Singh, Resident of Village Seel, Tehsil Rajpura.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas 4 Biswas situated at Village Seel Teh. Rajpura (The property as mentioned in the sale deed No. 1737 of July, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Wing Cdr. Tarlochan Singh Mehta S/o Shri Sant Singh Mehta, R/o 176, Mukarjee Park, New Delhi through his general attorney Sh. Bakshish Singh S/o Sh. Hazara Singh, R/o House No. 1666, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Amarjeet Singh S/o Shri Bakshish Singh R/o H. No. 1666, Sector 34-D, Chandigarh.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. CHD/160/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1619, Sector 56 D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1619, Sector 36D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 922 of July, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Malkiat Singh S/o Sh. Partap Singh & Harjit Kaur D/o Sh. Gurbachan Singh R/o Lodhipur, Tehsil Anandpur Sahib.

(Transferor)

(2) Shri Kehar Singh S/o Shri Jiwa Singh S/o Sh. Lehna Singh, V. Daroli, Teh. Anandpur Sahib.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. APS/3/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 140 Kanals 14 Marlas situated at V. Lodhipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anandpur Sahib in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 148 Kanals 14 Marlas situated at V. Lodhipur. (The property as mentioned in the sale deed No. 591 of July, 1979 of the Registering Authority, Anandpur Sahib)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sadha Ram S/o Shri Basanta Mal, V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Vijay Sharma S/o Sh. Shadi Singh,
2. Smt. Bimla Devi W/o Shri Krishan Kumar &
3. Smt. Sudershana Rani W/o Sh. Ghansham,
Residents of Mandi Gobindgarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. AML/99/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1½ bighas situated at Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1½ bighas at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1155 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Amloh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, In pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurmail Kaur Wd/o Shri Bachan Singh,
R/o Nasrali, S. Tehsil Amloh.
(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal S/o Shri Mohan Lal R/o V.
Nasrali, Mandi Gobindgarh, S. Tehsil Amloh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. AML/86/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring one bigha situated at Village Nasrali, S. Tehsil Amloh and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land measuring one bigha situated at V. Nasrali. (The property as mentioned in sale deed No. 1010 of August, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—16GI/80

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref No. CHD/152/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1519, Sector 36 D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shavinder Khosla S/o Sh. Ralla Singh, resident of House No. 38, Raja Park, Ambala Cantt. (Transferor)

(2) Shri Ram Lal Sharma S/o Shri Shanti Sarup, Sub-Divisional Magistrate, Eharar, Distt. Ropar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1519 Sector 36-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 902 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th March 1980

Ref. No. SML/44/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential plot of land measuring 277 sq. yds. 2 sq. ft situated at Station Ward, Burra Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Simla in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Jagdashi Chander Dutt, S/o Shri Brij Lal, R/o Mohalla Jansal, Chamba,
Distt. Chamba (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Dibya Sharma W/o Shri Som Dutt Sharma,
653, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereinbelow are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 277 sq. yds. 2 sq. ft situated at Station Ward, Burra Simla, Simla (The property as mentioned in the sale deed No. 613 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Simla).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/206/79-80.—Whereas I, SUKHDEV

CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 179, Sector 33A
situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigarh, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Kulbir Singh Khurana S/o Col. Mehtab Singh, resident of D-11, Jangpura Colony, New Delhi-110014.

(Transferor)

(2) Shri Rupinder Singh Sidhu S/o Sh. Bhajan Singh Sidhu, Mrs. Randhir Sidhu W/o Sh. Rupinder Singh Sidhu, C/o Dr. Kartar Singh, H. No. 505/11B, Chandigarh.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 179, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/150/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 242, Sector 32 A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh, in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Lov Sarup Dhir S/o Sh. Late Kali Dass Dhir, Premier Agency, Booth No. 13, Sector 18D, Chandigarh through his general power of attorney Smt. Krishna Rani wife of Sh. Lajpat Rai C/o M/s Madan Lal Shiv Kumar, Rai Singh Nagar (Rajasthan)

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Khushi Ram, Shri Durga Dass S/o Sh. Chhaju Ram C/o Goyal Karyana Store, Rai Singh Nagar (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 242, Sector 32A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 872 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jagir Singh S/o Shri Heera Singh, V. Dhakoli, Sub-tehsil Dera Bassi, Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Narain Singh S/o Sh. Uttam Singh & Shri Sardar Singh S/o Sh. Atma Ram, Village Dhakoli, Teh. Rajpura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref No. DBS/40/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 13 bighas 11 biswas situated at Village Dhakoli Tehsil Rajpura, Distt. Patiala, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 11 biswas at V. Dhakoli, Teh. Rajpura, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 612 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Heera Singh,
Village Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Narain Singh S/o Shri Uttam Singh and
Sardara Singh S/o Shri Atma Ram,
R/o V. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/45/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1 and measuring 10 bighas 7 biswas situated at Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 7 biswas situated at V. Dhakoli, S. Tch. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 622 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/44/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Land measuring 10 bighas 7 biswas
situated at Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dera Bassi in July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Heera Singh,
Village Dhakuli, S. Tehsil Dera Bassi,
Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh S/o Shri Uttam Singh and
Sardar Singh S/o Shri Atma Ram,
Vill. Dhakoli, S. Tehsil Dera Bassi,
Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 7 biswas situated at V. Dhakoli,
S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No.
632 of July, 1979 of the Registering Authority, Dera
Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subhash Chand, S/o Shri Chhaju Ram,
R/o Gur Mandi, Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Kishori Lal Tarsem Chand,
New Anaj Mandi, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. PTA/227/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Booth No. 11, New Anaj Mandi,
situated at Sirhind Road, Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—16GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Booth No. 11, New Anaj Mandi, Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2911 of July, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Daljit Kaur Wd/o Shri Mehar Singh,
Amar Villa, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Ajai Singh S/o Shri Amrik Singh and
Shri Harpal Singh S/o Shri Mana Singh,
Twakli Mora, Bhidra House, Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PTA/244/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 2 kanals 17 marlas situated at Tripuri Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals 16 marlas at Tripuri Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2841 of July, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Thakur Singh,
Resident of Nasrauli, S. Tehsil Amloh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AML/88/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 1 bigha 15 biswas situated at Village Nasrauli S. Tehsil Amloh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Amloh in August, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 15 biswas situated at Village Nasrauli, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1029 of August, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/144/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 193, Sector 33-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Avtar Singh Wadhawan S/o Shri Ram Singh Wadhawan, resident of C-4/8, Rajinder Nagar, New Delhi through his General Attorney Sh. Nanak Chand S/o Sh. Mehtab Rai r/o Vill & P.O. Kera Khera, Teh Fazilka, Distt Ferozepur.

(Transferor)

(2) S/Shri Birbal & Moti Lal sons of Shri Nanak Chand, resident of Village & Post Office Kera-Khera, Tehsil Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 193, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 808 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Rukmani W/o Shri Jeon Singh R/o V. Fatehpur, S. Tehsil Dera Bassi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Bhajan Singh, Mohan Singh, Sohan Singh Ss/o Shri Ftteh Singh, R/o vill. Mir Pur Jatten, Tch Nawa Sher.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. DBS/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 40 bighas 3 biswas situated at V. Fatehpur, S. Tehsil Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 40 bighas 3 biswas, situated at V. Fatehpur, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 732 of September, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14 Mar 1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Rf. No. CHD/131/79-80.—Where I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Show Room Site No. 42, Section 26, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tek Chand Aggarwal S/o Shri Banarsi Dass, Sh. Suresh Kumar S/o Shri Tek Chand & Shri Kapur Chand Aggarwal S/o Shri Banarsi Dass through attorney Sh. Suresh Kumar S/o Shri Tek Chand Aggarwal, 151, Grain Market, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Pawittar Singh Walia S/o Dr. Niranjan Singh, (ii) Smt. Harjot Kaur W/o Sh. Pawittar Singh, Shri Rupinder Vir Singh S/o Shri Pawitter Singh Walia, Miss Gurinder Vir Kaur D/o Shri Pawittar Singh Walia resident of old Gadda Khanna Patiala and Mrs. Kanwaljit Kaur W/o Shri Jatinder Singh Ahluwalia of M.I. Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room Site No. 42, Sector 26, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 770 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/137/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Residential Plot No. 1205, Sector 34C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Captain Devinder Katyal S/o Shri S. B. Katyal resident of Dehradun through his general power of attorney Shri Badri Nath S/o Shri Des Raj resident of House No. 3141, Sector 21-D, Chandigarh (at present B-21, C&I. O. Colony Section 30-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Rani wife of Shri Badri Nath resident of B-21, C.S.I.O. Colony, Sector 30, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Gurdial Singh R/o 1205 Sector 34-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1205, Sector 34C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 786 of July, 1979 of the registering authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/135/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential plot No. 2105, Sector 35-C,
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Lieut. Col. Ajmer Singh Gill S/o Shri Balwant Singh Gill resident of 31, Purvi Marg, New Delhi through Shri Prithipal Singh S/o Sh. Harbhajan Singh R/o House No. 3425, Section 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kanwal Mohan Singh S/o Shri Harbhajan Singh resident of House No. 2268, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. 2015, Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 779 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 Mar 1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/123/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3877, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Saran S/o Shri Jagan Nath resident of 162, New Jawahar Nagar, Jullundur City through his general attorney, Sh. Rajinder Kumar S/o Sh. Pindl Dass, resident of House No. 126, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Shri Ravindra Kumar Seekri S/o Sh. Satya Parkash Seekri, resident of House No. 3102, Sector 20D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3877, Sector 32D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 687 of July, 1979 of the registering authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

27—16GI/80

Date : 14 March 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Shamsher Singh S/o Thakur Singh, resident of J-8/8, Gobind Colony, Rajpura.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Saran Mehandiratta S/o Sh. Gopal Dass, Resident of D-325, Krishna Gate, Near Shamshad Manzil, Karnal (Haryana).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. RAJ/113/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House Constructed on Plot No. J-8/9 situated at Gobind Colony, Rajpura Township, Rajpura (and more fully described in the Echeluded annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential House constructed over Plot No. J/8/9, Gobind Colony, Rajpura Township, Rajpura. (The property as mentioned in the sale deed No. 2069 of August, 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14 March 1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Amrit Banaspati Co. Ltd. Rajpura through its attorney Commercial Manager
Shri Jagesh Kumar Khaitan
S/o Shri Tulsi Parsad Khaitan,
R/o H. No. 60/8A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Anrit Kaur W/o Shri Gurcharan Singh,
Cap. Rajdeep Singh Jaiya, Cap. Charandeep Singh,
Cap. Amardeep Singh S/o Shri Gurcharan Singh,
All resident of House No. 35, Sector 9-A,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/139/79-80.—Whereas, I, SUKDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 35, Sector 9A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 35, Sector 9-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 795 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Karam Singh S/o Lt. Shadi Singh
Resident of House No. 1664, Sector 22-B,
Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Kishan Trivedi
S/o Shri Salig Ram
Through Spl. Attorney Shri Jasbir Singh
Resident of House o. 1664, Sector 22D,
Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/148/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Residential plot No. 3498, Sector 35D,
situated at Chandigarh
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in July, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Residential plot No. 3498, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No.
839 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narain Dass S/o Shri Tahal Dass,
Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Corpal Steel Corporation,
Gobindgarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. SRD/120/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lund measuring 4 bigha situated at Village Ajnali Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas at Village Ajnali, Teh. Sirhind.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1797 of July, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Anil Kumar, Satinder Kumar
S/o Shri Lajpat Rai,
R/o Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. SRD/115/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land and Building (Petrol Pump) situated at V. Roorkee, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) S/Shri Rai Singh, Gurdial Singh
S/o Shri Chattar Singh,
Baljinder Singh s/o Sucha Singh,
Raghbir Singh, Jit Singh, Balwinder Singh
S/o Shri Jum Singh,
R/o V. Nalina Kalan, Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

THE -SCHEDULE

Land and Building (Petrol Pump) situated at V. Roorkee, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1672 of July, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. CHD/171/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 1596, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Air Vice Marshal Jaspal Singh
S/o Shri Prithpal Singh
C/o Sardar Shirman Singh
Resident of House No. 44, Sector 9-A, Chandigarh
Through his general power of attorney
Sardar Harbhajan Singh S/o Shri Sujan Singh
R/o House No. 1180, Sector 8-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Raghbir Singh S/o Shri Basant Singh,
Resident of House No. 1596, Sector 34-D,
Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri Raghbir Singh,
H. No. 1596, 34-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE -SCHEDULE

Residential Plot No. 1596, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 994 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Inder Dev S/o Shri Girdhari Lal,
Mohalla Dhandian, Daresi Road, Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s Saggar Machine Tools (Pvt.) Ltd. Ludhiana
through Shri Amarjit Singh S/o Shri Atma Singh,
411, Indl. Area-A, Ludhiana.
(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. LDH/225/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share Factory Unit No. 418, property No. B-XXIII-526/3B situated at Industrial Area of Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Factory Unit No. 418, Property No. B-XXIII-526/3B Indl. Area-A, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1893 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Jagir Singh S/o Sh. Molu S/o Sh. Chhotu Resident of V. Seel, Tehsil Rajpura.
(Transferee)
- (2) S Shri Mangat Singh, Arjan Singh, Lajja Singh, Sarup Singh, Jagrup Singh, Kesar Singh, Surjan Singh S/o Sh. Saun Singh, S/o Sh. Harnam Singh, Residents of V. Seel, Teh. Rajpura.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. RAJ/97/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Land measuring 25 bighas 17 biswas situated at V. Seel, Tehsil Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 17 biswas, situated at V. Seel, Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1736 of July, 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—16GI/80

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Atjan Singh S/o Sh. Desa Singh,
r/o B-10-850, Ahata Mohamad Tiar,
Ludhiana.

(Transferee)

(2) Shri Panj Parkash S/o Shri Jiwa Ram,
P/o B-II-77, Brown Road, Ludhiana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. IDH/260/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 186-2/3 sq. yds.
situated at Brown Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 186.2/3 sq. yds situated at Brown Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2120 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar S/o Shri Prabh Dayal Karyana
Merchant resident of Village Bilga, Distt. Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nachhatar Kaur W/o Sh. Malkiat Singh, S/o Sh. Jaginder Singh, resident of Gali No. 1, New Janta Nagar, Gill Road, Ludhiana,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th March 1980

Ref. No. LDH/266-79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House—area 200 sq. yds. situated at Gill No. 1, New Janta Nagar, Gill Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property (area 200 sq. yds.) situated at Gill No. 1, New Janta Nagar, Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2152 of July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14th March 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dewan Chand S/o Sh. Karam Chand, Jain Negari, Abohar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 26th February 1980

Ref. No. A.P.No. 2060.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at House, Gali No. 15 Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Parmeshwari Devi W/o Sh. Kundan Lal
2. Smt. Lajwanti W/o Sh. Jai Lal
3. Sh. Jai Lal S/o Kundan Lal Gali No. 15, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1044 of 11-7-1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2061.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Chak Alla Bax Teh Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mukerian on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal S/o Sh. Raghu Nath of Mill. Majari Teh. Kharar Distt. Ropar Muktiaram Dhintander Kumar alias Stainder Kumar S/o and Smt. Vidyavanti Wd/o Sh. Besheshar Nath of Vill. Khanna Distt. Ludhiana at present Vill. Majari Teh. Kharar Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Singh-Chanan Singh-Iqubal Singh S/o Sh. Partap Singh, Jagjit Singh S/o Balwant Singh Vill. Devi Dass of Mukerian Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 977 of July, 1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2062.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Chak Alla Bax H. B. 236 Teh. Dasuya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mukerian on 21-9-1979

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sarasti Devi W/o Sh. Jagan Nath S/o Sh. Kanshi Ram of Vill. Chak Alla Bax No. H.B. 236 Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) Shrimati Ram Pari W/o Sh. Gurbachan Ram Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Rajinder Pal—Smt. Chander Bala W/o Sh. Ajay Kumar S/o Sh. Rajinder Pal, Sh. Ajay Kumar Sh. Benay Kumar Sh. Raman Kumar S/o Sh. Rajinder Pal S/o Sh. Madho Ram of Vill. Mukerian, Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur Through Sh. Ajay Kumar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1293 dated 21-9-1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No. A.P. No. 2063.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule Vill. Chak Alla Box No. HB 236 Teh. Dasuya (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal Gotam S/o Raghu Nath S/o Sh. Kewal Dass of Vill. Maji, Teh. Kherar, Distt. Roper Mukhtari-am of Satinder Kumar-Shiv Kumar S/o and Smt. Vidya Wati Wd/o Sh. Bachhar Nath S/o Sh. Kanshi Ram of Vill. Khura Distt. Ludhiana at Present Vill. Maji, Teh. Kherar, Distt. Roper.

(Transferor)

(2) Shri Gujbachan Singh S/o Sh. Harnam Singh S/o Sh. Roor Singh of Vill. Mukerian, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale-deed No. 1389 of 30-10-1979 of the Registering Authority, Mukerian.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 27-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th February 1980

Ref. No A.P. No. 2064.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Malak Pur, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Durga Dass S/o Bhola Ram R/o Malak Pur Teh. Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Gainda Ram S/o Chhaju Ram SS/S Hans Raj Nirmal Singh SS/o Sh. Gainda Ram R/o Vill. Malak Pur. Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 740 of 9-7-1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 27-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Guru Nanak Ice Factory, Hanuman Garh Road,
Abohar.

(Transferor)

(2) Ravi Kant Setia S/o Shri Parma Nand Setia R/o
Vill. Patti Bila Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2065.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ajimgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on 25-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1189 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19-16GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2066.—whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Ajimgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration** and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Guru Nanak Ice Factory, Hanuman Garh Road, Abohar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Suman Setia W/o Shri Ravi Kant Setia R/o Vill. Patti Bila Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1216 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2068.—whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Shop No. 17 at Railway Road, Jullundur, .. (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) M/s G. W. Baker and Company Railway Road, Jullundur Through Katam Singh Kirti and Manjit Singh Smt. Surinder Kaur Gursharan Singh (Partners) Railway Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal Singh Toor S/o Shri Inder Singh Toor, 171-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) M/s Sippy Films Jullundur and Guru Nanak Enterprises, Jullundur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2922 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 10th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2069.—Whereas I, **B. S. DEHIYA**, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Shop No. 17 Railway Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s G.W. Baker and Company, Railway Road, Jullundur Through Karam Singh Kirti and Manjit Singh Smt. Surinder Kaur Gursharan Singh (Partners) Railway Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Balwant Kaur Wd/o Inder Singh 171-L Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) M/s Sippy Films Jullundur and Guru Nanak Enterprises, Jullundur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2963 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 13th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2070.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Industrial Area, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Oct 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Firm Superm Steel Arts, Mouli through Balbir Singh S/o Mela Singh Manjit Singh S/o Shri Anoop Singh, Yoginder Kaur W/o Ujjagar Singh R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) M/s Firm Jagdev Tractors G.T. Road, Phagwara.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
—
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1338 of October 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-3-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 13th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2071.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Industrial Area, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Firm Superem Steel Arts, Mouli through Balbir Singh S/o Shri Mela Singh, Manjit Singh S/o Shri Anoop Singh, Yoginder Kaur W/o Ujjagar Singh R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) M/s Firm Jagdev Industries, G.T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 765 of July 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Asha Rani W/o Shri Pran Nath Dhawan
S/o Shri Sita Ram, Kothi No. 188, New Jawahar
Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Tarsem Lal, Ashwani Kumar, Shiv Kumar,
Vinay Kumar S/o Shri Janak Raj S/o Shri Amar
Nath, 411, Adarsh Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2072.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. As per Schedule situated at H. No. B-IV, 889, 891 Bazar,
Kalan, Kucha Khadar Kali Jullundur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on 31-7-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed no. 3242 of 11-7-1979 of the Registering Authority,
Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date): 17-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269-D of the said Act to the following persons,
namely :—

FORM ITNS

(1) Shrimati Raj Rani Wd/o Shri Roshan Lal R/o NK/ 245, Charanjit Pura, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal and his brothers and Sons S/o Shri Babu Ram, Nila Mahel, NH, 393, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2073.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at H. No. N.H. 1 Nila Mahel, opposite Balmiki Gate Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 9-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3155 of 9-7-1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harbans Singh S/o Dula Singh R/o Mohalla Satnam Pura H. No. B XL VI/194 Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi W/o Om Prakash Mehan R/o Jandiala, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2074.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House in Moh. Satnam Pura (Phagwara) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 6-7-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(t) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 727 dated 6-7-1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—16GI/80

Date : 17-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pradeep S/o Madan Lal Partner of M/s Sangha Cold Store, 202-R, Model Town, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Isher Singh S/o Piara Singh R/o Badshah Pur, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. A.P. No. 2075.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Badshah Pur (Jullundur), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3348 of July 1979 of the Registering Authority—Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harish Seth S/o Prakash Chand,
Partner of Sanja Cold Store, 326-New Jawahar
Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Isher Singh s/o Piara Singh,
R/o Badshah Pur, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1980

Ref. No. AP 2076.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Badshah Pur (Jull) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3349 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th March 1980

Ref. No. AP. No. 2077.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House in Nai Abadi Santosh Pura Chuck Hussain Lamma Pind Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shrimati Ajaib Kaur wd/o Shri Raghbir Singh, R/o Village Litran, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Shadi Ram s/o Shri Babu Ram, R/o Village Litran Teh. Nakodar Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3351 of July 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18.3.1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jaspal Singh s/o Shri Jit Singh,
R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Gulshan Kaur w/o Shri Mohan Singh and
Shri Paramjit Singh s/o Shri S. Mohan Singh,
R/o Subash Park, Agra.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as listed in the
report of the V.O. if any.
(Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any other person (s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested
in the property).

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are
as defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One kothi No. 17, situated in Basant Avenue Amritsar as
mentioned in the sale deed No. 1043/I dated 4-7-79 of the
registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maan Singh Gulathi s/o Shri Harnam Singh Gulati, R/o Sharifpura Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/353.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Plot of land with small structure in Garden Colony ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR, Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) S/Shri
 - (1) Krishan Lal s/o Shri Dhian Chand,
 - (2) Smt. Sharda Arora w/o Shri Krishan Lal,
 - (3) Smt. Puran Devi w/o Shri Dhian Chand, R/o Duni Chand Road, Garden Colony, Amritsar.
- (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person (s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land with small structure measuring 358 sq. mtrs. situated in Garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1175/I dated 18-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Bimla Menon d/o Shri Indrajit Menon,
R/o 34-A Daya Nand Nagar, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Sita Ram Jain,
Suptd. Engineer,
R/o P.W.D., Batala Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any.
(Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any other person (s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Shastri Nagar (No. 312) as mentioned in the sale deed No. 1018, 3, Chanderpuri tylor Road, Amritsar, dated 2-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/356.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Shops in Majith Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banwari Lal Aggarwal s/o Shri Lala Firya Shah, R/o Loha Mandi, Amritsar, C/o Uttam Chand Salig Ram.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Batra w/o Shri Vajir Chand, R/o 267 Basant Avenue Amritsar and Smt. Mina Rani w/o Shri Kishore Chand, R/o Bazar Dal Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) listed in the valuation report if any.
(Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any other person (s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops No. 2490-91 situated in Majith Mandi, Amritsar as mentioned the sale deed No. 1140/1 dated 13-7-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Rd, Amritsar.

Date : 10 3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/356.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated Katra Karam Singh ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Devki Devi w/o Shori Lal
 r/o Bazar Bikenerina, Amritsar.
 Smt. Ram Piari w/o Daulat Ram
 r/o Bagh Rama Nand Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Tirlok Chand s/o Balmukana
 r/o Akali Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop & House No. 2224 & 2258, situated at Ktr. Karam Singh, Kucha Lahori Bazar Chumiran Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1035 dated 5-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Amritsar
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 31—16GI/80

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/357.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Gali Tiwarian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ramji Dass r/o Gali Tiwarian, Amritsar, H. No. 219/11-2.

(Transferor)

(2) Sh. Chaman Lal s/o Sh. Lal Chand, Reshma Rani w/o Sh. Chaman Lal r/o Haveli Arur Singh, Telephone Exchange, Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf all tenants listed in the valuation report if any [Person(s)] in occupation of the Property

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 219/11-2 situated in Gali Tiwarian, (Old construction) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1045/1 dated 4/7/79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 10-3-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amar Nath s/o Chunji Lal
t/o Katra Ahluwalia Amritsar Purani Market.
(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh Chawla Hukishan Singh Chawla
s/o Sh. Sham Singh Chawla
t/o Dhab Basti Ram, Lakkar mandi,
Amritsar.
(Transferee)

(3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR 79/80/358.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated in State Bank Colony ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 2 plot khasra No. 1812/652 situated in State Bank Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1107 dated 11-7-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/359.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

One property situated in State Bank Colony
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in July 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Babu Lal s/o Murli Dhar
r/o Katra Ahluwalia, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Harbans Singh Chawla Harkishan Singh
Chawla, ss/o Sh. Sham Singh Chawla,
1/o Lakkar Mandi, Dhab Vasti Ram,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 plot Khasra No. 1812/652 situated in State Bank
Bank Colony, Asr. (measuring 289 sq. mtrs., as mentioned in
the sale deed No. 1106/1 dated 11-7-79 of the registering
authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tydar Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Gurdip Singh s/o Tura Singh
1/o H. No. 1989 Tahsil Pura Gali No. 3,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhbir Singh s/o Sarabjit Singh
r/o Vain Puin Distt.
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at st. No. 2 overleaf and tenants if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. ASR/79-80/360.—Whereas I, M. L. MAHAJAN,
IRS,
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot situated in Shastri Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in July 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

One plot No. 333 situated in scheme No. 62 Shastri Nagar
(area 225 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 1016/
I dated 2-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM I(TNS)

(1) Sh. Gurdip Singh s/o Tara Singh Gai No. 3,
Tehsil Pura, Amritsar.

(Transferee)

(2) Sh. Baldev Singh s/o Amrik Singh village Sain Puri
Amritsar Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and (enant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/361.—Whereas I, M. L. MAHAJAN,
IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated in Shastri Nagar, ASR
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in July 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. 333 measuring 225 sq. mtr. situated in
schemes No. 62 Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the
sale deed No. 1017/I dated 2-7-79 of the registering authority
Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR. 79-80/362.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated in Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Sh. Vaishno Dass s/o Sh. Kesho Ram, r/o Bazar Majith Mandi, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Preet Kunwal Singh s/o S. Mohan Singh, r/o 29 Green Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overlords and tenants listed in the valuation report if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kathi No. 29 (old construction) situated in Green Avenue, as mentioned the sale deed No. 1174-I dated 18-7-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/363.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated in Ktr. Garba Singh, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Dalip Singh s/o Gajjan Singh
r/o 439-East of Mohan Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Duni Chand s/o Chandu Ram
r/o Bazar Kathiawala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 419/ and 432/7 & 399/7 situated in Katra Garba Singh, Gali Deviwali, Kucha Nimwala, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1214/I dated 20-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1980

Ref. No ASR/79-80, 364.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated in Bazar Tellian, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—16GI/80

- (1) Smt. Kishan Kaur w/o Jagat Singh,
Puran Singh s/o Budh Singh,
Pritam Singh s/o Budh Singh,
Kartar Singh s/o Jagat Singh,
Pasho w/o Inder Singh,
Smt. Guru w/o Appar Singh,
Smt. Dalbir Kaur w/o Natha Singh,
Najit Kaur w/o S. Makhan Singh r/o Vill. Lukan,
Teh. Tarn Taran.
- (Transferor)
- (2) Sh. Om Parkash s/o Sh. Channi Ram
r/o Bugh Rama Nand, Amritsar.
 - (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report if any
[Person(s) in occupation of the Property]
 - (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2653-54-55 with three and half storied structure situated in Bazar Chowk Tellian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1040/I dated 4-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road Amritsar

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/365—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops in Bazar Kessarian, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Rajinder Kumar Jain s/o Sh. Tila Bhand Jain r/o 33, Vir Nagar Delhi self and Bahasiat Mukhtar Aam Min Janab Smt. Tarlok Sundri, Ashok Kumar Jain, Sh. Rakesh Jain, Smt. Sudershan Jain, Neelam Jain & Smt. Neelam Jain,

(Transferor)

(2) Sh. Kuldeep Singh s/o Sh. Sohan Singh r/o Bazar Kessarian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants listed in the valuation report.
Sh. Kuldeep Singh, Raj Kumar, Sh. Dwarka Dass
Sh. Dev Raj Pawan Kumar Chopra.

[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 605, 606, 607 situated in Bazar Kessarian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1053/I dated 5-7-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 13-3-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Charanjit Lal Bhaskar s/o Sh. Dunga Dass,
Smt. Ramesh w/o Sh. Charanjit Lal Bhaskar,
Sh. Atul s/o Sh. Charanjit Lal Bhaskar,
r/o 28 Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Tilak Raj s/o Sh. Ram Lubhaya
r/o 17 Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants as listed in the report if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land bearing khasia No. 392/I situated in Tung Bala Urban Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1295/I dated 30-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 20-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/367.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Sharifpura, ASR.
 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbhajan Kaur W/o Sh. Puran Singh alias Sampuran Singh r/o Gol Masjid Gali No. 8, Sharifpura, Amritsar. (Transferor)

(2) Shmt. Nirmala Rani d/o Sh. Rattan Lal r/o Amritsar Gali No. 8, Gole Masjid Amritsar. Sharifpura. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants mentioned in the valuation report if any. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house two storeyed No. 227/13 (area 59 sq. mtrs) situated in Gali No. 8, near Gole Masjid Sharifpura, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1294/I dated 30-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B.B. 79-80/368.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agil, land in village Jandiala Guru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Baba Bakala in July 1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S. Rashpal Singh s/o Sant Singh Vill. Jandiala Guru, (Transferor)
- (2) A. Baljit Singh s/o Joginder Singh r/o Vadali Dogran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agil land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru, tehsil Baba Bakala, as mentioned in the sale deed No. 1716/- 4-7-79 of the registering authority Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B.B./79-80/369.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in Jandiala Guru (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Kumari Kiran Rup d/o S. Rachpal Singh r/o Jandiala now at Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Tara Singh, Joginder Singh, Dalip Singh s/o Amar Singh, r/o Vadali Dogran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 1717 dated 4-7-79 of the registering authority Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 18-3-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th March 1980

Ref. No. B. B./79-80/370.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in Jandiala Guru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in July 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (**27 of 1957**);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Kunwari Kawal Rup d/o Rushpal Singh
r/o Jandiala Guru. (Transferor)
- (2) Sh. Charan Singh s/o Mohinder Singh
r/o Wadali Guru, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 24 kanals situated in Jandiala Guru as mentioned in the sale deed No. 1715 dated 4-7-79 of the registering authority, Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 18-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/371.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 factory building in Tung Bala area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Singh w/o Piara Lal
r/o Sidhu Niwas, Puthighar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Samrat Woolen Mills, Pvt. Ltd.
R. B. Duni Chand Road, Amritsar,
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants
M/s. Ambica Woolen Mills.
M/s. Ambica Woolen Mills.
M/s. Mehra Twisting works.
M/s. Sardari Lal Mehra Weaving Factory and
M/s. Harsukh Lal Kidar Nath.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in factory building No. 917-18/XIII-22, 1660-61/XIII-22 and Khasra No. 20 21 (area 687 $\frac{1}{4}$ sq. mtrs.) situated in Tung Bala Urban, Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1133/T dated 13-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 17-3-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. ASR/79-80/372.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 share in plot on Jail Road, Amritsar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Prithi Pal Singh alias Prithpal Singh s/o Sh. Nand Singh r/o 10-Majitha Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Gurinder Singh s/o Jagat Singh, Jail Road, Oppst. Kothi No. 14, Jail Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot bearing Khaara No. 2017/66 situated on old Jail Road, Amritsar, measuring 300 sq. mtrs. i.e. 360 sq. yds. as mentioned in the sale deed No. 1241/I dated 23-7-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—16GI/80

Date : 17-3-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th March 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. MAHAJAN,
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building in Hide Market GT Rd. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ashok Kumar s/o Walati Ram & Smt. Vidya Wati wd/o Walati Ram r/o 4731 Lakshmi Bazar Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Naresh Kumar s/o Krishan Gopal r/o F. 2/1 Model Town, Delhi. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Oriental Woollen Mills. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building No. BXIII 185-5 (area 92 sq. mtrs.) situated in Hide Market, G.T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1195/I dated 19-7-79 of the Registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Hide Market, G.T. Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SR Amritsar in July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Walati Ram & Smt. Vidya Wati wd/o Sh. Walati Ram, 4731, Lakshmi Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Gupta w/o Sh. Bindra Ben 10-N.D.W. Road, Panjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Oriental Woollen Mills.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One building no. BXIII 18, S-5 (area 98 sq. mtrs.) situated in Hide Market G. T. Road, Amritsar mentioned in the sale deed No. 1194/I dated 19-7-79 of the registering authority Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-2-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmdabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(986)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 473, 474-5, 474-6 situated at village: Gota, Tal: Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Ahmedabad on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shantaben wd/o. Patel Haribhai Dahyabhai
Village : Gota, Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36 Shanker Society No. 1, Char Rasta, Naranpura, Ahmedabad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patle, 27, Tarak Kunj Society, Nr. Wadej, Ahmedabad.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11 Shantiniketan Park, Behind Amin Hospital, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres, O-32-4 Gunthas, and O-34-4 gunthas bearing S. No. 473, 475/5, & 474/5 respectively situated at Village Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully mentioned in the sale-deed vide R. No. 7163 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harshadhbhai Haribhai Patel, self and as Karta of H.U.F. and guardian of minor Babo Harshadhbhai, village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36, Shanker Society No. 1 Char Rasta, Naranpura, Ahmedabad-13,
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj Society, Nava Wadej, Ahmedabad-13,
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan Park, Behind Amin's Hospital, Naranpura, Ahmedabad-13.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. Acq.23-I-2642(987)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 473, 474-5, 474-6, situated at village: Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres, 0-32-4 gunthas and 0-34-4 gunthas bearing S. No. 473 4755, 474/6 respectively situated at village Gota, Tal. Daskori, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 7162 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(988)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 473, 474-5 & 474-6 situated at Village : Gota, Daskroi Taluka, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandulal Haribhai Patel, self and as karta of H.U.F. and guardian of minors :
1. Shri Jayendra Chandubhai,
2. Shri Sailesh Chandubhai, village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

(2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36, Shanker Society No. 1, Char Rasta, Naranpura, Ahmedabad-13.
2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj Society New Wadaj, Asmedabad-13.
3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan Park, Behind Amin's Hospital, Ahmedabad-13.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in the open land admeasuring 7 acres, O-32-4 gunthas, O-34-4 gunthas bearing S. Nos. 473, 475/5 and 474/6 respectively situated at Village : Gota, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 7166 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2642(989)/1-1/79-80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 473, 474-5 & 474-6, situated at Vill: Gota, Taluka Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Haribhai Patel, self and as Karta of H.U.F. and as guardian of minor Babo Jagdishbhai, Vill: Gota, Daskroi Taluka, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) 1. Shri Vishnubhai Mafatlal Patel, 36, Shanker Society No. 1, Four Roads, Naranpura, Ahmedabad-13.
- 2. Shri Jayantibhai Mafatlal Patel, 27, Tarak Kunj Society, New Wadaj, Ahmedabad-13.
- 3. Shri Kanubhai Mafatlal Patel, 11, Shantiniketan Patk, Behind Park, Behind Amin's Hospital, Ahmedabad-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDE

1/4th share in undivided open land admeasuring 7 acres, O-32-4 gunths, and O-34-4 gunths bearing S. No. 473, 475/5, Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-5, & 474/6 respectively, situated at village: Gota, Tal: Daskroi, Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 7167 dated 4-7-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabnd.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 320/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Indira Devi, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam
2. Shri Krishnan.
3. " Govindan,
4. " Sivan
5. " Vijayan } (By Smt. Indira Devi)
Ernakulam
(Transferor)
- (2) Shri Joseph Mathew
(For M/s Joseph Michael & Bros.), Palai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2451/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 321/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Smt. Indira Devi, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam.
2. Shri Krishnan, }
3. .. Govindan, }
4. .. Sivan } (By Smt. Indira Devi)
5. .. Vijayan } Ernakulam
} (Transferor)
- (2) Shri Joseph Mathew
(For M/s Joseph Michael & Bros.), Palai.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2452/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Subha, Thundathil Veedu, Mayyanadu, Quilon
(Transferor)

(2) Smt. Arifa, D/o Thangal Kunju, T. K. Madhathil,
South of High School Jn, Quilon.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016. the 12th March 1980

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

10 $\frac{1}{2}$ cents of land with buildings as per schedule to document No. 2779/79.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Saramma Kuruvilla W/o Kuruvilla Thomas,
Karothu House, Nattakom.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Doors Transports (P) Ltd., (By Sri G. D. Mittal) 134/1, M. G. Road, Calcutta-700 007.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 12th March 1980

Ref. No. L.C. 406/79-80.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule, situated at Kottayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Principal) on 13-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

32 cents of land with buildings in Sy. No. 7/8 of Kottayam village.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITN9

(1) Shri Basappa alias Ashok Shivappa Kattishetti R/o Ganachargalli, No. 4020, Belgaum.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

DHARWAR-580 004

Dharwar, the 4th December 1979

No. 258/79.80/Acqn.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 1008/1 situated at JOONA-BANGALORE ROAD, BELGAUM

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at BELGAUM UNDER DOCUMENT No. 992 on 5-7-70 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Chanabasavesh alias Rajesh
2. Virupaksh alias Sanju
3. Girish S/o. Shivashankar Kattishetti M/G.
Sow. Sheela Shivashankar Kattishetti
No. 4020, Ganachargalli, Belgaum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 992 Dated 5-7-1979)
Property bearing CTS No. 10008/1 situated on Poona-Bangalore Road, Belgaum.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1979
Seal :

STAFF SELECTION COMMISSION
NOTICE

GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 12th April 1980

No. 7/7/279-Coord-II.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of Rly. Board Sectt. Stenographers' Service will be held by the Staff Selection Commission on the 10-9-1980 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administration Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India dated the 12-4-1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATIONS WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of the examination is given below :—

- | | |
|---|---|
| (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C; | * |
| (ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II; | * |
| (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; and | * |
| (iv) Gr. 'C' of the Rly. Board Sectt. Stenographers Service. | * |

*Will be determined later.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Regional Director N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Commission's office up to the 10-5-80. They are also obtainable from the Commission by post up to the 10-5-80 on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' a crossing and payable to the 'Staff Selection Commission'. The name of the examination GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1979 should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by two slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the two slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1/- will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipts—Sale of Application forms" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Department of Personnel & Administrative Reforms, New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the Commission. Two slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 10-5-80 except from persons residing abroad or in the

Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep which will, however, be entertained upto the 24-5-80.

4. The completed application form must reach the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003, on or before the 10-5-80, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidate contained in Annexure. No. application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the 10-5-80 will, however, be accepted upto the 24-5-80.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980. Applications on form other than the one prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980 will not be entertained. The applications on forms marked 'For Official Use only' will also not be entertained.

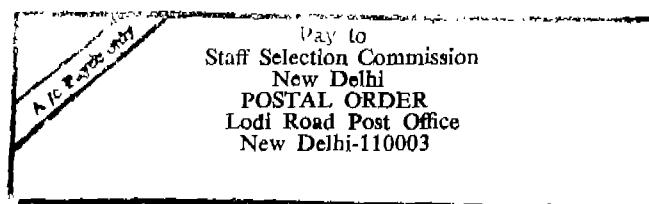
NOTE 2.—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 3.—Applicants who submit their applications at the Commission's counter should obtain the acknowledgement cards from the clerk who receives the application from them.

5. (i) Prescribed Fee.—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-paras (iii) and (v) below, must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Staff Selection Commission or by Bank draft drawn in favour of Staff Selection Commission on State Bank of India at its Parliament Street, New Delhi Branch. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—



The Commission will not accept payment of fee sent through Money Orders or cheques or currency notes.

(iii) The Commission may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or before 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFF TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE STAFF SELECTION COMMISSION, NEW DELHI, AT LODI ROAD POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSS-ED INDIAN POSTAL ORDERS OR BANK DRAFTS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH

MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

(v) There will be no fee for Ex-servicemen.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Commission, because of late receipt of his application, his application alongwith the postal orders, will be returned to him.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 and should contain the following particulars:—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communication not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Staff Selection Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Gade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1980."

MADAN LAL
Secretary Staff Selection Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Controller of Exams., Staff Selection Commission in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions, (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centre. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at his own expenses at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer papers on (ii) Essay and (iii) General Knowledge and take the Stenography tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form, should be sent to the Regional Director, N.R. Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, Khan Market, New Delhi-110003 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM, THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED, AND THE SHORT-HAND TESTS TAKEN, IN ENGLISH.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep may, at the discretion of the Commission, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the Commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. (1) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi or bank draft drawn in favour of the Staff Selection Commission on the State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi only and valid for at least 6 months for the prescribed fee.
- (ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st August, 1977 attested by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iv) Documents required (where applicable) vide paragraph 6 below.

(2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or bank drafts for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows:—

"Pay to the Staff Selection Commission at Lodi Road Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

All bank drafts should be in favour of Staff Selection Commission and drawn on State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi.

NOTE.—Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipts—Examination fees" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Deptt. of

Personnel and Administrative Reforms, New Delhi. The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book attested by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, name of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the case of candidates belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), educational qualification, and specimen signature of the candidate.
- (b) Certified true copy of the particulars of service since 1-8-1977 attested by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity substantive officiating, permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Commission may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

- (iii) *Two copies of photograph*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph one of which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (iv) The documents required *vide para 6 below* (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. (i) A displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangladesh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge; and
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Burma and Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and/or age concession under Rule 4(c)(iv) or

4(c)(v) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession under Rule 4(c)(vii) or 4(c)(ix) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A certificate who has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) or 4(c)(vii) should produce an attested copy of certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(c)(x) or 4(c)(xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(c)(xii) or 4(c)(xiii) should produce an attested copy of a Certificate in the form prescribed below from the Director-General Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force, in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operation during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

7. Candidates are required to submit along with their applications copies of their certificates mentioned in para 6 above attested by a Gazetted officer of Government or certified by candidates themselves as correct.

8. The Candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Commission :—

- (i) Postal Orders/Bank drafts.
- (ii) One extra copy of photo (another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Certified true copy of the first page of his Service Book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (v) Certified true copy of the particulars of his service during the three years ended 1-8-1980 by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (vi) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangladesh, etc.
- (vii) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.
- (viii) Any other certificate the candidate wishes to send.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate who sends his application by post, and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his

application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Staff Selection Commission, a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Commission. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Staff Selection Commission, for attending the examination.

13. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade C Stenographer's Limited Departmental Competitive Examinations held by the Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission in previous years are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, State Emporia Building, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for Government of India Publications at various mofussil towns.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION ALONGWITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER AND THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.